राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 14
अंक : 175
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
बुधवार 21 मई 2025
मूल्य :2 /-
RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट | पेज 3 नोएडा में डीएनडी से नहीं सेक्टर-19 से बनेगी एलिवेटेड | पेज 4 एक लाख का इनामी सोनू पासी मारा गया | पेज 6 रोहित शर्मा के इस प्रस्ताव को बीसीसीआई ने किया खारिज

संक्षिप्त खबरें

अहमदाबाद में होगा आईपीएल का फाइनल

मुंबई। आईपीएल 2025 का फाइनल मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। इसी मैदान पर क्वालिफायर-2 भी खेला जाएगा। यह फैसला मंगलवार को बीसीसीआई की एक बैठक में लिया गया। बोर्ड ने बताया कि क्वालिफायर-1 और एलिमिनेटर मैच मोहाली के पास मुल्लानपुर स्टेडियम में खेला जाएगा। इतना ही नहीं, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच 23 मई को बेंगलुरु में होने वाले मैच को बारिश के कारण लखनऊ शिफ्ट कर दिया है। भारत-पाकिस्तान तनाव के कारण 9 मई को आईपीएल को रोका गया था। फिर 17 मई से लीग के शेष मैचों की शुरुआत हुई।

यात्री डॉक्टर यूट्यूबर से पूछताछ करेगी हरियाणा पुलिस

रेवाड़ी/रोहतक। नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी दूतावास में पाकिस्तान के गेस्ट बने हरियाणा के यूट्यूबर नवांकुर चौधरी भी पुलिस के रडार पर आ गए हैं। पाकिस्तान की जासूसी के आरोप में पकड़ी गई हिसार की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा के साथ नवांकुर की फोटो वायरल हुई थी। इसके बाद पुलिस ने उनके पिता से पूछताछ की है। नवांकुर यूट्यूब पर यात्री डॉक्टर के नाम से चैनल चलाते हैं। नवांकुर ने भी पाकिस्तान की यात्रा कर उसका वीडियो अपने यूट्यूब चैनल पर शेयर किया था। मूल रूप से रोहतक के रहने वाले नवांकुर का परिवार अब झज्जर में बहादुरगढ़ के सेक्टर 9 में रहता है।

'अनधिकृत' दुकानें

सरोजिनी मार्केट इलाके में फुटपाथों से करीब 150 से 200 'अनधिकृत' दुकानें और स्टॉल हटा दिए गए हैं।

उत्तराखंड के मदरसों में पढ़ाया जाएगा ऑपरेशन सिंदूर

मदरसा बोर्ड का फैसला, अध्यक्ष बोले- बच्चे सेना के पराक्रम और इतिहास को जानेंगे

उत्तराखंड। उत्तराखंड के मदरसों में ऑपरेशन सिंदूर के बारे में पढ़ाया जाएगा। इससे बच्चों को देश के सैनिकों के बलिदान और शौर्य के बारे में पता चलेगा। यह फैसला उत्तराखंड मदरसा बोर्ड ने लिया है। बोर्ड चाहता है कि बच्चे देश के इतिहास और सेना के पराक्रम से परिचित हों।

बोर्ड के अध्यक्ष मुफ्ती शमून कासमी ने कहा, मदरसों में NCERT सिलेबस लागू किया गया है, ताकि बच्चों को मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ा जा सके। इससे मदरसों में काफी सुधार आया है। अब हम अपने बच्चों के साथ ऑपरेशन सिंदूर की सफल कहानी शेयर करना चाहते हैं।

मुफ्ती शमून कासमी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से दिल्ली में मुलाकात की है। उन्हें ऑपरेशन सिंदूर के लिए बधाई दी। उन्होंने बताया, उत्तराखंड में 451 मदरसे हैं, जिनमें लगभग 50 हजार बच्चे पढ़ते हैं।

कर्नाटक में भारी बारिश, 8 लोगो की हुई मौत

बेंगलुरु में 500 घर डूबे; महाराष्ट्र में इमारत का स्लैब ढहा, 4 की मौत

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में मंगलवार को बारिश हुई। कर्नाटक में तेज बारिश के कारण 8 लोगों की मौत हुई है। बेंगलुरु में भारी बारिश के कारण 500 से ज्यादा घरों में पानी भर गया। बीटीएम लेआउट में पानी भरे अपार्टमेंट में करंट लगने से 12 साल के बच्चे और 63 साल के बुजुर्ग की मौत हो गई। व्हाइटफील्ड में दीवार गिरने से 35 साल की महिला की मौत हो गई। शिवगंगा जिले के मल्लाकोट्टई में पत्थर की खदान में ढह गई। इस घटना में 5 मजदूरों की मौत हो गई। रेस्क्यू टीम ने 4 शव बरामद किए हैं। एक मजदूर घायल हुए है, उसका इलाज जारी है। अधिकारियों ने बताया कि यहां तेज बारिश हो रही है, चट्टान को ब्लास्ट किया गया था, इसी दौरान वह ढह गई। राज्य के 7 जिलों में बारिश के अलर्ट को बदलकर रेड अलर्ट में अपग्रेड किया गया। यहां अचानक बाढ़ की भी चेतावनी है। लगातार बारिश के चलते बेंगलुरु में ऑरेंज अलर्ट है। यहां आज सुबह 8.30 बजे से दोपहर 2.30 बजे के बीच 0.4 मिमी बारिश दर्ज की गई। महाराष्ट्र के ठाणे में भी मंगलवार दोपहर 4 मंजिला इमारत का स्लैब ढह गया। इस घटना में एक बच्चे समेत 4 लोगों की मौत हो गई। 4 लोग घायल भी हुए हैं। अधिकारियों के मुताबिक बारिश के बाद यह घटना हुई। मुंबई के वसई

इलाके में मंगलवार रात तेज आंधी-बारिश के चलते पेड़ उखड़ गया। झारखंड में बिजली गिरने से 5 मौतें हुईं।

मौसम विभाग ने मंगलवार को एपी-यूपी समेत 13 राज्यों में आंधी-बारिश के साथ तूफान का अलर्ट जारी किया था। इधर, मंगलवार को राजस्थान के बीकानेर, जयपुर, भरतपुर संभाग के शहरों का तापमान 44 से 47 के बीच रहा।

उदयपुर और कोटा संभाग में धूल भरी आंधी चली। साथ ही बारिश भी हुई। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 48 घंटों में पूरे राजस्थान में तापमान में 1 से 2 सेल्सियस की और वृद्धि होने की उम्मीद है।

दिल्ली और हरियाणा में हीटवेव

मौसम विभाग ने राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा और चंडीगढ़ में हीटवेव की चेतावनी जारी की है। मैदानी इलाकों में मध्य प्रदेश के खजुराहो में पारा 46 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। उत्तर प्रदेश का बांदा 46.6 डिग्री के साथ देश में सबसे ज्यादा गर्म रहा।

केरल के 4 जिलों में रेड अलर्ट, सिक्किम में भारी बारिश का अनुमान

मौसम विभाग ने मंगलवार को केरल के वायनाड और उत्तरी जिलों कासरगोड, कन्नूर, वायनाड और कोझिकोड के लिए रेड अलर्ट जारी किया, जबकि पलक्कड़, मलप्पुरम और त्रिशूर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है क्योंकि इस रीजन के कई इलाकों में भारी बारिश जारी है।

मौसम विभाग ने इडुक्की, एर्नाकुलम, कोट्टायम, अलप्पुझा और पथानामथिट्टा के लिए यलो अलर्ट भी जारी किया है। जैसे-जैसे बारिश जारी रहेगी, खासकर पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन की संभावना बढ़ सकती है।

झारखंड शराब घोटाला, आईएएस विनय चौबे और गजेंद्र सिंह गिरफ्तार

एसीबी ने कोर्ट में पेश किया, 5 दिन की रिमांड मांगी, 6 घंटे हुई पूछताछ

रांची। झारखंड में कथित तौर पर हुए शराब घोटाला मामले को लेकर आईएएस विनय चौबे को मंगलवार को एंटी करप्शन ब्यूरो ने गिरफ्तार किया है।

इससे पहले एसीबी ने करीब 6 घंटे उनसे पूछताछ की। पूछताछ के दौरान ही मेडिकल टीम को बुलाया गया था। जांच के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

एसीबी ने मंगलवार को उनके तत्कालीन विभागीय सचिव होने के नाते पूछताछ की। सुबह 11 बजे के करीब टीम उन्हें एसीबी कार्यालय लेकर आई, जहां उनसे पूछताछ की गई।

इसी मामले में आईएएस गजेंद्र सिंह को भी गिरफ्तार किया गया है। गजेंद्र सिंह संयुक्त उत्पाद आयुक्त है। एसीबी ने 5 दिन की रिमांड मांगी है।

बताया जा रहा है कि पूरा मामला 31 मार्च 2022 में लागू हुई नई शराब नीति से जुड़ा हुआ है। उस दौरान उत्पाद विभाग के सचिव विनय चौबे ही थे। इस दौरान शराब नीति में बदलाव की बात चल रही थी, तब उन्होंने शराब नीति बदलने के लिए छत्तीसगढ़ के अधिकारियों के साथ बातचीत की थी। बताया जा रहा है कि यह बातचीत जनवरी 2022 में रायपुर में हुई थी। इसके बाद मार्च में नई शराब नीति लागू हुई।

मीडिया में आई खबरों के मुताबिक नई शराब नीति लागू होने के दो साल बाद तक छत्तीसगढ़ सिंडिकेट झारखंड में एक्टिव रहा। इस दौरान नकली होलोग्राम, अवैध शराब की सप्लाई कर झारखंड सरकार को करोड़ों के राजस्व का नुकसान पहुंचाया गया। इस कथित घोटाले को लेकर पहले पूर्व उत्पाद सचिव विनय कुमार चौबे और उत्पाद विभाग के संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सिंह के ठिकानों पर ईडी छापेमारी कर चुकी है।

मुर्शिदाबाद में टीएमसी नेता ने कराई हिंसा

113 घरों को नुकसान, दुकानें जलाईं; हाईकोर्ट कमेटी ने पुलिस पर सवाल उठाए

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में अप्रैल में सांप्रदायिक हिंसा को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट की तरफ से गठित जांच समिति ने गंभीर खुलासे किए हैं। इसमें कहा गया है कि हिंसा में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय नेता की भूमिका थी। हमलों का नेतृत्व स्थानीय पार्षद महबूब आलम ने किया।

रिपोर्ट के अनुसार हिंसा में खासतौर पर हिंदू समुदाय को निशाना बनाया गया। इस दौरान स्थानीय पुलिस पूरी तरह से निष्क्रिय रही। पीड़ितों ने कई बार पुलिस को कॉल किया, लेकिन कोई मदद नहीं पहुंची।

दरअसल, 17 अप्रैल को हाईकोर्ट ने तीन सदस्यीय समिति का गठन किया था। इसमें राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, पश्चिम बंगाल मानवाधिकार आयोग और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के एक-एक सदस्य शामिल थे। पश्चिम बंगाल में 11-12 अप्रैल को नए वक्फ बोर्ड कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान भीड़ उग्र हो गई थी। इसके बाद मुर्शिदाबाद में हिंसा हुई। इसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हुई थी और कई लोग घायल हुए थे।

रिपोर्ट के 4 अहम पॉइंट्स...

मुख्य हमला 11 अप्रैल, शुक्रवार को दोपहर 2: 30 बजे के बाद हुआ।

पार्षद महबूब आलम उपद्रवियों के साथ आए थे। इसके बाद हिंसा भड़की।

बेटबोना गांव में 113 घरों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा।

आगजनी, लूटपाट और दुकानों व मॉल्स को निशाना बनाया गया।

बंगाल गवर्नर गृह मंत्रालय को रिपोर्ट भेज चुके

पश्चिम बंगाल के गवर्नर सी. वी. आनंद बोस ने 4 मई को मुर्शिदाबाद दंगे पर गृह मंत्रालय को रिपोर्ट सौंपी थी। इसमें कट्टरपंथ और उग्रवाद को पश्चिम बंगाल के लिए बड़ा खतरा बताया था। गवर्नर ने कहा था कि बंगाल को दोहरा खतरा है, खासतौर पर बांग्लादेश से सटे मुर्शिदाबाद और मालदा जिलों में ज्यादा है, क्योंकि यहां हिंदू आबादी अल्पसंख्यक हैं। उन्होंने नॉर्थ दिनाजपुर को भी संवेदनशील जिला बताया था।

गवर्नर की रिपोर्ट के 4 मुख्य सुझाव..

बांग्लादेश से सटे सीमावर्ती जिलों में सेंट्रल फोर्सेस की चौकियां बनाई जाएं। हिंसा की जांच के लिए एक आयोग गठित हो। केंद्र सरकार 'संवैधानिक विकल्पों' पर विचार करे, ताकि राज्य में कानून व्यवस्था बनी रहे। हालात बिगड़ने पर आर्टिकल 356 (राष्ट्रपति शासन) को विकल्प बताया। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि अभी इसकी जरूरत नहीं है।

फिर पैर पसार रहा कोरोना, केरल और महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा मामले

नई दिल्ली। एशिया के कई देशों में एक बार फिर कोरोना पैर पसार रहा है। भारत में भी इसे लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। स्वास्थ्य एजेंसियों के विशेषज्ञों के साथ लगातार बैठकें हो रही हैं और सरकार अलर्ट मोड पर है।

हालांकि अधिकारियों की तरफ से यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत में स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है और इसके लिए चिंता करने की जरूरत नहीं है। डेटा के मुताबिक, भारत में 12 मई से अब तक कोविड-19 वायरस के केवल 164 मामले सामने आए हैं। इस लिस्ट में सबसे पहले नंबर पर

केरल का नाम है। केरल में इस वक्त कोविड-19 के सबसे ज्यादा मरीज है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, केरल में इस वक्त कोरोना के 69 मामले एक्टिव हैं। दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र है, जहां 44 मामले हैं। इसके अलावा तमिलनाडु में 34, कर्नाटक में 8, गुजरात में 6 और दिल्ली में करीब 3 मामले सामने आए हैं। इसके अलावा हरियाणा, राजस्थान और सिक्किम में भी एक-एक मामले हैं। एशिया में कोरोना के मामले बढ़ने की वजह वायरस का नया वैरिएंट है। बताया जा रहा है कि कोरोना के JN.1 वैरिएंट ने स्थिति को यहां पहुंचा दिया है। यह ओमिक्रॉन बीए 2.86 का ही म्यूटेशन है। सिंगापुर और हॉन्ग कॉन्ग जैसे देशों में कोविड-19 के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। अगले कुछ हफ्तों तक स्थिति में सुधार की कोई उम्मीद नहीं है।

मुंबई में दो मरीजों की मौत

वहीं मुंबई के केईएम अस्पताल में दो कोविड पॉजिटिव मरीजों की मौत हो गई। दोनों गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। एएनआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि एक मरीज को ओरल कैंसर था, जबकि दूसरा नेफ्रोटिक सिंड्रोम से जूझ रहा था। हालांकि बीएमसी ने यह स्पष्ट किया है कि दोनों मौतें कोविड-19 की वजह से नहीं, बल्कि उनकी बीमारी की वजह से हुई थीं।

यूट्यूब चैनलों पर पाबंदी लगाएगी हरियाणा सरकार

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार जल्द यूट्यूबरों पर पाबंदियां लगाएगी। इसके लिए बाकायदा स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर बनाया जाएगा। इसमें खास तौर पर पाकिस्तान का गुणगान करने वाले यूट्यूबरों पर सख्ती बरती जाएगी। मंगलवार को सीएम नायब सैनी ने चंडीगढ़ में गृह एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों के साथ रिव्यू मीटिंग की। जिसमें ज्योति मल्होत्रा समेत प्रदेश से पकड़े गए 5 पाकिस्तानी जासूसों को लेकर चर्चा हुई। सीएम ने अधिकारियों को आदेश दिए कि ज्योति मल्होत्रा जैसे केस फिर सामने न आएं, इसलिए पाकिस्तान से किसी भी तरह जुड़े यूट्यूब चैनलों पर नजर रख उनका डेटा खंगालें। मीटिंग के बाद प्रदेश की अतिरिक्त मुख्य सचिव , गृह सुमिता मिश्रा ने पुष्टि करते हुए कहा कि मीटिंग में पाकिस्तान समर्थित ऑपरेटिव पर चर्चा की गई। इन पर प्रदेश में कार्रवाई जारी रहेगी। एसीएस डॉ. सुमिता मिश्रा ने स्पष्ट कहा कि प्रदेश में जो भी यूट्यूब चैनल चल रहे हैं, उनका रिकॉर्ड खंगाला जाएगा। सोशल मीडिया पर नजर रखने के लिए स्पेशल सैल बना दिए गए हैं।

परमाणु साइंटिस्ट एम आर श्रीनिवासन का निधन

भारत के न्यूक्लियर एनर्जी प्रोग्राम पर काम करने वाले साइंटिस्ट एमआर श्रीनिवासन का आज 20 मई को तमिलनाडु के ऊटी में निधन हो गया। वो 95 साल के थे। उनकी बेटी शारदा श्रीनिवासन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सोमवार को वो अचानक बीमार पड़ गए और उन्हें अस्पताल लेकर जाया गया। मंगलवार सुबह 4 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। एम आर श्रीनिवासन का जन्म 5 जनवरी 1930 को ब्रिटिश भारत के बेंगलुरु में हुआ। उन्होंने मैसुर के इंटरमीडिएट कॉलेज से साइंस में पढ़ाई की। इस दौरान उन्होंने इंग्लिश और संस्कृत को लैंग्वेज ऑफ मीडियम के तौर पर चुना। 1950 में उन्होंने एम विश्वेश्वैया के इंजीनियरिंग कॉलेज से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन किया। 1952 में मास्टर्स पूरा करने के बाद आगे की पढ़ाई के लिए कनाडा के मॉन्ट्रियल की मैकगिल यूनिवर्सिटी गए। यहां उन्होंने गैस टर्बाइन टेक्नोलॉजी में स्पेशलाइजेशन के साथ पीएचडी की।

हैप्पी मॉर्निंग

पत्नी ने एंबुलेंस बुलाने के लिए कॉल किया. ऑपरेटर - आपको क्या समस्या है? पत्नी- मेरे पैर की ऊंगली कॉफी टेबल से टकरा गई है ऑपरेटर- और इसके लिए आप एंबुलेंस बुलाना चाहती हैं? पत्नी- नहीं, एंबुलेंस तो मेरे पति के लिए है, उन्हें हंसना नहीं चाहिए था। ऑपरेटर चुप

शायरी

दुश्मनी जम कर करो लेकिन ये गुंजाइश रहे
जब कभी हम दोस्त हो जाएँ तो शर्मिंदा न हों

अर्थसार

सेंसेक्स:
81,186.44
-872.98 (1.06%)
निफ्टी:
24,683.90
-261.55

मौसम

अधिकतम : 39 डिग्री से0
न्यूनतम : 28 डिग्री से0
सूयोदय गुरुवार : 5 : 44
सूर्यास्त बुधवार : 7 : 02

अटारी-वाघा बॉर्डर पर ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली रिट्रीट सेरेमनी

भारतीय गैलरी में भीड़, पाकिस्तान की खाली; न गेट खुले और न हैंडशेक किया

एजेंसी

अमृतसर। पंजाब में भारत-पाकिस्तान के बीच बने अटारी-वाघा बॉर्डर पर मंगलवार (20 मई) को 12 दिन बाद रिट्रीट सेरेमनी हुई। ये सेरेमनी करीब 1 घंटा तक चली। 6-7 मई की रात भारत की पाकिस्तान पर 'ऑपरेशन सिंदूर' एयर स्ट्राइक के बाद इसे 7 मई को बंद कर दिया गया था। बीएसएफ की तरफ से इसमें कुछ बदलाव किए गए हैं। रिट्रीट के दौरान भारत और पाकिस्तान सीमा पर बने गेट बंद रखे गए। दोनों देशों के जवानों ने एक-दूसरे से हाथ भी नहीं मिलाया। इस दौरान बीएसएफ की महिला जवानों की टुकड़ी ने भी परेड की।

भारत की तरफ से रिट्रीट देखने के लिए भारी संख्या में लोग तिरंगा लेकर पहुंचे। बीएसएफ जवानों ने जोश दिखाया तो उन्होंने सीटी और तालियां बजाई। हालांकि पाकिस्तान की तरफ वाली गैलरी खाली दिखी। भीड़ दिखाने के लिए पाकिस्तानी रेंजर्स ने वहां के वर्कर्स को गैलरी में बिठाया।

अटारी-वाघा के अलावा फिरोजपुर में हुसैनीवाला और फाजिल्का में सादकी बॉर्डर पर भी रिट्रीट हुई। बता दें कि रिट्रीट सेरेमनी साल 1959 से दोनों देशों के बीच रिवाज के तौर पर हो रही है।

वक्फ कानून — आज केंद्र पक्ष रखेगा; कल कोर्ट ने कहा था- राहत के लिए मुस्लिम पक्ष मजबूत दलीलें लाए

वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट में लगातार दूसरे दिन सुनवाई

नई दिल्ली। नए वक्फ कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को लगातार दूसरे दिन सुनवाई होगी। आज केंद्र सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता दलीलें पेश करेंगे।

20 मई को सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने कहा था कि मुस्लिम पक्ष को अंतरिम राहत पाने के लिए मामले को मजबूत और दलीलों को स्पष्ट करना चाहिए।

दरअसल, याचिकाकर्ताओं का कहना था कि कोई संपत्ति एएसआई (आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया) के संरक्षण में है तो वह वक्फ संपत्ति नहीं हो सकती। कोर्ट का सवाल था- क्या एएसआई की संपत्ति में प्रार्थना नहीं हो सकती, वक्फ प्रापर्टी एएसआई के दायरे में आने से धर्म पालन का हक छिन जाता है।

इस पर याचिकाकर्ता के वकील कपिल सिब्बल ने बताया था कि नए कानून के तहत अगर कोई संपत्ति एएसआई संरक्षित है तो वह वक्फ संपत्ति नहीं हो सकती। वक्फ रद्द हो जाए तो फिर वह वक्फ संपत्ति नहीं। ये संविधान के अनुच्छेद 25 का उल्लंघन है।

इसी दलील पर सीजेआई ने मुस्लिम पक्ष को हिदायत दी थी- स्पष्ट मामला न हो तो कोर्ट हस्तक्षेप नहीं कर सकता। हर कानून के पक्ष में

संवैधानिकता की धारणा होती है। हम अंतरिम राहत दे सकें, इसके लिए आपकी दलीलें बहुत मजबूत और स्पष्ट होनी चाहिए वरना, संवैधानिकता की धारणा बनी रहेगी।

नए वक्फ कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट सिर्फ 5 मुख्य याचिकाओं पर ही सुनवाई कर रहा है। इसमें एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी की याचिका शामिल है। सुप्रीम कोर्ट ने दोनों पक्षों को बहस के लिए 7 घंटे का वक्त तय किया है।

मंगलवार को 3 घंटे तक याचिकाकर्ताओं की दलीलें सुनने के बाद बेंच ने मामला आज तक के लिए स्थगित कर दिया था।

सरकार का पक्ष

कुल तीन मुद्दे हैं, जिन पर रोक लगाने की मांग की गई है। उस पर जवाब दाखिल कर दिया है। कोर्ट केवल इन्हीं मुद्दों पर सुनवाई को सीमित रखे।

यह कानून पारदर्शिता, जवाबदेही और प्रशासनिक सुधार के लिए लाया गया है।

कानून संविधान के खिलाफ नहीं है और धार्मिक स्वतंत्रता या अधिकारों में हस्तक्षेप नहीं करता है।

वक्फ अपने स्वभाव से ही धर्मनिरपेक्ष अवधारणा है। संवैधानिकता के अनुमान को देखते हुए इसे रोका नहीं जा सकता।

संसद से पारित कानून को रोका नहीं जा सकता। अंतरिम आदेश से पहले कानून की संवैधानिकता का व्यापक परीक्षण किया जाए।

संपादकीय

‘फुले पर चुप्पी क्यों, प्रधानमंत्री जी?’

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी The Kashmir Files की तारीफ करते हैं और उसे ‘सत्य को सामने लाने वाली जरूरी फिल्म’ बताते हैं;

जब वो The Sabarmati Report फ़िल्म को विशेष रूप से देखते हैं; जब Chhaava जैसी फिल्म की संसद में स्पेशल स्क्रीनिंग होती है, जिसमें वे स्वयं मंत्रियों के साथ बैठते हैं—

तो यह स्पष्ट होता है कि वे सिनेमा को केवल मनोरंजन नहीं, राजनीतिक और वैचारिक उपकरण मानते हैं।

लेकिन जब यही प्रधानमंत्री Phule जैसी ऐतिहासिक, क्रांतिकारी और समाज–निर्माण पर आधारित फिल्म पर एक शब्द भी नहीं बोलते,

ना भाजपा सांसदों को देखने के लिए कहते हैं, और ना खुद इसे देखने की कोई पहल करते हैं

तो यह चुप्पी सिर्फ ‘नजरअंदाजी’ नहीं, सोचने लायक संकेत बन जाती है।

ज्योतिराव फुले और सावित्रीबाई फुले ये वो नाम हैं जिन्होंने शोषण, जातिवाद और अंधविश्वास के खिलाफ देश की सबसे पहली मशालें जलाईं।

जिन्होंने बालिकाओं को शिक्षा दी, विधवाओं को सम्मान दिया, और बहुजन समाज को आत्मगौरव की भाषा सिखाई।

क्या ये आदर्श उस ‘न्यू इंडिया’ के निर्माण में फिट नहीं बैठते, जिसका दावा बार–बार किया जाता है ?

तो सवाल उठता है

जब आप कश्मीर, गोधरा और मराठा वीरता की फ़िल्मों को वैचारिक समर्थन देते हैं,

तो फिर सामाजिक क्रांति, शिक्षा और समता की लड़ाई पर बनी Phule को क्यों दरकिनार करते हैं ?

क्या फुले और सावित्रीबाई का संघर्ष BJP की राष्ट्रभक्ति की परिभाषा में नहीं आता ?

क्या बहुजन चेतना, ब्राह्मणवाद विरोध और समता का विचार आज की सरकार को असहज करता है ?

दरअसल, यह चुप्पी सिर्फ एक फिल्म पर नहीं है, यह चुप्पी फुले के विचारों पर है।

यह चुप्पी आधुनिक भारत की उस धारा पर है, जो सत्ता से नहीं, समाज से संवाद करती है।

हम यह नहीं कह रहे कि प्रधानमंत्री हर फिल्म पर प्रतिक्रिया दें,

पर जब चुनिंदा फिल्मों पर विशेष रूचि और प्रचार किया जाता है,

तो बाकी फिल्मों पर चुप्पी खुद एक राजनीतिक बयान बन जाती है।

हमारी अपेक्षा है — प्रधानमंत्री उस ‘सबका साथ’ की परिभाषा में उन लोगों को भी शामिल करें,

जिन्होंने भारत के गांव, दलित, महिलाएं, और बहुजन समाज को सबसे पहले जगाने का काम किया।

फुले पर चुप्पी — देश की आत्मा पर चुप्पी है।

और हम, कलमकार, इस चुप्पी को शब्द देंगे।

ताकि आने वाली पीढ़ियां जान सकें — सब चुप नहीं थे।

अनिवार्य है, कृतघ्न तुर्किए को कठोर संदेश देना

डॉ. आशीष वशिष्ठ

मोदी सरकार ने भी तुर्की को सबक सिखाने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिये हैं। लेकिन जिस तरह देशवासियों ने स्वतः तुर्की और अजरबैजान का बॉयकॉट करने की मुहिम छेड़ी है, उसकी जितनी प्रशंसा की जाए, वो कम है।

जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को 26 निर्दोष हिन्दू पर्यटकों की नृशंस हत्या के उत्तर में शुरू ऑपरेशन सिंदूर पाक समर्थित आतंकवाद पर निर्णायक प्रहार बन गया। चार दिल चले ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान की सारी हेकड़ी निकल गई, और वो सीजफायर की भिक्षा मांगने लगा। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर अवश्य हो गया है, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बीच तुर्की खासा सुर्खियों में रहा और उसका पाकिस्तान प्रेम खुलकर सामने आ गया।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन, तुर्किए और अजरबैजान का वास्तविक चेहरा अखिल विश्व के समक्ष अनावृत हो गया। पाकिस्तान ने इस दौरान भारत पर जो ड्रोन और मिसाइल दागे वो ‘मेड इन’ चाइना और तुर्किए में बने थे। पाकिस्तान ने जो चीन की निकृष्ट मिसाइल और तुर्किए के ड्रोन भारत पर हमले में प्रयोग किये, उनके अवशेष सैन्य बलों के पास हैं। चीन और तुर्किए अब इन प्रमाणों को नकार नहीं सकता है।

सीजफायर के बाद पाकिस्तान के मित्र तुर्किए के विरुद्ध भारत में विरोध शुरू हो गया है और सोशल प्लेटफार्म पर बॉयकाट तुर्की मुहिम जोर पकड़ने लगी है। भारतीय टूरिस्ट तुर्किये और अजरबैजान का बॉयकॉट कर रहे हैं। मोदी सरकार ने भी तुर्की को सबक सिखाने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिये हैं। लेकिन जिस तरह देशवासियों ने स्वतः तुर्की और अजरबैजान का बॉयकॉट करने की मुहिम छेड़ी है, उसकी जितनी प्रशंसा की जाए, वो कम है। भारतीय नागरिकों के इस भाव का प्रभाव तुर्किए के अरबों डॉलर के व्यापार पर पड़ने वाला है।

तुर्किये ‘एहसान फरामोशी’ का सबसे कलंकित उदाहरण हो सकता है। जब फरवरी, 2023 में तुर्किए में 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था, लगभग चालीस हजार लोग मारे गए थे, इमारतें ‘मिट्टी–मलबा’ हो गई थीं, तब भारत ने मदद का पहला हाथ बढ़ाया था। भारत ने भूकंप के अलावा भी तुर्किये की कई बार सहायता की है, लेकिन जब मौका आया तो उसने कृतघ्नता ही दिखाई और भारत के शत्रु के पक्ष में खड़ा हो गया। 2009 में तुर्किये ने पहली नैनो सैटेलाइट आईटीयूपीसेट–1 बनाई, जिसे स्पेस में नई टेक्नोलॉजी पर रिसर्च करना, पृथ्वी की तस्वीरें लेना और आंकड़ा एकत्र करने के लिए भेजा जाना था। इस लॉन्च में भारत ने तुर्किये की मदद की थी। इस सबके उपरांत तुर्किये सदैव पाकिस्तान का समर्थन करता रहा है।

तुर्किये ने 2019 में भारत के धारा 370 हटाने का भी विरोध किया था। इसके बाद से लगातार तुर्किये यूनाइटेड नेशन जनरल असेंबली यानी यूएनजीए में कश्मीर का मुद्दा उठाता आया है। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में 6–7 मई की रात भारत ने ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया, तो तुर्किये खुलकर पाकिस्तान के साथ दिखा। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि तुर्किये ने पाकिस्तान को करीब 350 ड्रोन और उन्हें चलाने के लिए ऑपरेटर भेजे। 4 मई को तुर्किये ने नौसेना का युद्धपोत टीसीजी बुयुकडा (एफ–512) पूरे बेड़े के साथ पाकिस्तान के कराची पोर्ट पर भेज दिया। तुर्किए ने पाकिस्तान के पहलगाम हमले की अंतरराष्ट्रीय जांच की अनुशंसा का भी समर्थन किया। 10 मई को सीजफायर के बाद शहबाज शरीफ ने एर्दोगन को मदद करने के लिए शुक्रिया अदा किया।

तुर्किए के पाकिस्तान का साथ देने के बाद भारतीय पर्यटकों ने धड़ाधड़ तुर्की की यात्राएं कैंसिल करवानी शुरू कर दी है। भारतीय पर्यटकों को आज की तारीख में सिर्फ एक आम ट्रैवलर मानना बहुत बड़ी गलती है। क्योंकि ग्लोबल टूरिज्म इंडस्ट्री के लिए भारतीय पर्यटक एक आर्थिक स्तंभ बन चुके हैं। साल 2023 में भारतीय पर्यटकों ने दुनिया के अलग अलग हिस्सों में घूमने में 18 अरब डॉलर से ज्यादा खर्च किए। ऐसे में अगर भारतीय पर्यटक किसी देश का बहिष्कार करते हैं तो वो सिर्फ एक सोशल मीडिया पर चलाया गया ट्रेंड नहीं होता है, बल्कि एक भूकंप होता है।

पिछले साल जनवरी में मालदीव के कुछ मंत्रियों ने प्रधानमंत्री मोदी के लक्षद्वीप दौरे के दौरान अभद्र भाषा का प्रयोग किया था। जिसके बाद भारत और मालदीव के बीच विवाद काफी बढ़ गया। भारतीय पर्यटकों ने मालदीव का बहिष्कार शुरू कर दिया, जिसने कुछ ही समय में मालदीव के नेताओं को घुटने टेकने के लिए विवश कर दिया। मालदीव की अर्थव्यवस्था, जिसमें टूरिज्म सेक्टर का 28 प्रतिशत योगदान है, उसे गहरा धक्का लगा था, लिहाजा अब बारी तुर्की की है।

पिछले कुछ सालों में भारी संख्या में भारतीय पर्यटकों ने घुमने के लिए तुर्की को चुना है। साल 2023 में करीब 2.74 लाख भारतीय नागरिक घूमने के लिए तुर्की गये थे। जबकि 2024 में तुर्की जाने वाले भारतीय पर्यटकों का ये आंकड़ा बढ़कर करीब 3.5 लाख पहुंच गया।

भारतीय लोगों के बीच शादी करने, हनीमून मनाने और फैमिली ट्रिप्स के लिए तुर्की तेजी से लोकप्रिय हो रहा था। लेकिन 2025 में तुर्की ने पाकिस्तान का समर्थन करके भारतीयों को अपने विरूद्ध कर लिया है। इसके अलावा भारत जैसे देशों के पर्यटकों का बहिष्कार सिर्फ आर्थिक नहीं, राजनीतिक संदेश भी होता है।

पर्यटन के अलावा भारतीय बाजारों में तुर्की से आयातित सेब की बिक्री पर भी प्रभाव पड़ा है। भारतीय कारोबारियों ने अब ईरान, अमेरिका और न्यूजीलैंड से सेब खरीदना शुरू कर दिया है। सेब उत्पादन करने वाला संघ, जो पहले से ही विदेशों से मंगाए जाने वाले सेब की वजह से नाराज रहता था और तुर्की के सेब पर प्रतिबंध लगाने की मांग करता रहता था, वो अब प्रसन्न है। इस वित्त वर्ष में तुर्की से 1 लाख 60 हजार टन सेब खरीदे गये थे।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत तुर्की के साथ व्यापारिक संबंध समाप्त करने की तैयारी मे। भारत तुर्की से दाल, तिलहन और स्टील जैसी चीजें खरीदता है। दोनों देशों के बीच व्यापार को 20 अरब डॉलर तक ले जाने की योजना थी। लेकिन अब बदले वातावरण में यह संबंध पूर्णत समाप्त हो सकते हैं। 15 मई केंद्र सरकार ने तुर्किये की कंपनी सेलेबी एविएशन की सुरक्षा मंजूरी रद्द कर दी। यह दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु सहित प्रमुख भारतीय हवाई अड्डों पर हाई सिक्योरिटी ऑपरेशन संभालती है। भारत के प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थानों ने भी तुर्की से एकेडमिक समझौते रद्द कर दिये हैं। इनमें जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी यानी जेएनयू, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, आईआईटी रुड़की, शारदा विश्वविद्यालय और लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी शामिल हैं।

भारत सरकार ने व्यापार के अलावा कूटनीति के मोर्चे पर भी तुर्किये को बड़ा सबक सिखाने का मन बना लिया है। तुर्किये को सबक सिखाने के लिए भारत उसके अंदर के मुद्दों को बाहर लाएगा। तुर्किये में लगातार बढ़ रही मानवाधिकार हनन की घटनाओं को भारत यूनाइटेड नेशन्स के समक्ष रख सकता है। इसके अलावा ‘साइप्रस का मुद्दा तुर्किये की सबसे बड़ी कमजोरी बन चुका है। तुर्किए और साइप्रस के बीच की जंग दशकों पुरानी है, इसके बावजूद तुर्किये इसे समाप्त नहीं कर पा रहा। भारत इस मुद्दे के सहारे तुर्किये को सबक सिखा सकता है। येन–केन–प्रकारेण, तुर्किये ने इस्लामी देशों का ‘खलीफा’ बनने की भ्रांति पाल रखी है, इसलिए उसकी हेकड़ी तोड़ना अत्यावश्यक है।

तुर्किए को सबक सिखाना इसलिए भी अहम है क्योंकि अखिल विश्व को यह संदेश देना चाहिए कि भारत के शत्रु का जो भी साथ देगा, उसे भारत शत्रु की श्रेणी में ही रखेगा। व्यापार, हानि—लाभ और कूटनीति अपने स्थान पर है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शब्दों में कहा जाए तो हमारे दिल में नेशन फर्स्ट का भाव सर्वोच्च होना चाहिए। केवल तुर्किए ही नहीं, हमें हर उस देश और व्यक्ति का बॉयकॉट करना चाहिए या हमारे भीतर शत्रु बोध होना चाहिए, जो हमारे देश के प्रति शत्रुता रखता हो, शत्रुता का भाव और विचार रखता हो और जो हमारे शत्रु से मित्रता निभाता हो।

हार को शिक्षक मान जीत की संभावना तलाशें

जीवन एक यात्रा है–कभी सहज, तो कभी जटिल। जीवन यात्रा में जितनी सफलता की ऊंचाइयां हैं, उतनी ही हार की गहराइयां भी हैं। जब कोई व्यक्ति अपने जीवन में हार का सामना करता है तो उसका सबसे पहला स्वाभाविक भाव निराशा होता है। अपनी पराजय के लिए या तो हम हम स्वयं को दोष देने लगते हैं या फिर परिस्थितियों को कोसते हैं। लेकिन यदि हम थोड़ा धैर्य रखें तो पायेंगे कि हार केवल एक रुकावट नहीं बल्कि कुछ सीखने का अवसर है। यह हमारे दृष्टिकोण, योजनाओं तथा आत्ममूल्यांकन को गहराई से देखने का समय होता है।

हमारे समाज में हार को नकारात्मकता से देखा जाता है। बच्चों को बचपन से ही यह सिखाया जाता है कि सिर्फ ‘जीतना ही महत्वपूर्ण है।’ समाज में कभी भी हार की स्वीकार्यता नहीं रही। जबकि सच्चाई यह है कि पराजय आत्मदृष्टि का अवसर प्रदान करती है। वह संकेत देती है कि कहीं कुछ अधूरा रह गया है–संभवतः हमारी तैयारी में, दृष्टिकोण में या आत्मविश्वास की दृढ़ता में। जब हम हार को एक शिक्षक के रूप में स्वीकार करते हैं, तब हम उसके अंदर निहित सफलता की संभावनाओं की तलाश कर पाते हैं।

इतिहास साक्षी है कि सफलता की नींव अक्सर असफलताओं की ईंटों से रखी जाती है। अब्राहम लिंकन ने कई चुनाव हारे। व्यापार में असफल रहे। लेकिन अंततः वह अमेरिका के सबसे प्रतिष्ठित राष्ट्रपति बने। हैरी पॉटर की लेखिका जे.के. रोलिंग को तमाम प्रकाशकों ने अस्वीकार कर दिया था। पर उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने अपने आत्मविश्वास को बना प्रयत्न जारी रखा। अंततः एक छोटे से प्रकाशक ब्लूम्सबरी ने उनकी पांडुलिपि को स्वीकृति दे दी और वह इतिहास बन गया। वह कहती थीं, यदि आपका विश्वास अडिग है तो अस्वीकृतियां केवल सीढ़ियां है सफलता की ओर।

अगर हम सफल होना चाहते हैं तो असफलता की चेतना को आश्रय न दें। असफलता तब ही स्थाई बनती है, जब हम उसे भीतर बसा लेते हैं। एक असफल प्रयास को यदि हम आत्म छवि में बदल लें, तो वह हमे भीतर से खोखला कर देती है। लकिन यदि हम उसे केवल एक अनुभव मानें, एक पाठ की तरह ग्रहण करें तो वह हमें मजबूत बनाता है। चेतना की दिशा ही हमारे जीवन की दिशा तय करती है। इसलिए मन में यह दृढ़ विश्वास होना चाहिये कि आप असफल नहीं हैं।

परमहंस योगानंद जी का एक प्रेरणादायक कथन है– ‘असफलता का समय ही सफलता के बीज बोने के लिए सर्वोत्तम समय है।’ यह कथन जीवन के गहरे सत्य को उजागर करता है। जीवन के सबसे कठिन क्षणों में हमारा अंतर्मन सबसे अधिक उपजाऊ भूमि होती है। इस समय आत्मविश्वास, धैर्य और विवेक के बीज बोए जा सकते हैं। ये बीज एक दिन सफलता के वटवृक्ष बनते हैं। हमारी संस्कृति और अध्यात्म भी हमें सिखाते हैं कि असफलता कोई स्थाई स्थिति नहीं होती, बल्कि वह आत्मविश्लेषण, आत्मसुधार और आत्मोत्थान का एक अवसर होती है। श्रीराम का वनवास एक हार नहीं, बल्कि दिव्य जीवन के नए अध्याय की शुरुआत थी। महाभारत के कुरुक्षेत्र की रणभूमि में अर्जुन का मोह युद्ध से पहले ही पराजय लगता है पर वह विचार गीता के ज्ञान का द्वार बन गया।

ये सभी उदाहरण बताते हैं कि असफलताओं के पीछे असीम सफलताओं की संभावना छिपी होती है। यहां परमहंस योगानंद जी का यह कथन मार्गदर्शक बनता है, ‘जब असहनीय चुनौतियों का पहाड़ आप पर टूट पड़े, तब साहस और सूझबूझ न खोएं। अपनी अन्तर्ज्ञानजनित सहज बुद्धि तथा ईश्वर में आस्था को सक्रिय रखिए, उस संकट से बच निकलने का कोई न कोई रास्ता खोजने का प्रयास कीजिए। चाहे वह रास्ता कितना भी असंभव क्यों न लगे और आपको मार्ग मिल जाएगा।

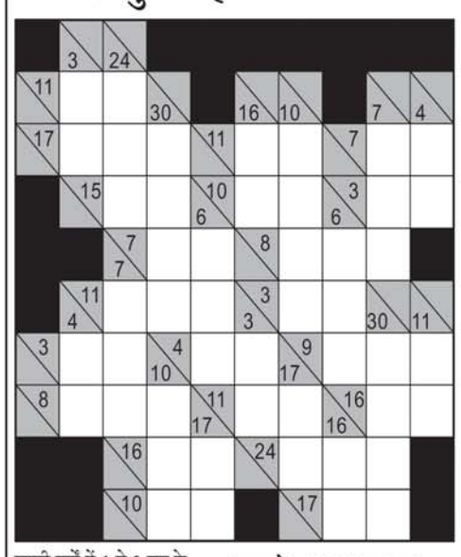

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3536

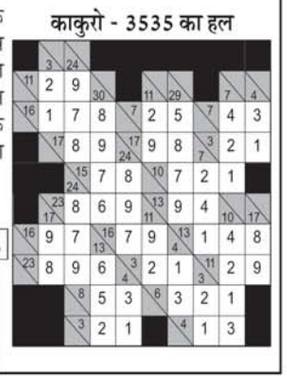

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3535 का हल

हंसी के फूव्वारें

सेकेंड क्लास के डिब्बे में बहुत ज्यादा भीड़ थी. एक यात्री ने उसमें चढ़ने की कोशिश की . तभी अन्दर से किसी ने कहा- ‘इधर जगह नहीं है कोई दूसरा कम्पार्टमेंट देखिए !’

‘अरे भई! मुझे तो सिर्फ खड़े रहने भर के लिए स्थान चाहिए.’ बाहर वाले ने कहा.

‘तो फिर प्लेटफार्म पर ही आराम से खड़े रहिए न. अन्दर आकर हमको क्यों तंग करते हो ?’ अन्दर से तुरन्त आवाज आई.

□ □ □

सुरेश को गम्भीर सोच में डूबे देखकर उसके मित्र नरेश ने पूछा- ‘क्यों भई, इतनी गहराई से क्या सोच रहे हो ?’

‘बेटे के कारण मैं बहुत परेशानी में हूँ . कुछ समझ में नहीं आता कि क्या करूँ ? मैं चाहता हूँ कि वह जज बने. बेटे की मां चाहती है कि वह प्रोफेसर बने और बेटा डाक्टर बनने की जिद किये बैठा है.’

‘तुम्हारे लड़के की उम्र कितनी है?’ नरेश ने जिज्ञासावश पूछा.

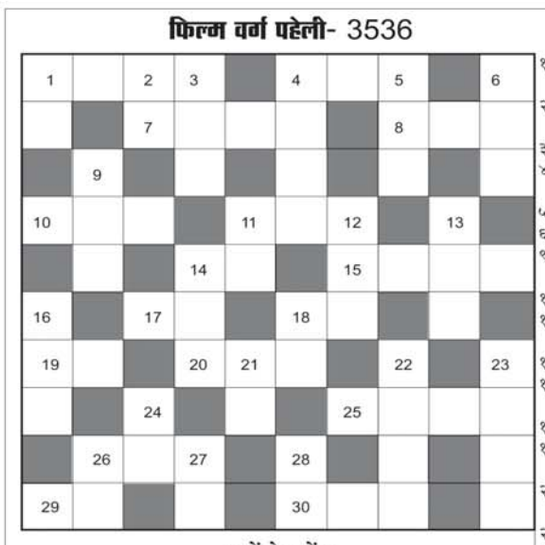

‘चार साल !’ सुरेश ने बताया.

इसपर नरेश ने अपना माथा पीट लिया.

□ □ □

शालिनी - मेरे पिताजी का साहित्य में गहरा योगदान है.

रीतू -क्या वे बहुत बड़े लेखक हैं?

शालिनी ने कहा- नहीं, वे किताबों की जिल्दसाजी करते हैं.

फिल्म वर्ग पहेली- 3536

बायें से दायें:-

१. सैफअली खान, रानी मुखर्जी की ‘सांसों को सांसों में ढलने दो’ गीत वाली फिल्म-२,२
४. ‘रंग भरे मौसम से रंग चुराके’ गीत वाली जैकी श्रॉफ, जूही चावला की फिल्म-३
७. गोविंदा, मनीषा की ‘ठहरो तो सही सोचो तो जरा’ गीत वाली फिल्म-४
८. ‘संडे की रात थी’ गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की ‘तेरी उम्मीद तेरा इंतजार’ गीत वाली फिल्म-३
११. फिल्म ‘मनोरंजन’ में शम्मीकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१४. सलमान, सोमी की ‘दिल मेरा यहां’ गीत वाली फिल्म-२
१५. ‘कब के बिछड़े हुए’ गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
१७. अमजद खान, बिंदिया गोस्वामी की ‘दिल के टुकड़े टुकड़े’ गीत वाली फिल्म-२
१८. ‘मेरे खयालों की मलिका’ गीत वाली शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की फिल्म-२
१९. सुनील शेट्टी, रंभा की ‘कहां गये ममता’ गीत वाली फिल्म-२
२०. ‘तुम भी चलो’ गीत वाली अमिताभ, विनोद खन्ना, सायरा बानो की फिल्म-३
२५. अमिताभ, अरशद वारसी, करिश्मा, विजय शांति की फिल्म-४
२६. ‘ये दपनियावाले’ गीत वाली देवानंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२९. धर्मेन्द्र हेमा की ‘दुनिया जब’ गीत वाली फिल्म-२
३०. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. नसीरूद्दीनशाह, जैकीश्रॉफ, नगमा की फिल्म-२
२. करणनाथ, मनीषा नतान्यासिंह की ‘क्यूं मेरा दिल’ गीत वाली फिल्म-२
३. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
४. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की ‘बदली है ना बदलेगी’ गीत वाली फिल्म-४
५. देवानंद, मधुबाला की फिल्म-३
६. ‘बनाकेक्यूं बिगाड़ा रे’ गीत वाली फिल्म-३
९. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षयखन्ना, अमृता राव की फिल्म-३
११. ‘यारा ओ यारा’ गीत वाली फिल्म-२
१२. ‘खाई है रे हमने’ गीत वाली राजेंद्र, शर्मिला की फिल्म-३
१३. फिल्म ‘सपने साजन के’ की नायिका-३
१४. राजकपूर, दिलीपकुमार, नर्गिस की ‘झूम झूम के नाचो आज’ गीत वाली फिल्म-३
१६. ‘हैलो हैलो बोल के’ गीत वाली फिल्म-३
१८. सनी देओल, सुष्मिता सेन की ‘मैं अपना नाम भूला’ गीत वाली फिल्म-२
२१. ‘मेरे तो गिरधर गोपाल’ गीत वाली फिल्म-२
२२. मनोजकुमार, साधना की फिल्म-४
२३. ‘जो उनकी तमन्ना है’ गीत वाली फिल्म-४
२४. राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
२६. ‘सुना था देखा ना था’ गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
२७. अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२८. ‘फूलों से जो खुशबू आए’ गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3535

सूडोकु -3536

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3535 का हल

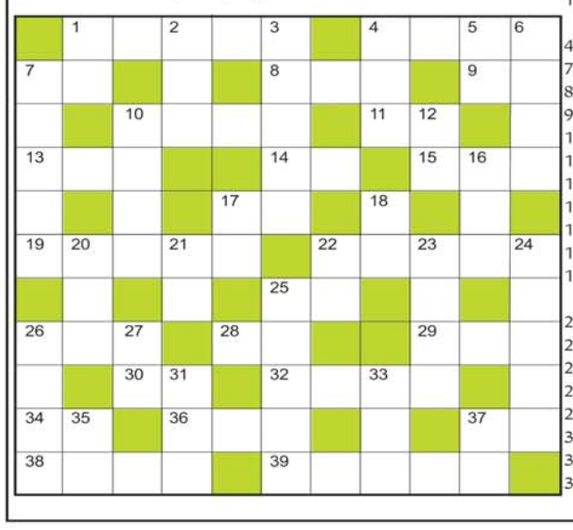

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

शब्द पहेली - 3536

बाएँ से दाएँ

1.राजीव गांधी की पत्नी का नाम-3,2
4.उदारता,बडप्पन-4
7.भोजन,खाद्य पदार्थ-2
8.प्रहरी,रक्षा करने वाला-3
9.अपशिष्ट पदार्थ-2
10.कामदेव,चंद्रमा-4
11.नाड़ी,नस-2
13.जबरन,जबरदस्ती-3
14.वायदा,वचन-2
15.भवन,आलय-3
17.आर्ट,हुनर-2
19.ख्वाबगाह, आरामगाह, सोने का कमरा-5
22.उद्देश्यहीनता-5
25.परिणाम-2
26.अंजन,नेत्रांजन-3
28.सांझ,संध्या-2
29.अधीन-3
30.निश्चित-2
32.निष्ठावान,सत्तानिष्ठ-4
34.बेइमान,सेंधमार-2
36.दाम,मूल्य-3
37.एक छोटी सवारी गाड़ी-2
38.मुस्लिम कैलेंडर का एक महीना-4
39.अश्रु,आंसू-5

ऊपर से नीचे

1.स्वर्ण,कनक-2
2.गुजर करना-3
3.धैर्यवान-3,2
4.राशिचक्र की एक राशि-3
5.आंशिक भीगा हुआ-2
6.सामंजस्य-4
7.यायावर,बंजारा-5
10.चुनाव,वोटिंग-4
12.दुख,कष्ट-2
16.यज्ञ,होम-3
17.कमरा,रूम-2
18.उम्मीद,आस-2
20.जुड़वा-3
21.प्याला-2
22.हृदय,हार्ट-2
23.निकृष्टतर-4
24.बलवान,दमदार-5
25.स्वदेशवासी-5
26.आलसी,निठल्ली-4
27.बुरी आदत-2
31.भरोसा,विश्वास-3
33.आंचल,पल्लू-3
35.अंग्रेजी शराब का एक प्रकार-2
37.समय, वक्त-2

शब्द पहेली - 3535 का हल

नोएडा में डीएनडी से नहीं सेक्टर-19 से बनेगी एलिवेटेड

30 मिनट का सफर 10 मिनट में होगा तय, आईआईटी रुढ़की बनेगी सलाहकार कंपनी

नोएडा। दिल्ली से नोएडा के इनर सेक्टर तक जाने के लिए प्रस्तावित एलिवेटेड की प्राथमिक फिजिबिलिटी रिपोर्ट आ गई है। इसके अनुसार एलिवेटेड डीएनडी से सेक्टर-57 तक नहीं बल्कि सेक्टर-19 की तरफ रजनीगंधा अंडरपास से करीब 100 मीटर आगे से बनेगी। फिजिबिलिटी रिपोर्ट आईआईटी रुढ़की भेजी गई है। प्राधिकरण इसे ही योजना के लिए सलाकार नियुक्त करेगा। डीपीआर और कागजी कार्य पूर्ण करेगा। इसके बाद टेंडर जारी कर इसका निर्माण कराया जाएगा।

बता दे 2015 में इस योजना का शिलान्यास किया गया। जिसमें एलिवेटेड डीएनडी से सेक्टर-57 तक बनाने की योजना थी। लेकिन अब एक अन्य कंपनी से प्राधिकरण ने इसकी फिजिबिलिटी चेक कराई। जिसमें वजह सामने आई कि रजनीगंधा अंडरपास और डीएससी रोड पर बने मेट्रो लाइन के ऊपर से एलिवेटेड नहीं बनाई जा सकती। इससे स्ट्रक्चर में खामी आ सकती है। इसलिए रिपोर्ट में एलिवेटेड सेक्टर-19 से सेक्टर-57 तक बनाने को कहा गया। फाइनल फिजिबिलिटी आईआईटी रुढ़की चेक करेगी।

10 मिनट में तय होगा सफर

प्राधिकरण ने बताया कि सेक्टर-19 से

सीधे सेक्टर-57 चौराहे तक एलिवेटेड बनने से दिल्ली से नोएडा के सेक्टर-57, 58, 59 के अलावा 65 और मामूरा और अन्य सेक्टरों के ट्रैफिक स्मूद होगा। उनको रेड लाइट और जाम का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही 30 मिनट का समय 10 मिनट में तय किया जा सकेगा। इस एलिवेटेड के निर्माण में करीब 400 करोड़ रुपए खर्च किए जा सकते है। डीपीआर में इसका बजट को बताया जाएगा।

पीक आवर में रहता है जाम

सुबह और शाम व्यस्त समय में रजनीगंधा से सेक्टर-12-22-56 तिराहे तक वाहनों का दबाव रहता है। शाम के वक्त तो वाहन रेंगते नजर आते हैं।

आने वाले समय में वाहनों का यहां दबाव और भी बढ़ेगा। इस सड़क से शहर के औद्योगिक सेक्टरों के साथ कई आवासीय सेक्टरों को लोग जाते हैं। वहीं गाजियाबाद खासकर खोड़ा और इंदिरापुरम, दिल्ली जाने वाला ट्रैफिक भी होता है।

नोएडा में प्रस्तावित और बन रही एलिवेटेड

अगाहपुर से सेक्टर-110 तक एलिवेटेड रोड का निर्माण चल रहा है मई में शुभारंभ होगा।

चिल्ला बार्डर से महामाया फ्लाईओवर तक एलिवेटेड रोड का निर्माण मार्च में शुरू किया गया।

सेक्टर-94 से एक्सप्रेस वे तक एलिवेटेड रोड का निर्माण किया जाएगा।

एफएनजी के लिए छिजारसी एलिवेटेड रोड का निर्माण किया जाएगा।

नोएडा एक्सप्रेस-वे पर कार ने बुजुर्ग दंपती को मारी टक्कर

पत्नी की मौत, पति अस्पताल के आईसीयू में

एजेंसी

नोएडा। नोएडा में सड़क हादसे में बुजुर्ग दंपती गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां डॉक्टरों ने पत्नी को मृत घोषित कर दिया। वही पति की हालत गंभीर है। अस्पताल के आईसीयू में उनका इलाज किया जा रहा है। परिजनों की शिकायत पर थाना सेक्टर-142 में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पत्नी के शव का पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है।

पैदल जा रहे थे दंपती, पीछे से मारी टक्कर

पुलिस ने बताया कि सोमवार रात को ओमप्रकाश (65) अपनी पत्नी निर्मला देवी (55) के साथ नोएडा एक्सप्रेस-वे पर पैदल ग्राम शाहदरा की तरफ आ रहे थे। इस दौरान पीछे से एक तेज रफ्तार कर ने उनको टक्कर मार दी। कार की रफ्तार करीब 100 किमी प्रतिघंटा के आस पास रहीं होगी। टक्कर इतनी तेज थी। दोनों काफी दूर तक उछल कर गिरे। इससे दोनों के सिर हाथ पैर में गंभीर चोट लगी। ब्लड ज्यादा बह जाने से पत्नी की मौत हो गई।

पुलिस की प्राथमिक जांच में सामने आया कि जिस कार ने टक्कर मारी उसका नंबर डीएल 1 आरटीसी 6918 है। इसे कौन चला रहा था पुलिस उसकी पहचान कर रही है। दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल लाया गया।

डॉक्टरों ने निर्मला देवी को मृत घोषित कर दिया। मृतका के परिजन की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

बताया गया कि दंपती शाहदरा गांव के ही है। सड़क हादसे के दौरान मौके पर भारी पुलिस बल भी तैनात किया गया।

नोएडा जीएसटी विभाग का प्रशासनिक अधिकारी अरेस्ट

एसेस्मेंट क्लियर कराने को मांगे थे 45 हजार, विजिलेंस टीम ने रंगे हाथ पकड़ा

नोएडा। राज्य वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के ऑफिस में रिश्वत लेते हुए प्रशासनिक अधिकारी सतेन्द्र बहादुर सिंह को 45 हजार की रिश्वत लेते हुए उप्र सतर्कता अधिष्ठान, मेरठ की ट्रैप टीम ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया। शिकायतकर्ता की मैसर्स रामटेक के नाम से फर्म है।

जो ग्राम सलारपुर नोएडा में साल 2016 से प्रचलित है, जिसमें कम्प्यूटर रिपेयरिंग का काम किया जाता है। उक्त फर्म का पंजीकरण शिकायतकर्ता ने साल 2016 में कराया गया था। फर्म का वैट एवं जीएसटी व्यापार कर विभाग को समय से जमा किया जाता है।

एसेस्मेंट नहीं कराने पर बुलाया आफिस

29 अप्रैल 2025 को शिकायतकर्ता के मोबाइल पर फोन आया, जिसमें अपना नाम भूदेव बताते हुए शिकायतकर्ता से साल 2016-17 एवं 2017-18 का एसेस्मेंट नहीं करायें जाने की बात कही।

दोनों सालों के एसेस्मेंट की फीस कुल 455840.00 बकाया है। आप आकर

मुझसे ऑफिस में मिले। शिकायतकर्ता 9 मई 2025 को जीएसटी कार्यालय सेक्टर-148 जनपद गौतमबुद्धनगर में जाकर भूदेव से मिला तो उसने उसकी फर्म पर रु0 455840.00 की बकाया बताया। कहा कि आप उक्त धनराशि को जमा कर दो नहीं तो कोर्ट व वकील के चक्कर लगाने पड़ेंगें।

50 हजार की डिमांड

भूदेव ने अपने अधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी सतेन्द्र बहादुर सिंह से मिलवाने की बात कही। सतेन्द्र बहादुर सिंह से उस दिन मुलाकात नहीं हो पायी। उसके बाद शिकायतकर्ता 13 मई को जीएसटी कार्यालय पहुंचकर सतेन्द्र बहादुर सिंह प्रशासनिक अधिकारी से मिला, तो सतेन्द्र बहादुर सिंह ने भी साल 2016-17 एवं 2017-18 का एसेस्मेंट की फीस कुल रुपए 455840 बकाया शिकायतकर्ता की फर्म पर होना बताया गया। या तो इसे जमा कर दो या फिर मुझे 50000 दे दो, तो फिर इसे बिना कार्यवाही किये ही खत्म कर दूंगा।

अधिकारी ने खाता कराया फ्रीज

शिकायतकर्ता ने कहा गया कि वह गरीब आदमी है। उसके पास 50 हजार नहीं है। इस पर सतेन्द्र बहादुर सिंह प्रशासनिक अधिकारी ने कहा कि 45 हजार दे दो इससे कम में काम नहीं करूंगा।

पैसा नहीं देने पर जीएसटी कार्यालय द्वारा शिकायतकर्ता के बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा भंगेल जनपद गौतमबुद्धनगर के खाता को ईमेल भेजकर फ्रिज करा दिया गया। जिससे उसका व्यापारिक लेन-देन रुक गया।

मेरठ विजिलेंस टीम ने पकड़ा

शिकायत कर्ता प्रशासनिक अधिकारी को रंगे हाथ पकड़वाने के लिए सतर्कता अधिष्ठान (विजिलेंस) मेरठ सेक्टर, मेरठ की टीम से सम्पर्क कर सोमवार को सतेन्द्र बहादुर सिंह प्रशासनिक अधिकारी जीएसटी कार्यालय को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।

सतेन्द्र बहादुर सिंह प्रशासनिक अधिकारी जीएसटी कार्यालय जनपद गौतमबुद्धनगर के खिलाफ थाना नॉलेज पार्क में मुकदमा दर्ज किया गया।

नोएडा में अवैध वैंडर्स के खिलाफ मुकदमा

16 मई को प्राधिकरण की टीम के साथ की थी मारपीट, तोड़ा था जेसीबी का शीशा

नोएडा। सीईओ निर्देश के बाद सेक्टर-34 फल मंडी से अवैध वेंडर्स को हटाने गई नोएडा प्राधिकरण की टीम के साथ मारपीट हो गई। इस घटना में कुछ वेंडर्स ने जेसीबी का शीशा भी तोड़ दिया।

इस संबंध में सेक्टर-24 थाना पुलिस को सूचना दी गई। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने कार्रवाई की। 16 मई को हुई घटना में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की गई। वहीं जब मंगलवार को उसी स्थान पर जाकर देखा तो फुटपाथ के पास कई फलों की दुकानें लगी हुई थीं।

नामजद और अज्ञात के खिलाफ मुकदमा

पुलिस के अनुसार इस मामले में प्राधिकरण के वर्क सर्किल 3 जेई प्रदीप कुमार की शिकायत पर मुस्तकीम, हुकुम सिंह, मुकीम, अकीन, हिमांशु, मुकेश सिंह, भूरा सिंह के अलावा 10 अज्ञात पर केस दर्ज किया गया है। इस मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मुस्तकीम, मुकीम, हुकुम सिंह के गिरफ्तार कर लिया गया है। एडीसीपी नोएडा सुमित शुक्ला ने बताया कि अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

वैंडर्स ने पहले किया विरोध

जानकारी के अनुसार सीईओ के अवैध वेंडर्स को हटाने के आदेश को लेकर वर्क सर्किल 3 की टीम सेक्टर-34 गई थी।

जब उन्होंने कार्रवाई करने का प्रयास किया तो वेंडर्स ने विरोध किया और बात मारपीट तक पहुंच गई।

इस घटना के संबंध में सेक्टर-24 पुलिस से जानकारी की गई तो उन्होंने बताया कि इस संबंध में प्राधिकरण की तरफ से पहले कोई सूचना नहीं दी गई थी। उन्हें घटना के बाद इस बारे में पता चला।

पुलिस ने 2 गोतस्करों का एनकाउंटर किया

गाजियाबाद। गाजियाबाद में स्वाट टीम क्राइम ब्रांच और टीला मोड़ा पुलिस ने गौकशी करने वाले 2 बदमाशों को एनकाउंटर में अरेस्ट किया है। दोनों ने भागते समय पुलिस पर फायरिंग की। जिसके बाद पुलिस ने दोनों के पैर में गोली मारी। इनमें 50 हजार रुपये का इनामी लुकमान भी अरेस्ट किया गया है। पुलिस ने मौके से एक चोरी की बाइक, एक तमंचा बरामद किया है। दोनों घायलों को अस्पताल भर्ती कराया गया है। मंगलवार रात इंस्पेक्टर क्राइम ब्रांच अब्दुर रहमान व टीला मोड पुलिस को ऑक्सी होम सोसायटी के पास संदिग्ध लोगों के होने की सूचना मिली। इसी दौरान टीला मोड की तरफ से तेजी से आ रही बाइक को चेकिंग के लिए रोकने का प्रयास किया गया। जहां बाइक सवार दोनों बदमाशों ने कुटी के जंगल की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते पर तेजी से मोड़कर भागने का प्रयास किया। पुलिस ने घेराबंदी करते हुए पीछा किया तो दोनों बदमाशों की बाइक गिर गई। पुलिस को पीछे आते देखकर एक बदमाश ने तमंचे से फायर कर दिया। गनीमत रही कि गोली किसी सिपाही को नहीं लगी। पुलिस ने दोनों बदमाशों पर जवाबी फायरिंग करते हुए दोनों के पैर में गोली मारी। जिसके बाद दोनों घायल होकर जमीन पर गिर पड़े।

नोएडा के ट्रांसपोर्ट नगर में दो बसों में लगी आग

एक शख्स की जलकर मौत, बस में खाना खाकर चालक और परिचालक दोनों सो गए थे

नोएडा। नोएडा के फेज-तीन थाना क्षेत्र में स्थित ट्रांसपोर्ट नगर में सोमवार रात को सड़क किनारे खड़ी दो बसों में अज्ञात कारण से आग लग गई। इस घटना में एक व्यक्ति की जलकर मौत हो गई।

इसकी पहचान राम नरेश जिला मैनपुरी के रूप में हुई। पूरे मामले की जांच की जा रही है। दोनों बस नोएडा के निजी स्कूल में चलती है। ये दोनों बसें एक ही मालिक है।

बस में बनाया खाना फिर बैटरी से चलाया पंखा

पुलिस ने बताया कि ट्रांसपोर्ट नगर में सोमवार रात करीब दो बजे कुछ बसें खड़ी थीं। एक बस के चालक राम नरेश और दूसरी बस का परिचालक चिंटू ने बस के अंदर खाना बनाकर खाया और खाना खाने के बाद बस में लगे बैटरा से कनेक्शन जोड़कर पंखा चलाकर चालक राम नरेश बस की बोनट पर व परिचालक चिंटू बस की छत पर सो गए। इसी बीच देर रात को बस में आग लग गई। जिस बस में आग लगी उस बस के पास खड़ी एक अन्य बस को भी आग ने अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने से राम नरेश की मौत हो गई।

छत पर सो रहा था चालक

उन्होंने बताया कि परिचालक कूदकर भाग गया, लेकिन बस के अंदर बोनट पर सो रहा चालक आग में फंस गया। इस घटना में वह जल गया व उसकी मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि मौके पर पहुंची दमकल विभाग की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। इस बीच दो बसें पूरी तरह से जल गई है। अन्य बसों को जलने से बचा लिया गया है।

15 दिन के भीतर एक साथ दौड़ेंगी नमो भारत-मेट्रो

मेरठ। मेरठ में रैपिड और मेट्रो ट्रेन के स्टेशन का काम लगभग पूरा हो गया है। एनसीआरटीसी के अधिकारी ट्रैक और स्टेशन का निरीक्षण कर चुके हैं। अब कभी भी दोनों ट्रेन को शहर के स्टेशनों से हरी झंडी दिखाई जा सकती है। एनसीआरटीसी की तरफ से मंगलवार शाम को इसकी जानकारी शेयर की गई है। सीएम योगी आदित्यनाथ दोनों ट्रेन को हरी झंडी दिखाने आ सकते हैं। एनसीआरटीसी की तरफ से बताया गया है कि इंटरसिटी यानी दिल्ली से मेरठ को जोड़ने वाली सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन नमो भारत और मेरठ शहर में चलने वाली मेरठ मेट्रो जल्द एक साथ दौड़ती नजर आएंगी। नमो भारत की अधिकतम ऑपरेशनल स्पीड 160 किमी प्रति घंटा है, जो फिलहाल दिल्ली के न्यू अशोक नगर से मेरठ साउथ तक संचालित हो रही है। वहीं, देश की सबसे तेज मेट्रो मेरठ-मेट्रो की गति 120 किमी प्रति घंटा रहेगी। मेरठ मेट्रो साउथ से मोदीपुरम डिपो तक 13 स्टेशनों के बीच संचालित होगी। नमो भारत और मेरठ मेट्रो दोनों की अनुकूलित समय-सारणी बनाई जाएगी। नमो भारत ट्रेन फिलहाल हर 15 मिनट में उपलब्ध है, जो सराय काले खां से मोदीपुरम तक के पूरे कॉरिडोर के संचालन के बाद 10 मिनट तक होने की संभावना है।

नोएडा में 150 इमारतों पर लिखा 'ये बिल्डिंग अवैध है'

125 ज्यादा अतिक्रमणकर्ता के खिलाफ शिकायत, ध्वस्त की जाएंगी सभी इमारत

नोएडा। नोएडा में करीब 150 इमारतों पर यह बिल्डिंग अवैध है लिखा जा चुका है। अभियान जारी है। इमारतों में पार्किंग से लेकर बिजली का कनेक्शन भी है। नियमत: इस जमीन पर प्राधिकरण की बिना अनुमति के निर्माण नहीं किया जा सकता। भू माफियाओं ने इन जमीनों को किसानों या कब्जा किया और भोले भाले लोगों को फंसा दिया। अब इमारतों को ध्वस्त किया जाएगा। अवैध निर्माण कर्ताओं के खिलाफ 125 से ज्यादा शिकायत पुलिस से की गई।

नोएडा में गढ़ी चौखंडी, सोरखा, बसई, बरौला में विगत कई सालों से अवैध निर्माण हो रहा था। जिस समय इनका निर्माण किया जा रहा था। प्राधिकरण की निगरानी टीम ने उन्हें नहीं रोका। यहां विशालकाय इमारत, शो रुम, होटल बन गए।

लोगों ने अपना पैसा भी इसमें लगा दिया। अब प्राधिकरण ने इन इमारतों को चिह्नित किया और वहां लाल स्याही से चेतावनी लिख दी। जिसके बाद कुछ एक स्थानों पर लोगों ने लाल स्याही को मिटा दिया।

बड़े शो रूम तक शामिल

बरौला में हाल ही में बड़े स्तर पर अवैध निर्माण किया गया। इसमें बड़े-बड़े शो रूम तक है।

यही नहीं कार के सर्विस सेंटर भी शामिल है। जिनको अवैध करार दिया

गया। इस नोटिस और प्राधिकरण के लाल रंग की स्याही ने इनके मालिकों के माथे पर पसीना ला दिया है। लोगों का कहना है हमे नहीं पता कि ये अवैध जमीन है और हमारे फ्लैट और मकान या शो रूम अवैध है। हमने अपनी जीवन भर की कमाई इसमें लगा दी है। प्राधिकरण अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि सीईओ के निर्देश पर ही अवैध निर्माण पर कार्रवाई की जा रही है।

150 इमारतों पर लिखा गया ये निर्माण अवैध है

प्राधिकरण के अलग-अलग सर्किल में करीब 150 इमारतों पर अवैध निर्माण लिखा गया है।

ये इमारत नोएडा के बरौला, हाजीपुर, सोरखा जाहिदाबाद, गढ़ी चौखंडी, बसई और अन्य स्थानों और गांव में है। सबसे ज्यादा अवैध निर्माण बरौला में है। यहां बनी इमारत को ध्वस्त करने के लिए पूर्व में एक कंपनी का चयन किया गया था। क्योंकि इमारती रिहाइशी है। इनको ध्वस्त करने के लिए सलाहकार की आवश्यकता होगी।

एक दिन में नहीं बनी अवैध इमारत

ये इमारतें एक दिन में नहीं बनी। इनको बनाने में महीनों लग गए। लोगों का आरोप है जब निर्माण या कॉलोनी काटी जा रही थी उस समय प्राधिकरण ने एक्शन क्यों नहीं लिया। अब प्राधिकरण हमारी इमारतों को अवैध बताकर ध्वस्त करने की योजना कर रहे है। प्राधिकरण का ये निर्णय गलत है।

हालांकि जो भी ध्वस्तीकरण होगा वो आचार संहिता हटने के बाद किया जाएगा। वहीं प्राधिकरण में अवैध निर्माण को शह देने वाले अधिकारियों के खिलाफ भी एक्शन शुरू हो गया है।

शार्ट न्यूज

यमुना सिटी में 12000 करोड़ का निवेश

गौतम बुद्ध नगर। यमुना विकास प्राधिकरण ने देश-विदेश की 9 प्रमुख कंपनियों के साथ निवेश समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इन कंपनियों द्वारा यमुना सिटी में कुल 12 हजार करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। इस निवेश से 22 हजार से अधिक लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। निवेश करने वाली कंपनियों में फ्यूजी सिल्वर्टेक कंक्रीट, टीआई मेडिकल, मिंडा कॉरपोरेशन, हैवेल्स इंडिया, वामा सुंदरी इन्वेस्टमेंट, एस्कॉर्ट कुबोटा, पाइन वैली वैचर्स और पॉली मेडिक्योर शामिल हैं। सभी कंपनियों ने भूमि आवंटन को अंतिम मंजूरी दे दी है। यमुना विकास प्राधिकरण के सीईओ अरुण वीर सिंह के अनुसार, ये कंपनियां निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के समीप स्थापित की जाएंगी। जल्द ही इन परियोजनाओं पर काम शुरू होने की संभावना है। यह निवेश यमुना सिटी के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कंपनी से छुट्टी के बाद कर्मचारी की मौत

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के जारचा थाना क्षेत्र में एनटीपीसी रोड पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। बंसल वायर कंपनी के सामने अज्ञात वाहन ने एक कर्मचारी को टक्कर मार दी। हादसे में मेरठ के मुंडाली निवासी रामभूल (42) की मौत हो गई। घटना मंगलवार सुबह की है । बंसल कंपनी में काम करने वाला कर्मचारी राम भूल अपनी ड्यूटी खत्म होने के बाद जैसे ही कंपनी से बाहर निकाला और रोड पर पहुंचा तभी अचानक से एक अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें वह घायल हो गया। घायल रामभूल को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद कंपनी के कर्मचारियों ने प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार, एनटीपीसी दादरी रोड पर अक्सर तेज रफ्तार वाहनों के कारण हादसे होते रहते हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और फरार चालक की तलाश कर रही है। घटनास्थल पर पुलिस बल तैनात है और स्थिति शांतिपूर्ण है।

नोएडा में जीएसटी विभाग ने मारा छापा

नोएडा। जीएसटी विभाग की टीम ने मंगलवार को सेक्टर-10 और ग्रेटर नोएडा स्थित 4 फ़र्मों के छह व्यापार स्थालों पर जीएसटी की विशेष अनुसंधान शाखा रेंज ए ने छापा मारा। ये फर्म फर्नीचर के निर्माण और खरीदफरोख्त करती है। रेकी और जांच में पाया गया कि इन फर्मों द्वारा अपनी खरीद बिक्री के दस्तावेजों में हेराफेरी की है। साथ ही कम टर्नओवर दिखाकर टैक्स बचाने का प्रयास किया गया है। जांच में पाया गया कि इन समस्त फ़र्मों पर लेखा पुस्तकों में घोषित स्टॉक की तुलना में 1.10 करोड का स्टॉक अभिलेखों से अलग पाया गया। ऐसे में इनके द्वारा 20 लाख रुपए का देयता नहीं चुकाई गई। ऐसे में फ़र्मों द्वारा 5.84 लाख का जुर्माना तत्काल भरा गया। साथ ही 1.05 करोड़ का तैयार मॉल सीज किया गया। जिसके संबंध में आगे की कार्यवाही की जा रही है। साथ ही दस्तावेज चेक किए जा रहे है।

शिक्षा और पत्रकारिता में योगदान

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के आईआईपीपीटी कॉलेज में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में भगवत प्रशाद शर्मा को एजुकेशन एक्सीलेंस अवॉर्ड-2025 से सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान के पूर्व निदेशक डॉ. विपिन ने यह सम्मान प्रदान किया। हरियाणा के पलवल जिले के गांव खाम्बी के मूल निवासी भगवत प्रशाद शर्मा पिछले 30 वर्षों से ग्रेटर नोएडा में रह रहे हैं। उन्हें यह सम्मान शिक्षा और पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया है। शर्मा जी साहित्य के क्षेत्र में भी सक्रिय हैं। उनकी कविताएं और लेख नियमित रूप से विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहते हैं। नेशनल प्रेस टाइम्स और दैनिक हिंदुस्तान में उनकी रचनाएं प्रमुखता से छपती हैं। इनमें मातृ शक्ति को नमन, गंगा मैया की गोद में बसती है भारत की महान संस्कृति, वतन के रखवालों को सलाम और पापा की परी होती हैं बेटियां जैसी रचनाएं शामिल हैं। विभिन्न मंचों पर उन्हें अपनी कविताएं प्रस्तुत करने का अवसर मिलता रहता है।

घर से स्कूल के लिए निकला छात्र लापता

नोएडा। फेज-तीन थाना क्षेत्र के गांव गढ़ी चौखंडी से 20 दिन पहले 13 वर्षीय छात्र संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। वह घर से स्कूल जाने की बात कहकर निकला था, लेकिन स्कूल नहीं पहुंचा। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर छात्र को सकुशल बरामद करने के लिए टीम गठित कर दी है। पीड़ित देवेंद्र ने पुलिस को बताया कि वह मूलरूप से बिहार के जिला मधुबनी के रहने वाले हैं। परिवार के साथ गांव गढ़ी चौखंडी में रहते हैं। उनका बेटा कक्षा सात का छात्र है। गांव में ही एक स्कूल में पढ़ता है। शिकायतकर्ता और उनकी पत्नी एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते हैं 27 अप्रैल की सुबह आठ बजे बेटा स्कूल जाने की बात कहकर स्कूल बैग लेकर घर से निकला था। शाम को दंपति जब कंपनी से घर पहुंचे तो घर पर बेटा नहीं मिला। स्कूल में जाकर जानकारी की तो पता चला कि वह स्कूल पहुंचा ही नहीं था। परिजन ने रिश्तेदार और जानकारी में तलाश की तो कोई सुराग नहीं मिला। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि माता-पिता पढ़ाई के लिए कहते थे तो वह नाराज हो जाता है।

बुजुर्ग को फ्लैट दिलाने के नाम पर ठगी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट निवासी एक बुजुर्ग ने इन्वेस्टर्स क्लिनिक इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड के एसोसिएट डायरेक्टर पर फ्लैट दिलाने के नाम पर 7.5 लाख रुपये की ठगी का आरोप लगाया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। रमेश कुमार कक्कड़ का कहना है कि जुलाई 2024 में ग्रेनो वेस्ट के सेक्टर-4 स्थित बुलेवार्ड वॉक में एक रियल एस्टेट इवेंट में अपने बेटे और भाई के साथ पहुंचे। वहां उनकी मुलाकात रितुल शर्मा नामक व्यक्ति से हुई। रितुल ने खुद को इन्वेस्टर्स क्लिनिक का वरिष्ठ अधिकारी बताया।उसने एक फ्लैट दिलाने का भरोसा दिया। शुरुआत में कक्कड़ से एक लाख रुपये टू एक्मे प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर ट्रांसफर करवाए। इसे रितुल ने इन्वेस्टर्स क्लिनिक की सिस्टर कंसर्न बताया। इसके बाद 26 अगस्त को 6.5 लाख रुपये और ट्रांसफर कराए गए।

सोसाइटी की मार्केट में टहल रही युवती से अभद्रता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट की सुपरटेक इको विलेज-1 सोसाइटी की मार्केट में टहल रही युवती से कुछ युवकों ने अभद्रता की। युवती से गाली-गलौज करते हुए उसके मंगेतर के साथ भी मारपीट की। शिकायत मिलने पर पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पीड़िता ने बताया कि 14 मई की शाम वह अपने मंगेतर के साथ सोसाइटी कीमार्केट में घूम रही थी। आरोप है कि तभी छह से सात लड़कों के समूह ने उनसे अभद्रता की। मंगेतर ने विरोध किया तो उसके साथ भी मारपीट की गई।युवती ने मुकुल त्यागी, रवि, मोनू और रोहित नाम के युवकों पर मारपीट का आरोप लगाया है। इस दौरान मौके पर मौजूद कुछ स्थानीय लोगों ने हस्तक्षेप किया। इसके बाद आरोपी गाली-गलौज कर घटनास्थल से फरार हो गए। बिसरख कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि आरोपियों को गिरफ्तार कर उनका चालान किया जा चुका है।

नोएडा में बैटरी चार्ज करने वाली दुकान में आग

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-10 स्थित ई रिक्शा की बैटरी चार्ज करने वाली दुकान में आग लग गई। आग लीथियम बैटरी में शॉट सर्किट से लगी। आग की लपट उठते ही वहां मौजूद लोग दुकान से दूर हट गए। मौके पर मौजूद लोगों ने इसकी जानकारी दमकल और पुलिस को दी। दमकल विभाग की दो गाड़ियों ने 30 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि इस दौरान कोई बैटरी फटी नहीं। साथ ही आग को दमकल की टीम ने समेट दिया। अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। नोएडा के थाना फेज-1 क्षेत्र के सेक्टर-10 के सी-24 में ई रिक्शा की बैटरी चार्ज करने का काम होता है। जिस समय आग लगी कई बैटरी रखी हुई थी। किसी एक बैटरी में शॉट सर्किट हुआ और वायरिंग में आग लग गई। आग लगते ही मौके पर मौजूद लोग बाहर आ गए। लाइट को काट दिया गया। दमकल विभाग की गाड़ियों ने आग को समेटा और काबू पा लिया। इस दौरान किसी के फंसने की जानकारी नहीं है।

एक लाख का इनामी सोनू पासी मारा गया

45 मिनट मुठभेड़, 20 राउंड फायरिंग, सीने में 2 गोली लगी

गोंडा। गोंडा में पुलिस ने 1 लाख के इनामी बदमाश को एनकाउंटर में ढेर कर दिया। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने बदमाश की घेराबंदी की। खुद को घिरता देख उसने फायरिंग कर दी। एक गोली एसएचओ नरेंद्र राय की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी, जिससे वह बाल-बाल बच गए।

सोनू उर्फ भुर्रे पासी, मृतक

जवाबी फायरिंग में बदमाश के सीने में दो गोलियां लग गईं। गोली लगते ही वह जमीन पर गिर गया। पुलिस उसे अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। बदमाश की पहचान सोनू उर्फ भुर्रे पासी के रूप में हुई है। मुठभेड़ करीब 45 मिनट चली।

इस दौरान बदमाश ने 12 तो पुलिस ने 8 राउंड फायरिंग की। सोनू पासी ने 24 अप्रैल को गोंडा के बेगमगंज में चोरी के दौरान एक व्यक्ति की हत्या कर दी थी। मुठभेड़ बेगमगंज थाना क्षेत्र में हुई। सोनू पासी परसपुर थाना का हिस्ट्रीशीटर था।

फरवरी 2021 में पुलिस ने सोनू पासी को गिरफ्तार किया था। हालांकि, कुछ महीनों बाद वह जमानत पर जेल से बाहर आ गया। तब से वह फरार चल रहा था। सोनू के खिलाफ हत्या, लूट, डकैती जैसे 48 से ज्यादा मुकदमे अयोध्या, बहराइच, बस्ती और आसपास के जिलों में दर्ज थे। 20 दिन पहले उस पर एक लाख का इनाम घोषित हुआ था।

45 मिनट तक मुठभेड़ चली

एसपी विनीत जायसवाल ने बताया-सोनू सोमवार देर रात सनौली गांव के पास एक और वारदात की फिराक में था। मुखबिर की सूचना पर उसे पकड़ने के लिए उमरी-बेगमगंज, खोडारे पुलिस और एसओजी की टीमों ने इलाके में सर्च अभियान चलाया।

रात 12: 15 बजे सोनू बिना नंबर की बाइक से जा रहा था। पुलिस ने उसे रोका तो उसने बाइक की स्पीड और बढ़ा दी। पुलिस टीम ने उसका पीछा किया। खुद को घिरता देख सोनू ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। एक गोली थानाध्यक्ष नरेंद्र राय की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी।

जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली सोनू के सीने में लग गई। पुलिस गाड़ी से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेलसर लाया गया।

डॉक्टरों ने हालत गंभीर होने पर गोंडा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। करीब 45 मिनट तक मुठभेड़ चली।

उसके पास से एक बिना नंबर की बाइक, पिस्टल और तमंचा बरामद हुआ है। एडीजी गोरखपुर जोन ने 30 अप्रैल को उस पर 1 लाख रुपए का इनाम घोषित किया था।

थानाध्यक्ष उमरी-बेगमगंज नरेंद्र राय ने बताया- मुठभेड़ 12: 15 से 1: 00 बजे तक चली। इस दौरान आरोपी ने मुझ पर फायरिंग कर दी। गोली मेरे बुलेटप्रूफ जैकेट पर सीने के पास आकर लगी और जैकेट में फंस गई। एएसपी पश्चिम राधेश्याम राय के कान के पास से एक गोली निकल गई। इसके बाद हमने घेराबंदी कर जवाबी फायरिंग की, जिसमें बदमाश के सीने में दो गोलियां लगीं। इस मामले में नरेंद्र प्रताप राय ने एफआईआर दर्ज कराई है।

सोनू का भाई हिस्ट्रीशीटर, 1 साल से जेल में

सोनू पासी करनैलगंज कोतवाली क्षेत्र के कदियापुर गांव का रहने वाला था।

उसका भाई पवन कुमार उर्फ गुड्डू पासी पिछले एक साल से करनैलगंज कोतवाली क्षेत्र में हुई एक चोरी की घटना में जेल में बंद है। वह अभी तक जेल से छूटकर बाहर नहीं आया है।

वाराणसी में तीन चोरों को पुलिस ने मारी गोली

संकटमोचन महंत के कर्मचारी निकले चोर, मुठभेड़ में 6 गिरफ्तार

वाराणसी। वाराणसी के रामनगर इलाके में मंगलवार आधी रात पुलिस और एसओजी टीम की बदमाशों के गिरोह से मुठभेड़ हो गई। दोनों ओर चली गोली में तीन बदमाश घायल हो गए, वहीं तीन अन्य को दौड़ाकर कर दबोच लिया गया। छह बदमाशों का गिरोह शहर के संकटमोचन मंदिर महंत के आवास में चोरी करने वाला गिरोह है। सभी करोड़ों रुपये की माल का बंटवारा करने जा रहे थे

बदमाशों के आने की सूचना पर पुलिस बल ने रामनगर के डोमरी इलाके में घेराबंदी की। जिसके बाद बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की, जवाबी फायरिंग में घायल बदमाशों को पुलिसकर्मी अस्पताल लेकर गए हैं। वहीं तीन अन्य से थाने में पूछताछ जारी है।

शूटआउट की जानकारी के बाद डीसीपी काशी गौरव बंसवाल और एडीसीपी काशी सरवणन टी. मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। शूटआउट में शामिल टीम से पूरा घटनाक्रम जाना, घायल बदमाशों से पूछताछ भी की और फॉरेंसिक टीम बुलाकर साक्ष्य भी जुटवाए।

डीसीपी काशी गौरव बंसवाल ने बताया कि मंगलवार रात एक बजे बदमाशों की पुलिस टीम के साथ मुठभेड़ हो गई। इसें छह बदमाश हथियार और चोरी के माल समेत पकड़े गए। गिरफ्तार बदमाशों में 3 बिहार और 3 यूपी के अलग-अलग जिलों के निवासी हैं। ये सभी महंत वीके मिश्रा के आवास पर कर्मचारी थे।

रामनगर पुलिस और एसओजी टीम से मुठभेड़ में तीन बदमाशों को पैर में पुलिस की गोली लगी है। जिसके बाद तीन अन्य को घेराबंदी कर पकड़ा गया। इसी बीच एक बदमाश मौके से भागने में सफल रहा, उसकी तलाश की जा रही है।

शार्ट न्यूज

जंगीपुर में फोरलेन बना खूनी पटरी : ट्रक ने मारी ब्रेक, ट्रेलर जा घुसा! चालक गंभीर, ट्रक ड्राइवर फरार

हरिनारायण यादव व्यूरो विशाल इंडिया

गाजीपुर। वाराणसी-गोरखपुर फोरलेन अब रफ्तार का कब्रगाह बनता जा रहा है। मंगलवार की देर रात करीब 2 बजे जंगीपुर टी प्वाइंट के पास एक दर्दनाक हादसा हो गया। वाराणसी की ओर से आ रहे ट्रक ने अचानक ब्रेक मारा, पीछे से आ रहा ट्रेलर रुक न सका और भीषण टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रेलर का अगला हिस्सा बुरी तरह चकनाचूर हो गया और चालक केबिन में फंस गया। धमाके जैसी आवाज से आसपास के लोग नींद से जाग गए और फौरन पुलिस को खबर दी। मौके पर पहुंची जंगीपुर पुलिस ने मशक्कत कर ट्रेलर में फंसे चालक को बाहर निकाला। घायल की पहचान अजय कुमार यादव (42) निवासी बहादुरगंज, कासिमाबाद के रूप में हुई है। उन्हें तत्काल जिला अस्पताल भेजा गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। हैरत की बात यह है कि हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से ट्रक लेकर फरार हो गया। अब सवाल ये उठता है, आखिर ये ट्रक ड्राइवर इतनी बड़ी लापरवाही के बाद भी कैसे भाग निकला? क्या प्रशासन की पकड़ इतनी ढीली हो गई है? थानाध्यक्ष विवेक तिवारी ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त ट्रेलर को रास्ते से हटा दिया गया है। सवाल बरकरार है- क्या फोरलेन पर फर्राटा भरते मौत के वाहनों पर लगाम लगाने के लिए प्रशासन के पास कोई ठोस प्लान है या हादसे यूं ही आम खबर बनते रहेंगे?

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्वच्छता समिति की बैठक का हुआ आयोजन

ललितपुर। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्वच्छता समिति की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें निम्नांकित बिन्दुओं पर तत्काल कार्य किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। ग्राम पंचायतों में निर्मित समस्त हैण्डपम्पों के प्लेटफॉर्म एवं सोख्ता गड्ढों का शत-प्रतिशत निर्माण कराये जाने तक कोई अन्य कार्य प्रारम्भ न किया जाए। इस कार्य को ग्राम पंचायत में उपलब्ध 15वें वित्त आयोग की टाईड ग्राण्ट के द्वारा कराया जाए। साथ ही समस्त ग्राम पंचायतों में व्यापक रूप से प्लास्टिक का एकत्रीकरण कराते हुये विकास खण्ड पर एकत्र कराई जाए एवं विकास खण्ड से प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबन्धन इकाई पर निस्तारण हेतु प्रेषित की जाए। प्रत्येक विकास खण्ड की किसी बड़ी ग्राम पंचायत के आर.आर.सी. अथवा विकास खण्ड या उसकी किसी ग्राम पंचायत की पूर्व से निर्मित कोई बिल्डिंग/शेड/निष्प्रयोज्य स्थान की मरम्मत, रंग-रोगन आदि कराकर भी वेयर हाउस के रूप में प्रयोग किया जा सकता है। इस कार्य के लिये आवश्यक धनराशि की व्यवस्था क्षेत्र पंचायत के केन्द्रीय वित्त की टाईड ग्राण्ट से की जायेगी।

चौबेपुर में किसान की गोली मारकर हत्या

कानपुर। कानपुर चौबेपुर थाना क्षेत्र के गोगूमऊ गांव में मंगलवार रात को घर के बाहर सो रहे किसान देव नारायण उर्फ दिवारी लाल (56) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्यारोपी गोली मारने के बाद पैदल ही खेतों की तरफ भाग निकला। चीख-पुकार सुन गांव के सैकड़ों लोग पहुंच गए और पुलिस को सूचना दी। मौके पर एडीसीपी वेस्ट और एसीपी बिल्हौर व फोरेंसिक टीम जांच करने पहुंची। चौबेपुर के गोगूमऊ गांव में रहने वाले 56 साल के देव नारायण उर्फ दिवारी लाल कटियार अविवाहित थे। वह भाई रामवीर के साथ गांव में ही रह कर खेती करते और परचून की दुकान चलाते थे। रोज की तरह मंगलवार को भी खाने के बाद दरवाजे के बाहर चारपाई डालकर सो रहे थे। रात 11 बजे एक युवक आया और उनके सीने से सटा कर गोली मार दी। जब तक घर-परिवार और पड़ोस के लोग कुछ समझ पाते आरोपी मौके से पैदल ही खेत से होते हुए भाग निकला। मृतक का घर गांव के किनारे होने के कारण हमलावर को कोई पहचान नहीं सका। परिवार के लोग देव नारायण को घायल हालत में सीएचसी ले गए। जहां पर जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

आजमगढ़ में महिला टीचर से छेड़खानी

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले के सगड़ी तहसील के जीयनपुर कोतवाली के अंतर्गत स्थित जैश पब्लिक स्कूल अंजान शहीद के डायरेक्टर पर विद्यालय की अध्यापिका ने छेड़खानी का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। मुकदमा दर्ज कर पुलिस विधिक कार्रवाई करने में जुटी है। जीयनपुर कोतवाली में तीन दिन पूर्व प्रार्थना पत्र देकर अध्यापिका ने आरोप लगाया कि वह केशवपुर अंजान शहीद स्थित जैश पब्लिक स्कूल में सन् 2019 से लेकर जुलाई 2024 तक रिसेप्शन के पद पर नौकरी की। उस दौरान डायरेक्टर मिर्जा असद बेग मेरे साथ बदतमीजी और छेड़खानी करने की कोशिश करते थे। जब सब लोग चले जाते थे तो मुझे काम के लिए रोक कर मेरे साथ अक्सर छेड़खानी किया करते थे। जब मैंने इसका विरोध किया तो मुझे स्कूल से निकाल दिया गया। मैंने जब उनके घर पर बात करने की कोशिश की तो डायरेक्टर ने मुझे बदनाम करने की धमकी दी। इसके साथ ही बंदूक दिखाकर जान मारने की भी धमकी दिया।

तालाब में डूबने से युवक की मौत

ललितपुर। ललितपुर के थाना जखौरा में मंगलवार को एक तालाब से 20 वर्षीय युवक का शव बरामद हुआ है। मृतक की पहचान थाना बार के ग्राम हीरापुर निवासी रिंकेश लोधी के रूप में हुई है। रिंकेश 18 मई को एक बारात में शामिल होने ग्राम ननौरा गया था। अगले दिन सुबह वह अपने चार दोस्तों के साथ रिश्तेदार के गांव बरौदास्वामी पहुंचा। सुबह 10 बजे वह दोस्तों के साथ तालाब पर गया। जहां उसके साथी शराब पीने में व्यस्त हो गए और रिंकेश नहाने लगा। कुछ महिलाओं ने युवक को तालाब में नहाते देखा। कुछ देर बाद वह दिखाई नहीं दिया। तालाब के किनारे उसके कपड़े, जूते और मोबाइल रखे मिले। महिलाओं ने पास बैठे उसके दोस्तों को सूचना दी। सूचना मिलते ही गांव के लोग मौके पर पहुंचे। सपा नेत्री ज्योति सिंह लोधी और उनके पति कल्पनीत सिंह ने गोताखोरों की मदद से तलाश शुरू कराई। मंगलवार को तालाब में उसका शव उतराया मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

नाबालिग से रेप के दोषी को 20 साल की कैद

संभल। संभल के कोतवाली गुन्नौर क्षेत्र में वर्ष 2020 में नाबालिग से दुष्कर्म का मामला सामने आया था। पीड़ित के पिता की शिकायत पर पुलिस ने जफरुद्दीन पुत्र नसरुद्दीन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। पुलिस ने जांच के बाद न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था। विशेष न्यायालय पॉस्को एक्ट कोर्ट चंदौसी ने आज इस मामले में अपना फैसला सुनाया। न्यायाधीश ने आरोपी जफरुद्दीन को दोषी करार देते हुए 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। साथ ही उस पर 33,500 रुपए का अर्थदंड भी लगाया है। सरकारी अधिवक्ता नरेंद्र कुमार यादव ने इस फैसले की जानकारी दी। पांच साल बाद पीड़ित परिवार को न्याय मिला है। यह फैसला समाज में एक सकारात्मक संदेश देगा और ऐसे अपराधों पर अंकुश लगाने में मदद करेगा।

अवैध निर्माणों पर चला केडीए का बुलडोजर

कानपुर। जमीनों पर कब्जा कर अवैध प्लाटिंग करने वालों पर केडीए ने एक बार फिर कार्रवाई की। एयरपोर्ट रोड पर रूमा साइड व मवइया में करीब 25 बीघा जमीन पर बने अवैध निर्माणों को केडीए ने धराशायी कर दिया। इसके साथ ही बारासिरोही में भी करीब 5 हजार वर्ग मीटर जमीन खाली कराई गई। अवैध रूप से निर्माण करने वालों को केडीए ने चेतावनी दी की दोबारा निर्माण मिला तो रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी। उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल के निर्देश पर विशेष कार्याधिकारी प्रवर्तन जोन-1 सत शुक्ला की अगुवाई में कानपुर एयरपोर्ट के निकट किए जा रहे अवैध विकास कार्य व प्लाटिंग के खिलाफ ध्वस्तीकरण अभियान चलाया गया। आराजी संख्या-480, 481 में एयरपोर्ट रोड रूमा पर अशोक बाजपेई ने लगभग-20 बीघा में अवैध रूप से विकास कार्य तथा प्लाटिंग की थी, जिसे केडीए ने ध्वस्त किया। इसके साथ ही आराजी सं.-1403, 1405, 1406 मौजा मवइया एयरपोर्ट के सामने आनंद सिंह ने लगभग 5 बीघा में अवैध रूप से विकास कार्य और प्लाटिंग कर रखी थी। केडीए प्रवर्तन की टीम ने निर्माण को गिराया।

निजीकरण के खिलाफ विद्युत कर्मीयों ने किया कार्य बहिष्कार

हरिनारायण यादव विशाल इंडिया

गाजीपुर। राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर संगठन द्वारा उत्तर प्रदेश जनपद गाजीपुर के द्वारा विद्युत विभाग के निजीकरण के विरोध में केंद्र के दिशा निर्देशानुसार आज दिनांक 20.05.2025 अधीक्षण अभियंता कार्यालय लाल दरवाजा पर एकदिवसीय कार्य बहिष्कार किया गया जिसमें जनपद गाजीपुर के सभी खंडों के सभी अवर अभियंतायों ने शिरकत किया संगठन के बैनर तले जनपद के समस्त अवर अभियंताओं एवं प्रोन्नत सहायक अभियंताओं द्वारा एकजुट होकर प्रबंधन द्वारा चलाए जा रहे पीपीपी मॉडल का परीक्षण ,फेशियल अटेंडेंस तथा निजीकरण की प्रस्ताव हेतु गलत ढंग से नियुक्त किए कंसलटेंट/ट्रांजैक्शन एडवाइजर की नियुक्ति की निविदा निकाले जाने का विरोध किया गया ज्ञात हो कि पूर्व में वर्ष 2018 व 2020 में उत्तर प्रदेश में सरकार शासन ऊर्जा प्रबंधन एवं संगठनों के बीच स्पष्ट सैद्धांतिक समझौता/सहमतिया हुई थी कि ऊर्जा क्षेत्र में किसी प्रकार का कोई भी निजीकरण नहीं किया जाएगा परंतु पूर्वांचल एवं दक्षिणांचल डिस्काम का निजीकरण का प्रस्ताव एवं कंसलटेंट की नियुक्ति पूर्णतया असंवैधानिक एवं सहमतियों का खुला उल्लंघन है निजीकरण गरीब विद्युत उपभोक्ताओं, किसान आम जनमानस एवं कर्मचारी हित में बिल्कुल भी नहीं उक्त निविदा को निरस्त करने तथा निजीकरण का प्रस्ताव वापस किए जाने हेतु ऊर्जा प्रबंधन का जमकर विरोध किया गया।

विकासखंड मिलक की ग्राम पंचायतों में मनरेगा योजना के अंतर्गत हो रहे विकास कार्यों में बड़ा घोटाला , अधिकारी बने अनजान

मात्र 12 फोटो से बने 156 मिस्ट्रोल लगी लगभग 1500 मजदूरों की हाजिरी

विशाल इंडिया संवाददाता

रामपुर। रामपुर जिले के विकासखंड मिलक की ग्राम पंचायतों में विकास के नाम पर सरकारी पैसा का गबन का मामला दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। प्रधान - सचिव निर्माण कार्य की आड़ में बेखौफ होकर सरकार का पैसा बड़ी आसानी से डकार जा रहे हैं।

सरकार के लाख प्रयासों के बाद भी प्रधान सचिव अपने करतूतों से बाज नहीं आ रहे हैं।

संबंधित विभाग के अधिकारियों ने भी प्रधान - सचिव को लूट की खुली छूट दे रखी है। ताकि, प्रधान- सचिव अपनी जेब भरने के साथ गबन की गई राशि से उनकी जेब भी भर सके। यही कारण है कि करोड़ो की बजट मिलने के बाद भी गांव पिछड़ेपन का अभिशाप झेलने को मजबूर है।

गांवों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव आज भी जस का तस बना हुआ है। विकास कार्य की आड़ में सरकारी राशि गबन का ऐसा ही एक मामला ग्राम पंचायत बकनौरी का सामने आया है।

जहां प्रधान, रोजगार सेवक एवं सचिव ने मिलकर मनरेगा योजना के अंतर्गत हो रहे विकास कार्यों की आड़ में शासन का लाखों रुपये गबन करने की कोशिश की जा रही है। इस संबंध में मिली जानकारी अनुसार 6 मई से 20 मई तक रोजाना मात्र 12 फोटो से 156 मिस्ट्रौल बनाकर लगभग 1500 लोगों की हाजिरी चढ़ाई गई ।

विकासखंड मिलक की ग्राम पंचायत बकनौरी में रोजगार सेवक ने कमाल ही कर दिया 6 मई से 20 मई तक फोटो से फोटो अपलोड कर लगभग 1500 से ज्यादा मजदूरों की हाजिरियां लगायी। मात्र 12 फोटो अपलोड कर लगभग 156 मिस्ट्रॉल जनरेट किए गए।

जिसमें लगभग 1500 मजदूरों की फर्जी हाजिरी लगाई गई । माने तो रोजगार सेवक, सचिव एवं ग्राम प्रधान ने सरकार को लाखों का चूना लगाया जा रहा है देखा जाए तो भ्रष्टाचार में सचिव, रोजगार सेवक से कम नहीं पिछले 13 दिन से लगातार 12 फोटो इस्तेमाल करके रोजाना 116 लोगों की मजदूरियां चढ़ाई जा रही है । रोजगार सेवक या प्रधान से बात करते हैं जवाब होता है कि काम चल रहा है । जब आपकी ग्राम पंचायत में काम चल रहा है तो फोटो मजदूरों के लोकेशन सहित लाइव क्यों नहीं होते ।

बात साफ है कार्य 1 से 2 दिन में हो जाता है और हाजिरी महीना भर चढ़ती रहती हैं। अधिकारियों से बात करो तो अधिकारी कहते हैं वहां पर काम चल रहा है परंतु साहब एक बार जाकर नजर तो डालें काम चल रहा है या सिर्फ घर बैठे मजदूरियाँ चढ़ रही है । अगर अधिकारी निष्पक्ष जांच कर ले तो दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा और भ्रष्टाचार पर कहीं किसी हद तक तुम नकेल लगेगी।

चोरी में वांछित दो बदमाशों को पुलिस ने पकड़ा, मुठभेड़ में गोली से एक बदमाश घायल

ललितपुर। चोरी करने वाला बदमाश और पुलिस के बीच मुठभेड़ हो गई। जिसमें पुलिस की जबाबी फायरिंग में एक बदमाश के पैर में गोली लगने से घायल हो गया। दूसरा आरोपी गिरफ्तार बदमाशो के कब्जे से एक कमर पेटी, दो पायलें दो कानों के टाप्स व एक गले का हार (अनुमानित कीमत करीब 03 लाख रूपये) बरामद किया गया। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार के निकट पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में घटना के सफल अनावरण हेतु थाना कोतवाली पुलिस व स्वाट/ सर्विलांस की संयुक्त टीम द्वारा थाना कोतवाली ललितपुर पर पंजीकृत मु0अ0सं0 573/2025 धारा 303(2)/317(2) बीएनएस में वांछित अभियुक्त मल्लू उर्फ

मलखान कुशवाहा पुत्र नाथूराम उर्फ नत्तू कुशवाहा उम्र - 40 वर्ष निवासी खिरिया लटकन्जू थाना महरौनी ललितपुर को पुलिस मुठभेड के दौरान नियमानुसार गिरफ्तार किया गया तथा दूसरे अभियुक्त रौली उर्फ प्रताप उर्फ प्रहलाद रजक पुत्र कल्लू रजक उम्र 24 वर्ष निवासी ढुरा बाजार रावतयाना थाना कोतवाली को नियमानुसार मौके से गिरफ्तार कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली टीम क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार प्रभारी निरीक्षक रमेशचन्द्र मिश्रा मय टीम उ.नि. अतुल तिवारी एसओजी टीम मय टीम उ.नि. अरुण पवार, सर्विलांस सेल मय टीम उ.नि. अनुराग शर्मा, प्रभारी चौकी गोविन्द सागर बांध पुलिस अधीक्षक द्वारा अभियुक्तों की गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम को उत्साहवर्धन हेतु 25000/- रूपये के नगद पुरस्कार से पुरष्कृत किया जायेगा ।

27 लाख की ऑनलाइन ठगी का खुलासा

गोरखपुर। गोरखपुर में लुभावने रिटर्न का झांसा देकर ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट के जाल में फंसाने और 27 लाख रुपये की ठगी का मामला गोरखपुर के गोरखनाथ इलाके से सामने आया है। एफएक्स स्टॉक कॉर्प डॉट कॉम नाम की एक वेबसाइट के माध्यम से सात व्यापारियों को निशाना बनाया गया। अब जब ठगी का अहसास हुआ तो पीड़ित व्यापारियों ने स्क सिटी से मिलकर शिकायत की, जिसके आधार पर मामले की जांच साइबर अपराध थाना को सौंपी गई है। शिकायतकर्ताओं ने बताया कि वर्ष 2023 में एफएक्स स्टॉक कॉर्प डॉट कॉम नाम की वेबसाइट के माध्यम से उनका एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया था। कंपनी ने दावा किया कि इस प्लेटफॉर्म में निवेश करने पर हर महीने 12 प्रतिशत का निश्चित लाभ मिलेगा।

ओवररेट शराब बेचना पड़ा महंगा, 75 हजार का जुर्माना

ललितपुर। शराब की ओवर रेटिंग को लेकर आबकारी विभाग ने कार्रवाई शुरू कर दी है। लगातार मिल रही जन शिकायतों के क्रम में कि राजघाट स्थित कंपोजिट शराब दुकान द्वारा प्रात: निर्धारित समय से पूर्व दुकान खोली जा रही है तथा ग्राहकों से निर्धारित मूल्य से अधिक दर (ओवर रेटिंग) पर शराब विक्रय की जा रही है, इस पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए।20 मई को आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-1 जनपद ललितपुर द्वारा स्वयं मौके पर प्रात: निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दुकान पर कार्यरत सेल्समैन को निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर शराब बेचते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया, जोकि उत्तर प्रदेश आबकारी अधिनियम के अंतर्गत गंभीर उल्लंघन की श्रेणी में आता है।उक्त प्रकरण में अनुज्ञापी के विरुद्ध 75,000 (पचहत्तर

हजार रुपए) का अर्थदंड अधिरोपित करते हुए वित्तीय दंड की वसूली की कार्रवाई भी की गई है। आबकारी विभाग आम जनता से अपील करता है कि यदि कहीं भी किसी प्रकार की ओवर रेटिंग, निर्धारित समय से पूर्व दुकान खोले जाने, अवैध बिक्री या किसी अन्य प्रकार की अवैध शराब संबंधी गतिविधि की जानकारी हो तो तत्काल विभाग को सूचित करें।

गोरखपुर में घूस लेते कानूनगो गिरफ्तार

15 हजार रिश्वत लेते एंटी करप्शन टीम ने रंगे हाथों दबोचा

गोरखपुर। गोरखपुर के गोला तहसील में तैनात राजस्व निरीक्षक तेज नारायण सिंह को एण्टी करप्शन टीम ने बड़हलगंज अम्बेडकर तिराहा बस स्टैण्ड से 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। निरीक्षक जमीन की पैमाईश और फील्ड बुक तैयार करने के बदले रकम मांग रहा था।

यह कार्रवाई बड़हलगंज इलाके के मामखोर गांव के रहने वाले कन्दर्प दूबे की शिकायत पर की गई।

कन्दर्प दूबे ने 2019 में गगहा क्षेत्र के सखरूआ गांव में 13 डिस्मिल जमीन खरीदी थी। पिछले छह महीनों से वे जमीन की पैमाईश और कब्जे के लिए तहसील का चक्कर लगा रहे थे, लेकिन कार्रवाई नहीं हो रही थी। इसी बीच राजस्व निरीक्षक तेज नारायण सिंह ने जमीन की पैमाईश और कागजी कार्रवाई के बदले 20 हजार रुपये की मांग की। बात 15 हजार रुपये पर तय हुई।

एण्टी करप्शन टीम ने रची योजना

कन्दर्प दूबे ने इसकी शिकायत एण्टी करप्शन टीम से की। योजना के तहत उन्होंने आरोपी निरीक्षक को मंगलवार को अम्बेडकर तिराहा बस स्टैण्ड पर बुलाया।

टीम के सदस्य पहले से सादी वर्दी में तैनात थे। पीड़ित ने जैसे ही पांच-पांच सौ रुपये के नोट आरोपी को दिए और उसने उन्हें जेब में रखा, टीम ने उसे मौके पर ही पकड़ लिया।

गिरफ्तारी के दौरान पूरी रिश्वत की रकम बरामद कर ली गई है। आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

जिलाधिकारी ने जनपद को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए यूनिसेफ व विभागीय अधिकारियों के साथ की बैठक

क्षेत्र में बाल विवाह रोकने की जिम्मेदारी क्षेत्र के प्रबुद्धजन, ग्राम प्रधान और धर्मगुरु आगे बढ़कर लें : डीएम

ललितपुर। जिस देश की महिलाशक्ति जितनी सशक्त होती है वह देश भी उतना ही सशक्त होता है, वर्तमान सरकार के नेतृत्व में देश व प्रदेश में महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु अनेकों योजनाएं संचालित हैं, जिनके माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं को उनका अधिकारों का बोध कराते हुए उन्हें विकास की मुख्य धारा का हिस्सा बनाया जा रहा है। वहीं जनपद ललितपुर बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई का दंश झेल रहा है, जिसके उन्मूलन के लिए अब जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। जनपद को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए मंगलवार को जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने यूनिसेफ व विभागीय अधिकारियों के साथ एक वृहद बैठक कर प्रत्येक स्तर पर बाल विवाह रोकने की रणनीति बनायी है, इसके लिए उन्होंने सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को अलग-

अलग जिम्मेदारियां दी हैं। जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिये कि वह जनपद के सबसे प्रभावित क्षेत्र मड़ावरा, महरौनी एवं बार की महिला ग्राम प्रधानों को जिला स्तर पर बुलाकर कार्यशाला का आयोजन किया जाए, जिसमें जनप्रतिनिधियों को भी सम्मिलित किया जाए। इस कार्यशाला की जिम्मेदारी जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी व यूनिसेफ के अधिकारियों दी गई है। उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिये कि वह विद्यालयों में पढ़ने वाली किशोरियों व उनके अभिभावकों के साथ प्रत्येक माह बैठक आयोजित कर उन्हें बाल विवाह से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में बतायें, उन्हें बताया जाए कि बाल विवाह करना गैरकानूनी है। उन्होंने निर्देश दिये कि इन क्षेत्र में विवाह कराने वाले पण्डित पादरी, मौलवी आदि को सूचीबद्ध कर इनके साथ बैठक करायी जाये और इनको बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई को समाप्त करने के बारे में बताया जाए और इसके दुष्परिणाम से भी अवगत कराया जाए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बाल विवाह सामाजिक अपराध के साथ कानूनी अपराध भी है, जिसमें अभिभावक, लड़के, लड़के के माता-पिता एवं बाराती, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रुप से संरक्षण देने वाले रिश्तेदार, पंच, मुखिया, पण्डित, मौलवी, बैण्ड वाले, नाई, टेण्ट वाले, फोटोग्राफर, हलवाई, बिचौलिया सभी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करायी जाएगी, जिसमें 2 वर्ष का कठोर कारावास और 1 लाख रुपए का जुर्माना हो सकता है। जिलाधिकारी ने जनपद के सभी जागरुक प्रबुद्धजनों से अपील की है कि वह अपने क्षेत्र में बाल विवाह न होने दें और यदि कहीं बाल विवाह होने की जानकारी मिलती है तो चाल्ईड हेल्प लाईन नं0 1098, ललितपुर सी0यू0जी न0 7991768911, पुलिस हेल्प लाईन न0 112 पर सूचना दें।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में भीषण धमाका ; चार लोगों की मौत, 20 घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक बाजार के पास बम विस्फोट हुआ। धमाके में चार लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। विस्फोट रविवार को बलूचिस्तान के किला अब्दुल्ला जिले में जब्बार मार्केट के पास हुआ, जिससे इमारत को भारी नुकसान पहुंचा और व्यापक दहशत फैल गई। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, विस्फोट के बाद कई दुकानें ढह गईं और कई प्रतिष्ठानों में आग लग गई। किला अब्दुल्ला के डिप्टी कमिश्नर रियाज खान ने कहा कि विस्फोट में चार लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। उन्होंने कहा कि बाजार फ्रंटियर कॉर्प्स (एफसी) किले की पिछली दीवार से सटा हुआ था। विस्फोट के बाद अज्ञात हमलावरों और एफसी कर्मियों के बीच गोलीबारी हुई। कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने इलाके को सील कर दिया है। व्यापक तलाशी और निकासी अभियान शुरू किया गया है। घायलों में आदिवासी बुजुर्ग हाजी फैजुल्लाह खान गबीजई का एक सुरक्षा गार्ड और कई अन्य लोग शामिल हैं। विस्फोट खुजदार जिले के नाल इलाके में एक चेक पोस्ट पर अज्ञात हथियारबंद लोगों की ओर से किए गए घातक बंदूक हमले में चार लेवी कर्मियों की जान जाने के कुछ दिनों बाद हुआ।

अफगानिस्तान में सुबह-सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए ; तीव्रता 4.2 मापी गई

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में सोमवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, सुबह आठ बजकर 54 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता 4.2 मापी गई। भूकंप का केंद्र जमीन से 140 किलोमीटर गहराई में था।

इटली में यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की से मिले अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस

रोम, एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस इटली दौरे पर हैं। उन्होंने रोम में वेटिकन सिटी के सेंट पीटर स्क्वायर में पोप लियो 14वें के पदभार ग्रहण समारोह के दौरान यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से मुलाकात की। बैठक के दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो भी मौजूद रहे। वेंस और जेलेंस्की के बीच रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से अधिक समय से जारी युद्ध और शांति बहाली के लिए संघर्ष विराम के उपायों पर बात हुई। वेंस के कार्यालय से जारी बयान के मुताबिक दोनों नेताओं ने यूक्रेन में रक्तपात को समाप्त करने के अपने साझा लक्ष्य पर चर्चा की।

ट्रेन ने पैदल यात्रियों को मारी टक्कर, दो की मौत, एक लापता

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के ओहायो राज्य के फ्रेमोंट इलाके में रविवार शाम हुए एक हादसे में ट्रेन ने कई पैदल यात्रियों को टक्कर मार दी। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई और एक लापता है। लापता की नदी में तलाश की जा रही है। हादसा फ्रेमोंट में एरी झील के नजदीक हुआ। पैदल यात्री पुल पर थे, जब अचानक से ट्रेन आ गई और यह हादसा हो गया। पुलिस ने पुल को बंद कर दिया है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

अमेरिकी विदेश मंत्री ने की 11वें पंचेन लामा की रिहाई की मांग

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने रविवार को 11वें पंचेन लामा की रिहाई की मांग की। पंचेन लामा, जिनका असली नाम गेधुन चोइकी नईमा है, उन्हें चीन की सरकार द्वारा उस वक्त अगवा कर लिया गया था, जब वे महज छह साल के थे। 17 मई 1995 को जब दलाई लामा ने छह साल के गेधुन चोइकी नईमा को 11वां पंचेन लामा घोषित किया तो उसके तीन दिन बाद ही चीन की सरकार ने पंचेन लामा और उनके परिवार को अगवा कर लिया और नए पंचेन लामा के नाम का एलान कर दिया। चीन की इस कोशिश को तिब्बत के लोगों पर आध्यात्मिक रूप से भी नियंत्रण करने के तौर पर देखा गया। करीब 30 साल बीत जाने के बाद भी अब तक 11वें पंचेन लामा और उनके माता-पिता का कुछ पता नहीं चल सका है।

पुर्तगाल में बहुमत से चूकी पीएम मोंटेनेग्रो की पार्टी, दक्षिणपंथी चेगा ने 23 प्रतिशत वोट हासिल कर चौंकाया

लिस्बन, एजेंसी। यूरोपीय देश पुर्तगाल में सत्ताधारी पार्टी सेंटर-राइट डेमोक्रेटिक अलायंस (एडी) ने रविवार को हुए संसद चुनाव में सबसे ज्यादा वोट मिले हैं। हालांकि पार्टी को बहुमत नहीं मिला है। इससे देश में एक बार फिर राजनीतिक अनिश्चितता बढ़ गई है। शुरुआती नतीजों के मुताबिक एडी को 32.7 प्रतिशत वोट मिले हैं। यह बहुमत के लिए जरूरी 42 प्रतिशत से कम है। सोशलिस्ट पार्टी को 23.4 प्रतिशत वोट, जबकि दक्षिणपंथी चेगा को 22.6 प्रतिशत वोट मिले हैं। चेगा पार्टी के लिए यह बड़ी सफलता है क्योंकि तीन साल पहले हुए चुनाव उसे महज 7प्रतिशत वोट ही मिले थे। इस बार भी किसी पार्टी को बहुमत न मिलने का मतलब है कि बड़ी पार्टी को छोटी पार्टियों के साथ गठबंधन करना होगा या अल्पमत सरकार चलानी होगी। आधिकारिक नतीजे सोमवार देर रात तक आने की उम्मीद है। पुर्तगाल में तीन साल में यह तीसरा संसदीय चुनाव था। इस बार के चुनाव इसलिए कराए गए क्योंकि प्रधानमंत्री लुइस मोंटेनेग्रो विश्वास मत नहीं जीत पाए थे। उन पर अपने परिवार की कंपनी से जुड़े लेन-देन को लेकर सवाल उठे थे, हालांकि उन्होंने किसी भी गलत काम से इनकार किया था।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन को प्रोस्टेट कैंसर: हड्डियों तक फैली बीमारी

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन को प्रोस्टेट कैंसर हो गया है। यह अब हड्डियों तक फैल चुका है। बाइडेन के ऑफिस ने रविवार को बयान जारी कर इसकी जानकारी दी है। 82 साल के बाइडेन ने पिछले हफ्ते पेशाब में दिक्कत होने पर डॉक्टर को दिखाया था। जांच के बाद बीते शुक्रवार को उन्हें इस बीमारी का पता चला। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बाइडेन की बीमारी को लेकर कहा- मेलानिया और मैं उनकी बीमारी के बारे में जानकर दुखी हैं। हम जिल बाइडेन और उनके परिवार के लिए दुआ करते हैं और जो बाइडेन के जल्दी और पूरी तरह ठीक होने की कामना करते हैं।

2023 में स्किन कैंसर का इलाज कराया था : इससे पहले 2023 में जो बाइडेन को स्किन कैंसर हुआ था। व्हाइट हाउस के डॉक्टरों ने बताया कि उनकी छाती पर बेसल सेल कार्सिनोमा पाया गया था, जो एक सामान्य प्रकार का त्वचा कैंसर था। इस घाव को फरवरी में सर्जरी के दौरान हटा दिया गया था। अमेरिकन कैंसर सोसाइटी के मुताबिक अमेरिका में, प्रोस्टेट कैंसर पुरुषों को होने वाला सबसे आम कैंसर है और कैंसर से होने वाली मौतों की दूसरी प्रमुख वजह है।

सबसे ज्यादा उम्र के अमेरिकी राष्ट्रपति रहे हैं बाइडेन : 82 साल के बाइडेन ने 2020 में डोनाल्ड ट्रम्प को हराया था और पिछले साल फिर से चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन उनकी उम्र और मानसिक स्थिति पर सवाल उठने की वजह से उन्होंने राष्ट्रपति पद की रेस से हटने का फैसला किया था। उन्होंने तत्कालीन उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस को समर्थन दिया था। बाइडेन से 3 साल छोटे ट्रम्प ने पिछले साल नवंबर में कमला हैरिस को हराकर दूसरी बार राष्ट्रपति चुनाव जीता था। जो बाइडेन अमेरिका में राष्ट्रपति बनने वाले सबसे ज्यादा उम्र के शख्स बने थे। जब उन्होंने राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी तब उनकी उम्र 78 साल 220 दिन थी। ट्रम्प जब दूसरी बार राष्ट्रपति बने थे, तब उनकी उम्र 78 साल 61 दिन है। अमेरिकी संविधान के मुताबिक ट्रम्प तीसरी बार राष्ट्रपति नहीं बन सकते थे। ऐसे में कुछ सालों तक बाइडेन का रिकॉर्ड कायम रहेगा। सबसे युवा सीनेटर से राष्ट्रपति तक बाइडेन के करियर पर एक नजर राष्ट्रपति पद से हटने के साथ ही बाइडेन के 5 दशक के राजनीतिक करियर का अंत हो गया था। उन्होंने 1972 में डेलावेयर राज्य से 30 साल की उम्र में सीनेटर चुनाव जीतकर अपने करियर की शुरुआत की थी। उस वक्त बाइडेन देश के सबसे युवा सीनेटर थे। उन्होंने 1988 और 2008 में राष्ट्रपति उम्मीदवारी की रेस में भी हिस्सा लिया था। 2008 में बराक ओबामा की जीत के बाद वो अगले 2 कार्यकाल तक उपराष्ट्रपति भी रहे थे। 2020 में डेमोक्रेटिक पार्टी ने डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ उन्हें अपना राष्ट्रपति उम्मीदवार घोषित किया था। 2020 में ट्रम्प को हराकर बाइडेन अमेरिका के 46वें राष्ट्रपति बने थे। 2024 में उन्होंने पार्टी के दबाव की वजह से दूसरी बार राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी छोड़ दी थी। इसके बाद कमला हैरिस राष्ट्रपति उम्मीदवार बनीं, जिन्हें ट्रम्प के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। चुनाव के नतीजे पर बोलते हुए बाइडेन ने कहा था कि अगर वो उम्मीदवार होते तो ट्रम्प को हरा सकते थे।

क्या होता है प्रोस्टेट कैंसर : एक आंकड़े के मुताबिक, दुनिया भर में हर साल करीब 14 लाख लोग प्रोस्टेट कैंसर के शिकार होते हैं। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के मुताबिक लंग्स और माउथ कैंसर के बाद पुरुषों पर सबसे ज्यादा प्रोस्टेट कैंसर का खतरा रहता है। 50 की उम्र के बाद इसका खतरा बढ़ जाता है। कई मामलों में इससे कम उम्र के मरीज भी सामने आए हैं। कई केस ऐसे भी हैं जब तक इसका पता चलता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। प्रोस्टेट कैंसर भीतर ही भीतर बढ़ते हुए ब्लैडर, लिवर, फेफड़ों और पेट जैसे अंगों में भी फैल जाता है। खून के साथ कैंसर की कोशिकाएं हड्डियों तक पहुंच जाती हैं, जिससे हड्डियों में बेतहाशा दर्द रहने लगता है, वह टूटने लगती हैं। प्रोस्टेट कैंसर की वजह से संबंध बनाने से लेकर हमेशा के लिए पिता बनने की क्षमता तक खत्म हो सकती है। बीमारी ही नहीं, इसके इलाज के भी साइड इफेक्ट्स से जूझना पड़ सकता है। प्रोस्टेट कैंसर में यूज होने वाली हॉर्मोन थेरेपी से टेस्टोस्टेरॉन हॉर्मोन बनने बंद हो सकते हैं और इरेक्टाइल डिसफंक्शन का सामना करना पड़ सकता है। रेडिएशन थेरेपी का भी पुरुषों के रिप्रोडक्टिव हेल्थ यानी पिता बनने की क्षमता पर बुरा असर पड़ता है। जान बचाने के लिए प्रोस्टेट ग्लैंड ही निकालनी पड़ सकती है। इसीलिए अगर मरीज की उम्र कम हो, तो सर्जरी से पहले डॉक्टर मरीज को स्पर्म फ्रीज कराने की सलाह देते हैं, ताकि आईवीएफ जैसी सुविधा के जरिए व्यक्ति पिता बन सके। स्पर्म को बचाने का इंतजाम करती है प्रोस्टेट ग्लैंड्स प्रोस्टेट ग्लैंड्स पुरुषों के प्रजनन तंत्र का अहम हिस्सा है। इसमें बनने वाला लिक्विड स्पर्म की सुरक्षा करता है, उसे पोषण देता है और उन्हें फीमेल रिप्रोडक्टिव अंगों तक पहुंचाने में मदद करता है।

अर्जेंटीना की राजनीति पर राष्ट्रपति मिलेई की पकड़ हुई मजबूत, स्थानीय चुनाव में दर्ज की अहम जीत

ब्यूनस आयर्स , एजेंसी। एक समय मध्य-दक्षिणपंथी राजनीति का केंद्र रहा दक्षिण अमेरिकी देश अर्जेंटीना अब धुर उदारवादी पार्टी की तरफ झुकता दिखाई दे रहा है। दरअसल स्थानीय चुनाव में धुर उदारवादी पार्टी के उम्मीदवार ने जीत दर्ज की है। धुर उदारवादी पार्टी के नेता और मौजूदा राष्ट्रपति जेवियर मिलेई के लिए बड़ी जीत है क्योंकि इस साल के अंत में अर्जेंटीना में मध्यावधि चुनाव होने हैं। उससे पहले मिलेई की पार्टी की स्थानीय चुनाव में यह जीत कहीं न कहीं इस बात का संकेत है कि मिलेई की अर्जेंटीना की राजनीति में पकड़ मजबूत हो रही है।

विपक्षी पार्टी का गढ़ माना जाता था ब्यूनस आयर्स : मिलेई की पार्टी के उम्मीदवार मैनुअल एडोर्नी ने ब्यूनस आयर्स के चुनाव में जीत दर्ज की है और 30 प्रतिशत मत हासिल किए। वहीं पूर्व राष्ट्रपति मॉरिसियो मैक्री की मध्य दक्षिणपंथी पीआरओ पार्टी को बुरी हार का सामना करना पड़ा। उल्लेखनीय है कि यह जीत मिलेई के लिए इसलिए भी खास है क्योंकि ब्यूनस आयर्स मध्य दक्षिणपंथी पार्टी का गढ़ माना जाता था, लेकिन मिलेई की पार्टी एलएलए ने उस गढ़ में भी सेंधमारी कर दी है। ब्यूनस आयर्स में पीआरओ पार्टी की 18 साल तक सरकार रही और अब उनकी पार्टी का उम्मीदवार तीसरे स्थान पर रहा है। वामपंथी पॉप्युलिस्ट पेरोनिस्ट पार्टी के उम्मीदवार को दूसरा स्थान मिला।

दक्षिणपंथी राजनीति का बढ़ रहा दबदबा : ब्यूनस आयर्स की 60 विधानसभा सीटों के लिए रविवार को मतदान हुआ। 25 लाख योग्य मतदाताओं में से करीब 53 प्रतिशत ने मतदान किया। मिलेई की पार्टी की जीत ने एक बात और साफ कर दी है कि दुनिया में दक्षिणपंथी राजनीति मजबूत हो रही है और यूरोप से लेकर अमेरिका तक यही पैटर्न दिखाई दे रहा है। अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में हुए चुनाव तकनीक और एआई का भी दखल देखने को मिला। दरअसल मैक्री की पार्टी ने शिकायत दर्ज कराई है कि मतदान से पहले मैक्री की एआई जेनरेट वीडियो बनाया गया, जिसमें मैक्री ने लोगों से अपील की कि उनकी पार्टी हार चुकी है, इसलिए वे मिलेई की पार्टी के उम्मीदवार को वोट करें।

पोलैंड में राष्ट्रपति चुनाव के पहले दौर में किसी को भी बहुमत नहीं, 1 जून को आखिरी चरण

वॉरसॉ, एजेंसी। पोलैंड में रविवार को हुए राष्ट्रपति चुनाव के पहले दौर में किसी भी उम्मीदवार को बहुमत नहीं मिला।

वारसॉ के उदारवादी मेयर रफाल ट्रजास्कोव्स्की को सबसे ज्यादा 31.2प्रतिशत वोट मिले हैं। वहीं, उनके मुख्य प्रतिद्वंदी और राष्ट्रवादी इतिहासकार करोल नवरोकी को 29.7प्रतिशत को वोट मिले हैं। अब दोनों उम्मीदवार 1 जून को होने वाले दूसरे चरण के चुनाव में आमने-सामने होंगे। यह चुनाव पोलैंड के राजनीतिक भविष्य के लिए काफी अहम माना जा रहा है। ट्रजास्कोव्स्की यूरोप समर्थक नीति के पक्ष में हैं, जबकि नवरोकी को ट्रम्प समर्थक माना जाता है। चुनाव से पहले हुए सर्वे में ट्रजास्कोव्स्की को नवरोकी से 4-7प्रतिशत आगे बताया जा रहा था, लेकिन वास्तविक अंतर महज 1.5प्रतिशत रहा। दूसरे दौर में मुकाबला और कड़ा हो सकता है, क्योंकि पहले दौर में 21व वोट स्लावोमिर मेंटजेन और ग्रेजगोरज ब्राउन को मिले। जो उम्मीदवार इन दोनों के ज्यादा वोट हासिल करने में सफल रहा, उसकी जीत तय है।

ट्रंप ने रूस-यूक्रेन के बीच युद्धविराम की कोशिशें की तेज, पुतिन और जेलेंस्की से फोन पर की बात

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया का दौरा पूरा करने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस-यूक्रेन के बीच युद्धविराम की कोशिशें तेज कर दी हैं। इसी के तहत ट्रंप ने सोमवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की से फोन पर बात की। इस बातचीत के बाद ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि सोमवार को दोनों देशों के नेताओं से हुई बातचीत युद्धविराम का रास्ता साफ करेगी। ट्रंप ने नाटो देशों के नेताओं के साथ भी सोमवार को बात की।

यूक्रेन पर दबाव बनाने का आरोप : डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव जीत से पहले ही दावा किया था कि वे सत्ता में आए तो रूस-यूक्रेन युद्ध रुकवा देंगे। हालांकि जनवरी में सत्ता संभालने के बाद अब ट्रंप को कई माह बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक रूस और यूक्रेन के बीच युद्धविराम नहीं हो पाया है, जिससे ट्रंप की समझौता कराने वाले नेता की छवि को नुकसान पहुंच रहा है। कई लोगों का मानना है कि ट्रंप प्रशासन यूक्रेन पर शांतिवार्ता के लिए दबाव बना रहा है। यूक्रेन में अमेरिकी राजदूत रह चुकीं ब्रिजेट ब्रिंक ने भी आरोप

लगाया है कि अमेरिकी सरकार यूक्रेन पर दबाव बना रही है। उन्होंने कहा कि जो आक्रामणकारी है, उसका ही समर्थन किया जा रहा है और पीड़ित को दबाया जा रहा है। रूस ने बात नहीं मानी तो और प्रतिबंध लगा सकता है अमेरिका अमेरिका की वित्त सचिव स्कॉट बेसेंट ने राष्ट्रपति ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति पुतिन की बातचीत पर कहा कि अगर रूस ने शांतिवार्ता पर बात नहीं मानी तो इसके चलते रूस पर अतिरिक्त प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। बीते हफ्ते तुर्किये में रूसी और यूक्रेनी राष्ट्रपति की बातचीत होनी थी, लेकिन आखिरी समय में पुतिन ने तुर्किये जाने से इनकार कर दिया। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेनी राष्ट्रपति भी तुर्किये नहीं गए। इस बातचीत में कुछ ठोस नतीजे तो नहीं निकले और सिर्फ युद्धबंदियों को छोड़ने पर दोनों देशों में सहमति बनी।

रोमानिया चुनाव में ईयू समर्थक उम्मीदवार की जीत, रूस के लिए माना जा रहा झटका

बुखारेस्ट, एजेंसी। रोमानिया चुनाव के दूसरे दौर के मतदान में यूरोपीय यूनियन समर्थक उम्मीदवार निकुसर डैन को जीत मिली है। वहीं धुर दक्षिणपंथी नेता जॉर्ज सिमियोन को हार का सामना करना पड़ा है। पहले चरण के मतदान में जॉर्ज सिमियोन को पहला स्थान मिला था और ऐसी चर्चा शुरू हो गई थी कि रोमानिया की विदेश नीति में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। दरअसल जॉर्ज सिमियोन को रूस समर्थक नेता माना जाता है। रोमानिया नाटो का सदस्य है। ऐसे में सिमियोन अगर जीतते तो रोमानिया का झुकाव रूस की तरफ हो सकता था।

पहले चरण के उलट आए नतीजे : रोमानिया में 18 मई को दूसरे चरण का मतदान हुआ। 1.1 करोड़ वोटों में से करीब 1 करोड़ वोटों की गिनती हो चुकी है और उसके मुताबिक निकुसर डैन को 54.32 प्रतिशत वोट पाकर सबसे आगे हैं। वहीं जॉर्ज सिमियोन को 45 प्रतिशत वोट मिले हैं। निकुसर डैन की जीत को रूस के लिए झटका माना जा रहा है। पहले चरण के मतदान में धुर दक्षिणपंथी नेता जॉर्ज सिमियन ने जीत हासिल की थी। वहीं बुखारेस्ट के मेयर निकुसर डैन दूसरे स्थान पर रहे थे। गौरतलब है कि सत्ताधारी गठबंधन के संयुक्त उम्मीदवार क्रिन एंटोन्सकू को तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा और उन्हें महज 20 प्रतिशत लोगों का समर्थन मिला। रोमानिया में कुछ महीने पहले भी मतदान हुआ था, लेकिन उसे रद्द कर दिया गया था। उस चुनाव में रूस के दखल के आरोप लगे थे। पिछले साल हुए चुनाव अदालत ने कर दिए थे रद्द पहले चरण में रूस समर्थक सिमियोन की जीत ने कहीं न कहीं यूरोपीय संघ समर्थकों को चिंता में डाल दिया था। यही वजह रही कि दूसरे चरण के मतदान में लोगों ने जमकर मतदान किया और दूसरे चरण में मतदान प्रतिशत भी 64 प्रतिशत रहा। 4 मई को हुए पहले चरण के मतदान में सिर्फ 53 प्रतिशत मतदान ही हुआ था। रोमानिया में बीते साल भी मतदान हुआ था, लेकिन चुनाव में रूस के दखल के आरोपों के बाद रोमानिया की शीर्ष अदालत ने उस मतदान को रद्द कर दिया। हालांकि रूस ने इन आरोपों से इनकार किया था।

रोमानिया के राष्ट्रपति चुनाव में ट्रम्प समर्थक नेता की हार, यूरोपीय यूनियन सपोर्टर निकुसोर डैन जीते

बुखारेस्ट, एजेंसी। रोमानिया में हुए राष्ट्रपति चुनावों में बुखारेस्ट के मेयर निकुसोर डैन की जीत हुई है। उन्होंने ट्रम्प समर्थक नेता जॉर्ज सिमियन को कड़े मुकाबले में हरा दिया है। सभी वोटों की गिनती के बाद डैन को 54.17प्रतिशत वोट मिले, जबकि उनके विरोधी उम्मीदवार सिमियन को 45.83प्रतिशत वोट हासिल हुए। यह जीत इसलिए भी खास है, क्योंकि दो सप्ताह पहले दौर के मतदान में सिमियन को डैन से ज्यादा वोट (40.96प्रतिशत) मिले थे जबकि डैन को सिर्फ 20.99प्रतिशत वोट मिले। डैन ने अंतिम दौर में शानदार वापसी की।

इससे पहले 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे रूस की दखल और गड़बड़ियों के आरोपों के चलते रद्द कर दिए गए थे। इसके बाद दोबारा चुनाव कराए गए। मतदान पूर्व सर्वेक्षणों में सिमियन को बढ़त मिलती दिख रही थी, लेकिन अंतिम दौर में डैन की वापसी ने मुकाबले को पलट दिया था। डैन का एजेंडा यूरोपीय समर्थक रहा। उन्होंने वादा किया कि वे कानून और प्रशासनिक सुधार करेंगे, यूक्रेन की मदद जारी रखेंगे और पश्चिमी देशों से रिश्ते मजबूत करेंगे।

वहीं, सिमियन ने ट्रम्प के अंदाज में रोमानिया फर्स्ट अभियान चलाया, जिसमें यूरोपीय संघ की नीतियों से थोड़ी दूरी बनाने, टैक्स घटाने और

यूक्रेन को दी जा रही सैन्य मदद कम करने की बात कही गई थी। रोमानिया में राष्ट्रपति की भूमिका काफी अहम होती है। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री को चुनने, विदेश नीति और रक्षा मामलों में प्रमुख भूमिका निभाता है। इसके अलावा उसके पास यूरोपीय संघ के सर्वसम्मति वाले फैसलों पर वीटो जैसे अहम अधिकार भी हैं।

गाजा में फूड सप्लाई को तैयार हुए नेतन्याहू: 2 महीने से रुकी हुई थी

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा में सीमित मात्रा में खाद्य सामग्री भेजने की इजाजत दे दी है। इजराइल ने 2 मार्च से गाजा में खाने-पीने की चीजों के आने पर रोक लगा दी थी। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक इजराइल की वॉर कैबिनेट ने सैन्य अधिकारियों की सलाह पर रविवार को यह फैसला किया। हालांकि कैबिनेट में इसे लेकर वोटिंग नहीं कराई गई क्योंकि कई मंत्री इस फैसले के खिलाफ थे। आंतरिक सुरक्षा मंत्री इतमार बेन ग्विर और दूसरे दक्षिणपंथी नेताओं ने इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि यह हमास को 'ऑक्सीजन' देने जैसा है। पहले हमास को खत्म किया जाना जरूरी है। इजराइल ने गाजा में 2 मार्च को लागू की नाकाबंदी पिछले ढाई महीने में गाजा में यूएन और बाकी एजेंसियों के खाद्य भंडार पूरी तरह से खत्म हो गए हैं। खाने-पीने के सामानों की कमी के चलते गाजा में भुखमरी का खतरा बढ़ गया है। इस वजह से अमेरिका समेत कई देशों का इजराइल पर दबाव बढ़ रहा था, जिसके बाद पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को गाजा पट्टी में जरूरी मदद फिर से शुरू करने का आदेश दिया। नेतन्याहू ने कहा कि गाजा में मदद पहुंचाना जरूरी है ताकि गाजा में भूख की स्थिति न पैदा हो, क्योंकि इससे हमास के खिलाफ चल रहे सैन्य अभियान को नुकसान हो सकता है। उन्होंने कहा कि इजराइल यह सुनिश्चित करेगा कि मदद सिर्फ जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे और हमास को न मिले। यूएन एजेंसी नहीं, अमेरिकी एजेंसी खाना बांटेंगी रिपोर्ट के मुताबिक गाजा में फिलहाल एक हफ्ते के लिए मदद पहुंचाई जाएगी। इस दौरान

इजराइल गाजा में खाना बांटने के लिए नए वितरण केंद्र बनाएगा। ये सेंटर इजराइली सेना की निगरानी में रहेंगे। इसका संचालन अमेरिकी कंपनियां करेंगी। नई व्यवस्था के तहत गाजा के लोगों को गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन के जरिए मदद दी जाएगी। हालांकि कई सहायता एजेंसियों ने इस योजना की आलोचना की है। उनका कहना है कि इससे मानवाधिकार का उल्लंघन होता है। इजराइली हमले में रविवार को 151 लोगों की मौत इस बीच इजराइल के हमलों में एक सप्ताह में करीब 464 फिलिस्तीनी मारे गए हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि कई परिवार के सभी सदस्य इन हमलों में मारे गए। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ रविवार को इजराइली हमले में 151 लोगों की मौत हुई है। इजराइली सेना ने बताया कि उन्होंने गाजा में बड़े पैमाने पर जमीनी अभियान शुरू किया है। इसके तह उन्होंने पिछले सप्ताह 670 से ज्यादा हमास ठिकानों पर हमला किया। गाजा में इजराइली हमले को रोकने के लिए इजराइल और हमास के बीच कतर में बातचीत चल रही थी, लेकिन इसमें कोई सफलता नहीं मिली। इजराइल का कहना है कि बंधकों को रिहा करने के बाद ही वह गाजा में अपना अभियान धीमा करेगा।

आईपीएल प्लेऑफ में जगह बनाने दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियन्स में आज होगा मुकाबला

मुंबई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बुधवार को मुंबई इंडियन्स और दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला होगा। इस मुकाबले में दोनो ही टीमें जीत हासिल कर प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदारी पक्की करने उतरेंगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत की दावेदार हैं पर मुम्बई इंडियंस को घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। इसके अलावा पिछले कुछ मैचों में उसका प्रदर्शन दिल्ली से बेहतर रहा है जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। प्लेऑफ के बचे हुए एक स्थान के लिए अब ये दोनो ही दावेदार हैं क्योंकि एक अन्य दावेदार लखनऊ सुपरजायंट्स सनराइजर्स हैदराबाद से हुए मुकाबले में हार से दौड़ से बाहर हो गयी हैं। वहीं गुजरात टाइटन्स, पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु पहले ही प्लेऑफ में पहुंच गयी हैं।

अब तक के प्रदर्शन पर नजर डालें तो इस सत्र में दिल्ली ने शुरुआती मुकाबलों में लगातार जीत हासिल की थी पर पिछले छह मैच में सिर्फ एक जीत दर्ज कर पाई है जिसके कारण उसपर दबाव रहेगा। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज भी लय में नजर नहीं आ रहे। वहीं दूसरी ओर मुम्बई को शुरुआती मैच में हार मिली थी पर एक बार जीत की लय मिलने के बाद उसने पीछे मुड़कर नहीं देखा है।

अंकों की बात करें तो मुंबई इंडियंस के 14 अंक हैं । वहीं दिल्ली कैपिटल्स के 13 अंक हैं और इस स्तर पर आने के बाद दोनों के पास ही प्लेऑफ में जगह बनाने का मौका है। एक जीत से जहां मुम्बई 16 वहीं दिल्ली 15 अंकों पर पहुंच जाएगी। ऐसे में कैपिटल्स को आगे बढ़ने के लिए अपने बचे हुए दोनों मुकाबले जीतने की जरूरत है , वहीं मुम्बई के लिए एक जीत ही काफी है। दोनों टीमों को अपने अंतिम मैच पंजाब किंग्स से खेलने हैं।

मुंबई इंडियंस के खिलाड़ी लय में हैं जिसका लाभ उसे मिलेगा। इस मैच में जीत से मुंबई की टीम प्लेऑफ में पहुंच जाएगी पर वह हारी तो 24 मई को दिल्ली और पंजाब के बीच होने वाले मुकाबले के परिणाम पर उसका प्लेऑफ में जाना तय होगा। अगर इस मैच में दिल्ली जीती तो मुम्बई बाहर हो जाएगी। वहीं अगर पंजाब जीती तो मुम्बई प्लेऑफ में पहुंच जाएगा।

इस मैच में मुम्बई के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद पहली बार खेलने उतरेंगे। इस कारण वह सभी के आकर्षण का केन्द्र रहेंगे। उनका लक्ष्य इस मैच में हर हाल में अपनी टीम को जीत दिलाने

का रहेगा। मुंबई की टीम इस मैच में रेयान रिकेल्टन और कॉर्बिन बॉश का पूरा लाभ उठाना चाहेगी। ये दोनो ही इस मैच के बाद दक्षिण अफ्रीकी टीम के साथ जुड़ने के लिए स्वदेश रवाना हो जाएंगे। मुम्बई की बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव के अलावा रोहित और तिलक वर्मा पर आधारित रहेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह और ट्रेंट बोल्ट के हाथ में रहेगी। वहीं दिल्ली को अपने शीर्ष तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क की कमी खलेगी। स्टार्क भारत-पाक संघर्ष के दौरान आईपीएल स्थगित होने पर स्वदेश लौट गये थे। उसके बाद वह नहीं लौटे हैं। स्टार्क के नहीं होने पर पिछले मैच में दिल्ली को गुजरात के खिलाफ करारी हार झेलनी पड़ी थी। दिल्ली की टीम की बल्लेबाजी केएल राहुल पर ही निर्भर है। पिछले मैच में स्टार्क की जगह शामिल मुस्ताफिजुर रहमान ने अच्छी गेंदबाजी की और उन्हें अन्य गेंदबाजों का सहयोग नहीं मिला। स्पिनर कुलदीप यादव का प्रदर्शन इस

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

मुंबई इंडियंस = हार्दिक पांड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, रॉबिन मिंज, रेयान रिकेल्टन, श्रीजीत कृष्णन, बेवन जैकब्स, तिलक वर्मा, नमन धीर, विल जैक्स, मिचेल सेंटनर, राज अंगद बावा, रघु कुमार, कॉर्बिन बॉश, ट्रेंट बोल्ट, कर्ण शर्मा, दीपक चाहर, अश्विनी कुमार, रीस टॉपले, वीएस पेनमेत्सा, अर्जुन तेंदुलकर, मुजीब उर रहमान और जसप्रीत बुमराह।

दिल्ली कैपिटल्स = अक्षर पटेल (कप्तान), मुस्ताफिजुर रहमान, अभिषेक पोरेल, करुण नायर, लोकेश राहुल, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, कुलदीप यादव, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार, समीर रिजवी, दर्शन नालकांडे, त्रिपुराना विजय, दुष्मंता चमीरा, फाफ डु प्लेसी, टी नटराजन, अजय जादव मंडल, मनवंत कुमार एल और माधव तिवारी।

सत्र में अच्छा रहा है और ऐसे में उनसे मुम्बई के बल्लेबाजों को सतर्क रहना होगा।

रोहित शर्मा के इस प्रस्ताव को बीसीसीआई ने किया खारिज, हिटमैन ने मजबूरन संन्यास का किया ऐलान

मुम्बई (एजेंसी)। रोहित शर्मा ने अचानक टेस्ट से संन्यास क्यों लिया? हर कोई इसी सवाल का जवाब ढूंढ रहा है? रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीसीसीआई ने रोहित शर्मा से दो टूक कह दिया था कि अब टेस्ट टीम में उनकी कोई भूमिका नहीं दिख रही। अब एक नई न्यूज रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रोहित शर्मा इंग्लैंड दौरे पर जाना चाहते थे। उन्होंने एमएस धोनी की तरह रिटायरमेंट का प्रस्ताव रखा था लेकिन बीसीसीआई ने उसे खारिज कर दिया। उसी के बाद हिटमैन को मजबूरन टेस्ट से संन्यास का ऐलान करना पड़ा।

स्काई स्पोर्ट्स की रिपोर्ट के अनुसार, रोहित शर्मा अगले महीनें इंग्लैंड दौरे पर जाना चाहते थे जहां भारत को अंग्रेजों के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। रिपोर्ट में भारतीय क्रिकेट से जुड़े सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि रोहित शर्मा इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के बीच में टेस्ट से संन्यास लेना चाहते थे। एमएस धोनी ने 2014 में ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर ही सीरीज के बीच में टेस्ट से रिटायरमेंट का ऐलान किया था। हालांकि, बीसीसीआई ने रोहित शर्मा के धोनी जैसे रिटायरमेंट के प्रस्ताव को खारिज कर दिया।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि, चयनकर्ता सीरीज के दौरान निरतंरता चाहते थे। उन्होंने रोहित शर्मा से कहा कि उन्हें इंग्लैंड दौरे पर बतौर खिलाड़ी तो भेजा जा सकता है लेकिन कप्तान के तौर पर नहीं। इसी के बाद रोहित शर्मा ने टेस्ट से संन्यास का ऐलान कर दिया।

आईपीएल फाइनल अब कोलकाता की जगह अहमदबाद में होगा

-क्वालीफायर 1 और एलिमिनेटर भी शिफ्ट किए गए

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल 2025 प्लेऑफ का फाइनल मुकाबला कोलकाता के ईडन गार्डन्स से बदलकर अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रख दिया है। अहमदाबाद ने 2022 और 2023 में भी आईपीएल फाइनल की मेजबानी की थी। वहीं क्वा लीफायर 1 और एलिमिनेटर भी शिफ्ट किए गए हैं। ये दोनों मुकाबले अब मुल्लांपुर के मैदान पर आयोजित होंगे, जो पहले हैदराबाद में खेले जाने थे। इससे पहले भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष के कारण आईपीएल आठ दिन के लिए लिए स्थगित किया गया था। इसके बाद, बीसीसीआई ने संशोधित शेड्यूल की घोषणा की थी। 17 मई से आईपीएल की फिर शुरुआत हुई। बीसीसीआई ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 3 जून को आईपीएल 2025 का फाइनल होगा। इसी मैदान पर 1 जून को क्वालीफायर 2 भी होगा। वहीं, मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 29 मई को क्वालीफायर 1 और 30 मई को एलिमिनेटर मुकाबला खेला जाएगा। इससे पहले, आईपीएल फाइनल 25 मई को कोलकाता में खेला जाना था। ईडन गार्डन्स में क्वालिफायर 2 भी आयोजित होना था। पहले क्वालिफायर 1 और एलिमिनेटर मैच हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम में खेले जाने थे। बीसीसीआई ने बयान में कहा, आईपीएल संचालन परिषद ने मौसम के हालातों और अन्य चीजों को ध्यान में रखते हुए प्ले ऑफ के नए स्थलों पर फैसला किया है। बोर्ड ने यह भी पुष्टि की कि प्ले ऑफ चरण के समान लीग चरण के बाकी मुकाबलों के खेलने की परिस्थितियों के लिए एक घंटे का अतिरिक्त समय आवंटित किया गया है। प्लेऑफ में अब तक तीन टीमों ने प्रवेश कर लिया है। गुजरात टाइटंस (जीटी), रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) प्लेऑफ में पहुंची हैं।

आईपीएल के 65 प्रतिशत प्रशंसक इस साल देखना चाहते हैं नया विजेता, ये टीम है पहली पसंद

मुंबई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के करीब 65 प्रतिशत प्रशंसकों को इस साल नया ट्रॉफी विजेता मिलने की उम्मीद है जिसमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम सबसे पसंदीदा बनकर उभरी है। यह आंकड़े एक सर्वेक्षण में सामने आए हैं। इस सर्वेक्षण को करने वाले '23 वॉट्स इनसाइट्स स्टूडियो' ने बताया कि किशोरों और युवाओं सहित 5,000 से अधिक क्रिकेट प्रशंसकों के बीच 5 मई तक किए गए सर्वेक्षण के मुताबिक 12 प्रतिशत प्रशंसक दिल्ली कैपिटल्स को विजेता के रूप में देखना चाहते हैं जबकि सात प्रतिशत पंजाब किंग्स के पक्ष में हैं।

इस सर्वेक्षण में भाग लेने वाले ज्यादातर लोग चाहते हैं कि दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी लीग में खेलना जारी रखे। धोनी के संन्यास से जुड़े सवाल पर 73 प्रतिशत क्रिकेट प्रशंसकों ने कहा कि वे चाहते हैं कि यह करिश्माई विकेटकीपर बल्लेबाज खेलना जारी रखें। इससे पता चलता है कि भारत के पूर्व कप्तान को देश भर के प्रशंसकों से अब भी मजबूत समर्थन मिल रहा है। लगभग 37.77 प्रतिशत लोगों का मानना है कि धोनी संघर्ष करने के बावजूद अहम खिलाड़ी हैं जबकि 35.13 प्रतिशत का कहना है कि वह चेन्नई सुपर किंग्स की आत्मा की तरह हैं।

उभरते हुए खिलाड़ियों में राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी प्रशंसकों के चहेते खिलाड़ी बनते दिख रहे हैं। 31.4 प्रतिशत प्रशंसकों ने आईपीएल 2025 में पदार्पण करने वाले इस खिलाड़ी को सबसे प्रतिभाशाली युवा क्रिकेटर माना है। उनके बाद मुंबई इंडियंस के अश्वनी कुमार के लिए 21 प्रतिशत प्रशंसकों ने मतदान किया।

इस सर्वेक्षण में 78 प्रतिशत प्रशंसकों का मानना है कि 'इंपैक्ट खिलाड़ी' नियम ने खेल को ज्यादा रणनीतिक और आकर्षक बनाया है जबकि 20 प्रतिशत का मानना है कि यह नियम हरफनमौला खिलाड़ियों के लिए अनुचित है। गुजरात टाइटन्स, आरसीबी और पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2025 के प्लेऑफ में जगह बना ली है, जबकि मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स बचे हुए एक स्थान के लिए दावेदारी कर रहे हैं।

एशिया कप से भारतीय टीम के हटने की खबरें गलत : बीसीसीआई

-सचिव सैकिया बोले, अभी तक इस मामले में कोई फैसला नहीं हुआ

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय टीम के एशिया कप से हटने की खबरों को गलत बताया है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि इस प्रकार की जो भी रिपोर्ट आई हैं वे आधारहीन हैं क्योंकि हमने अभी तक एशिया कप को लेकर कोई फैसला नहीं किया है। वहीं इससे पहले कई मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि भारतीय टीम अगले महीने श्रीलंका में होने वाले महिला इमर्जिंग टीम एशिया कप और सितंबर में होने वाले पुरुष एशिया कप में भाग नहीं लेगी क्योंकि एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) का प्रमुख एक पाकिस्तानी मंत्री मोहसिन नकवी है। एशिया कप सितंबर में भारत में होना है जबकि महिला एमर्जिंग टीम एशिया कप की मेजबानी श्रीलंका को मिली है। सैकिया ने कहा, ऐसी सभी खबरें आधारहीन है क्योंकि अभी तक बीसीसीआई ने आगामी एसीसी आयोजनों के संबंध में ना तो कोई चर्चा की है और ना ही कोई कदम उठाया है, एसीसी को कुछ लिखना तो दूर की बात है। उन्होंने साथ ही कहा, इस समय हमारा पूरा ध्यान आईपीएल और उसके बाद होने वाली इंग्लैंड सीरीज पर है। एशिया कप या किसी अन्य एसीसी इवेंट को लेकर कोई बात नहीं हुई है। साथ ही कहा जब भी एशिया कप को लेकर बात होगी उसकी जानकारी मीडिया को दी जाएगी।

पोंटिग बोले , सरल और प्रभावी रवैये से पंजाब किंग्स को सफलता मिली

जयपुर (ईएमएस)। पंजाब किंग्स टीम के कोच रिकी पोटिंग टीम के प्लेऑफ में पहुंचने से बेहद उत्साहित हैं। पोंटिंग ने ड्रेसिंग रूम में टीम की प्रशंसा करते हुए कहा कि टीम ने इस सत्र में अब तक जबरदस्त खेल दिखाया है। उसेन खिलाड़ियों की दृढ़ता की प्रशंसा की। पोंटिंग ने कहा कि खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट की शुरुआत से ही एक सरल पर प्रभावी रवैया अपनाया है, जिससे विपरीत हालातों में भी वे अपना स्वाभाविक खेल दिखा पाये। बल्लेबाजी इकाई के साथ अपनी खुशी व्यक्त करते हुए जिन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के लिए युवा नेहल वढेरा की जमकर तारीफ की। नेहल ने केवल 37 गेंदों पर ही 70 रन बनाए। पोंटिंग ने कहा, आपने जो किया उससे आप विरोधी टीम पर दबाव बनाने में सफल रहे। आपको इस प्रारूप में आगे भी ऐसा करना ही होगा। उन्होंने शशांक सिंह की भी प्रशंसा की। साथ ही कहा कि हर बार जब आप टूर्नामेंट में किसी चीज से जूझते हैं, तो आप उसे पूरा करने का तरीका ढूंढ लेते हैं। इसके अलावा उन्होंने युवा गेंदबाज हरप्रीत बरार सहित सभी गेंदबाजों के रवैये को भी सराहा। पोंटिंग ने कहा, आप कड़ी मेहनत करते हैं, आपको मौका मिलता है और इसका परिणाम मिलता है।

आईपीएल में भिड़े दो खिलाड़ी, बीसीसीआई उपाध्यक्ष को करना पड़ा हस्तक्षेप

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जॉइंट्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच यहां हुए मैच में दो खिलाड़ियों के बीच हुआ विवाद इतना बढ़ा कि बीसीसीआई उपाध्यक्ष तक को हस्तक्षेप करन पड़ गया। इस मैच में 206 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सनराइजर्स के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा सुपर जॉइंट्स के गेंदबाज दिग्वेश राठी से भिड़ गये। यह मामला उस समय हुआ जब अभिषेक ने 20 गेंदों में 59 रन बनाकर दिग्वेश की गेंद पर आउट हुए। दिग्वेश ने जब इसपर खुशी जतायी तो अभिषेक भड़क गये और दोनो के बीच झड़प शुरु हो गयी। इसके बाद किसी प्रकार मामला शांत हुआ। मैच के बाद ये विवाद सुलझाने के लिए बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने दोनो से बात की।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ सुपर जॉइंट्स ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 205 रन बनाए। इसके बाद 206 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सनराइजर्स ने दूसरे ही ओवर में विकेट खो दिया। उसके बाद ओपनर अभिषेक ने आक्रामक बल्लेबाजी कर अपनी टीम को वापसी करायी। उन्होंने 18 गेंदों में अर्धशतक बना दिया। इस बल्लेबाज ने 20 गेंदों में 4 चौके और 6 छक्के लगाकर 59 रन बनाये।

अभिषेक का विकेट लेने के बाद दिग्वेश ने उनकी तरफ देखकर पहले तो आक्रामक अंदाज में पवैलियन जाने का इशारा किया फिर नोटबुक स्टाइल में जश्न मनाया। इससे पैवेलियन जा रहे अभिषेक नाराज हो गये और उन्होंने राठी को कुछ कहा। इस दौरान दोनों एक दूसरे के पास पहुंच गए और गुस्से में बहस करने लगे। तब अंपायरों और कुछ खिलाड़ियों ने बीच-बचाव कर मामला संभाला। पैवेलियन लौटते समय अभिषेक ने इशारों ही इशारो में राठी को बाल खींचते हुए पीटने के संकेत दिये।

सनराइजर्स की जीत के बाद जब दोनों टीमों के खिलाड़ी एक दूसरे से हाथ मिला रहे थे तब शर्मा और राठी फिर आमने-सामने आए। राठी के आगे उनकी टीम के सहायक कोच विजय दहिया थे। उन्होंने अभिषेक शर्मा को रोक लिया और उनके कंधे पर हाथ रखकर कुछ बातचीत करने लगे। पीछे खड़े राठी अभिषेक को देख रहे थे। जब दहिया आगे बढ़े तब अभिषेक और राठी ने भी एक दूसरे से हाथ मिलाया। यहां भी दोनों में कुछ बातचीत होती है लेकिन भावभंगिमा और अंदाज आक्रामक नहीं था। अभिषेक और राठी के

बीच विवाद पूरी तहस से समापत हो इसके लिए बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला सामने आये और उन्होंने दोनो को समझाया जिसके बाद ही ये मामला पूरी तरह से सुलझा।

हर्षल ने बनाया रिकार्ड

लखनऊ । सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज हर्षल पटेल ने यहां सोमवार को लखनऊ सुपर जॉइंट्स के खिलाफ मैच में शानदार गेंदबाजी करते हुए अपने 150 विकेट पूरे किया। इसी के साथ ही हर्षल ने सबसे तेजी से 150 विकेट लेने का रिकार्ड अपने नाम किया है। इससे पहले ये रिकार्ड लसिथ मलिंगा के नाम था। हर्षल ने यह उपलब्धि मैच के 16वें ओवर में हासिल की। उन्होंने एडन मार्करम का विकेट लेते ही आईपीएल में 2381 गेंदों में अपने 150 विकेट पूरे किए। इससे पहले लसिथ मलिंगा ने 2444 गेंदें जबकि युजवेंद्र चहल ने 2543 गेंद में अपने 150 विकेट पूरे किये थे। हर्षल इस सत्र में अब तक 11 पारियों में 15 विकेट लेकर संयुक्त रूप से 5वें सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गये हैं। हर्षल ने इससे पहले साल 2021 में आरसीबी की ओर से 32 विकेट लिए और 2024 में पंजाब किंग्स के लिए उन्होंने 24 विकेट लिए थे। उन्होंने आईपीएल में अब तक दो बार पर्पल कैप जीती है।

पूरन ऑरेंज कैप, हर्षल पर्पल कैप की रेस में शीर्ष 10 में शामिल

मुम्बई । लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के बीच हुए आईपीएल मुकाबले के बाद ऑरेंज कैप और पर्पल कैप की दौड़ में शामिल खिलाड़ियों में बदलाव आया है। ऑरेंज कैप की दौड़ में शामिल खिलाड़ियो की सूची में लखनऊ सुपर जायंट्स के बल्लेबाज निकोलस अब नौवें स्थान पर पहुंच गये हैं जबकि श्रेयस अय्यर शीर्ष दस से बाहर हो गये हैं। पूरन को एक स्थान का लाभ हुआ है और वह नौवें स्थान पर हैं। उनके 12 मैचों में 455 रन हैं। पूरन ने सनराइजर्स के सामने 26 गेंदों में 6 चौकों और एक छक्के की मदद से 45 रन बनाये। वहीं पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के कप्तान अय्यर दो स्थान के नुकसान के साथ ही 11वें स्थान पर फिसल गए हैं। अय्यर ने 12 मैचों में 435 रन बनाये हैं। वहीं सलामी बल्लेबाज एडेन मार्करम वह 12वें स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने 12 मैचों में 409 रन बनाये हैं। लखनऊ के मिचेल मार्श दसवें स्थान पर आ गए। ऑरेंज कैप हालांकि अभी तक गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन के पास ही है। सुदर्शन ने 12 मैचों में 617 रन बनाये हैं। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) केविराट कोहली 11 मुकाबलों में 505 रन बनाकर पांचवें नंबर पर हैं।

टी20 श्रृंखला के लिए पाकिस्तान का दौरा करेगा बांग्लादेश, कार्यक्रम में हुआ संशोधन

इस्लामाबाद . बांग्लादेश की टीम पाकिस्तान के दौरे पर पहले से तय पांच की जगह तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेलेगी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने दुबई में मंगलवार को बांग्लादेश के अपने समकक्ष से मुलाकात की जिसके बाद कार्यक्रम में संशोधन किया गया। लाहौर का गद्दाफी स्टेडियम इस महीने तीनों मैचों की मेजबानी करेगा। इन मैचों की तारीख हालांकि अभी तय नहीं की गई हैं। पिछले महीने दोनों देशों ने 25 मई से तीन जून तक पांच टी20 मैच खेलने पर सहमति जताई थी, जिसमें से पहले दो मैच फैसलाबाद में खेले जाने थे। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के बाद PCB को अपने प्रमुख घरेलू टी20 टूर्नामेंट (पाकिस्तान सुपर लीग) के कार्यक्रम को संशोधित करना पड़ा। इसका फाइनल अब 25 मई को खेला जाएगा। PSL की तारीखों के आगे बढ़ने के बाद इस टी20 श्रृंखला के आयोजन पर संदेह था। बांग्लादेश अभी यूएई के दौरे पर है। टीम को बुधवार को तीसरा और निर्णायक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना है।

पंत यह स्वीकार करने वाले पहले व्यक्ति होंगे कि उनका सत्र अच्छा नहीं रहा: मार्श

लखनऊ (एजेंसी)। ऋषभ पंत 27 करोड़ रुपए की भारी भरकम कीमत के बावजूद एक बेहतरीन मैच विजेता की अपनी प्रतिष्ठा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके और लखनऊ सुपर जाइंट्स के मिचेल मार्श ने टीम के आईपीएल से बाहर होने के बाद कहा कि यह विकेटकीपर बल्लेबाज यह स्वीकार करने वाला पहला व्यक्ति होगा कि इस लुभावनी टी20 लीग में उनका सत्र अच्छा नहीं रहा।

सुपर जाइंट्स को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ सोमवार को छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा और इसके साथ टीम प्ले ऑफ की दौड़ से बाहर हो गई जबकि उसके दो और मैच बचे हैं। सुपर जाइंट्स के कप्तान पंत ने 12 मैच में 135 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 100 से कम है। यह 2016 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए पदार्पण करने के बाद से उनका सबसे खराब आईपीएल सत्र रहा है।

अब तक पांच अर्धशतक से 443 रन बनाने वाले मार्श ने संवाददाताओं से कहा, 'वह यह कहने वाले पहले व्यक्ति होंगे कि उनका सत्र वैसा नहीं रहा जैसा उन्हें पसंद होता लेकिन मैं व्यक्तिगत रूप से जानता हूं कि कभी-कभी क्रिकेट इसी तरह चलता है।' मार्श ने उम्मीद जताई कि पंत सुपरजाइंट्स के आखिरी दो मैच में अच्छा प्रदर्शन करेंगे, हालांकि ये महज औपचारिकता के मुकाबले होंगे। उन्होंने कहा, 'हम जानते हैं कि वह एक शानदार खिलाड़ी हैं, बेहद कुशल और बेहद प्रतिभाशाली है इसलिए वह वापसी करेगा।'

सत्र के सकारात्मक पहलुओं के बारे में पूछे जाने पर मार्श ने कहा कि 14वें लीग मैच के खत्म होने के बाद सभी के प्रदर्शन की जांच की जा सकती है। मार्श ने कहा, 'मुझे लगता है कि शायद इस सत्र के बाद आत्मचिंतन का समय आएगा। मेरा ध्यान बस अपनी टीम और अपनी फ्रेंचाइजी के लिए अगले दो मैच जीतने में योगदान देने की कोशिश करने पर है। जैसा कि मैंने कहा कि आईपीएल एक बहुत बड़ा टूर्नामेंट है और इसमें जीत का अंतर बहुत कम होता है।' उन्होंने कहा, 'हमने पूरे सत्र में कुछ करीबी मैच गंवाए जो अब हमें नुकसान पहुंचा रहे हैं, लेकिन हां, अब यह सब इस बारे में है कि हम जितना संभव हो सके इस सत्र को मजबूती से खत्म करें।'

सनराइजर्स हैदराबाद ने पिछले सत्र में केवल आक्रमण करने के अपने सिद्धांत के साथ टी20 बल्लेबाजी की नई परिभाषा लिखी थी लेकिन इस सत्र के दौरान यह कारगर नहीं रहा जहां टीम पहले ही प्ले ऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है जबकि अभी उसके दो मैच बचे हुए हैं। मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने कहा, 'लोगों ने इस बारे में बात की है कि जाहिर तौर पर हम इस वर्ष आक्रामक होने की प्रतिष्ठा के साथ आए थे और फिर पहले मैच में हमने 280 रन बनाए। इस बात की चर्चा थी कि यह जारी रहेगा। मुझे लगता है कि हमारे लिए यह सिर्फ परिस्थितियों के बारे में सीखना और यह समझना है कि हम उन परिस्थितियों में कैसे खेलते हैं और कुछ बार हम लड़खड़ा गए।'

इस पूर्व दिग्गज स्पिनर ने कहा कि टीम के लिए हालात से सामंजस्य बैठाना एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया। विटोरी ने कहा, 'शायद (हम) उतनी जल्दी सामंजस्य नहीं बैठा पाए जितना हम चाहते थे और ऐसा खेल खेला जो उन तरह के विकेटों के अनुकूल नहीं था इसलिए यह प्रमुख सीख है। आज इसका एक अच्छा उदाहरण था कि हम पावर प्ले में

आक्रामक हो सकते हैं लेकिन फिर उन मध्य चरणों के दौरान हमें जिम्मेदारी से बल्लेबाजी करनी थी और कुछ विकल्प अपनाने थे।'

एम्बेसी रीट ने 2,000 करोड़ रुपये का जुटाया ऋण

नई दिल्ली।

एम्बेसी ऑफिस पार्क्स रीट ने शेयर बाजार को मंगलवार को दी सूचना में बताया` कि कंपनी ने तीन साल की अवधि के लिए 7.21 प्रतिशत की ब्याज दर पर 2,000 करोड़ रुपये का 'कूपन-बेयरिंग' कर्ज जुटाया है। एम्बेसी रीट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा` कि यह लेनदेन एम्बेसी रीट के मजबूत बही-खाते को दर्शाता है। साथ ही भारत के वाणिज्यिक रियल एस्टेट क्षेत्र में अग्रणी ऋणदाता के रूप में हमारी स्थिति को मजबूत करता है। यह पुनर्वित्त हमें भविष्य के वृद्धि अवसरों को भुनाने के लिए अच्छी स्थिति में लाता है। एम्बेसी रीट के खंड में 4.03 करोड़ वर्ग फुट का पूर्ण परिचालन क्षेत्र शामिल है और इसमें विश्व की 272 अग्रणी कंपनियां कार्यरत हैं।

ऑस्ट्रेलियाई केंद्रीय बैंक ने प्रमुख नीतिगत दर घटाकर 3.85 प्रतिशत की

नई दिल्ली।

ऑस्ट्रेलिया के केंद्रीय बैंक ने मंगलवार को अपनी प्रमुख नीतिगत दर में कटौती की। एक चौथाई प्रतिशत की कटौती के साथ अब यह 3.85 प्रतिशत है। ऑस्ट्रेलिया के रिजर्व बैंक ने अपनी प्रमुख ब्याज दर को 4.1 प्रतिशत से घटाकर 3.85 प्रतिशत किया। अक्टूबर 2020 के बाद से फरवरी में पहली बार इसे 4.35 प्रतिशत से घटाया गया था। ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद बनी हुई थी हालांकि पिछले सप्ताह अमेरिका और चीन के शुल्क वृद्धि को 90 दिन के लिए टालने पर सहमति बनने के बाद इसकी संभावना थोड़ी कम हो गई थीं। बैंक मुद्रास्फीति को दो प्रतिशत से तीन प्रतिशत के बीच के लक्ष्य दायरे की ओर ले जाने के लिए ब्याज दरों को समायोजित करता है। मुद्रास्फीति भी पिछले तीन महीनों से 2.4 प्रतिशत पर स्थिर है। हालांकि अंतर्निहित आंकड़ा 2024 की अंतिम तिमाही में 3.2 प्रतिशत था। जनवरी-मार्च में बेरोजगारी दर अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के 4.0 प्रतिशत से बढ़कर 4.1 प्रतिशत हो गई, लेकिन यह अपेक्षाकृत कम बनी हुई है।अर्थशास्त्रियों को डर है कि श्रमिकों की कमी से मुद्रास्फीति और बढ़ सकती है।

कोल इंडिया की सब्सिडियरी कंपनी का आईपीओ जल्द

नई दिल्ली।

नवरत्न कंपनी कोल इंडिया की सब्सिडियरी कंपनी का आईपीओ आने वाला है। कोल इंडिया ने कहा है कि बीसीसीएल और सीएमपीडीआई ने लिस्टिंग की प्रक्रिया की शुरुआत कर दी है। जल्द ही सेबी के पास ड्राफ्ट पेपर्स फाइल कर दिया जाएगा। पत्रकारों से बातचीत के दौरान कोल इंडिया लिमिटेड व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि हम जल्द ही डीआरएचपी फाइल कर देंगे। बता दें कि डीआरएचपी पब्लिक लिस्टिंग के प्राइमरी डॉक्यूमेंट है। उन्होंने बताया कि आईपीओ के लिए बुक रनिंग लीड मैनेजर नियुक्त कर लिया गया है। कोयला मंत्रालय ने पहले ही बता दिया था कि भारत कोकिंग कोल लिमिटेड और सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट की लिस्टिंग होगी। कोल इंडिया के शेयरों का भाव सोमवार को बाजार के बंद होने के समय पर 0.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ 402.90 रुपये पर था। बीते 3 महीनों के दौरान कोल इंडिया के शेयरों की कीमतों में 11 प्रतिशत की तेजी आई है। बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 544.70 रुपये है। 52 वीक लो लेवल 349.20 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 2.48 लाख करोड़ रुपये का है।

आईटीआर भरने की आखिरी तारीख 31 जुलाई

आईटीआर फार्म 1 से 7 तक को नोटिफाई

नई दिल्ली।

नए वित्तवर्ष की शुरुआत होने के बाद से डेढ़ महीने से भी ज्यादा वक़्त बीत गया है, लेकिन अभी तक आईटीआर दाखिल करने के मामले में कोई फुर्सत नहीं मिली है। इनकम टैक्स विभाग ने आईटीआर फार्म 1 से 7 तक को नोटिफाई कर दिया है, लेकिन काफी लोगों को इसकी तैयारी में मुश्किलें आ रही है। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न भरना है, लेकिन फॉर्म भरने के लिए वक़्त न मिलने के कारण इनकम टैक्सपेयर्स की चिंताएँ बढ़ रही हैं। 31 जुलाई से पहले अपना आईटीआर भरने वाले लोगों को तैयार रहना चाहिए और स्वीकृति समय से पहले जमा करने का पूरा लाभ उठाना चाहिए। करदाताओं को इस बार उनके नियोक्ताओं द्वारा दिए जाने वाले फॉर्म 16 के साथ भी कई समस्याएँ हो रही हैं। फॉर्म 16 में की गई परिवर्तनों और दोबारा फॉर्म प्राप्त करने की तारीख के बीच, करदाताओं को अपनी टैक्स रिटर्न भरने में मुश्किलें आ रही हैं। ऐसे में टैक्सपेयर्स को ध्यान देने की जरूरत है कि वे अपने आईटीआर फॉर्म को समय पर भरें और खुद को अनावश्यक जुर्मानों से बचाएं। आईटीआर भराए बिना छूटने के चुक जाने वाले करदाताओं के लिए भी विभिन्न अवसर हाल में किए गए हैं, जिनमें खास छूटें की शुरुआत से लेकर आकस्मिक या आर्थिक संकट की स्थिति में आईटीआर दाखिल करने के लिए अत्यंत जरूरी है। समय के साथ चलते

रहना, समय पर दाखिला करना और सबसे महत्वपूर्ण बात, सही जानकारी और प्रस्तुति के साथ आईटीआर दाखिल करना, टैक्सपेयर्स के लिए महत्वपूर्ण है।

डीएलएफ का मार्च तिमाही में मुनाफा बढ़कर 1,282 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली।

दिग्गज रियल्टी कंपनी डीएलएफ लिमिटेड का मार्च तिमाही में मुनाफा 39 प्रतिशत बढ़कर 1,282 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है, जबकि समूचे वित्त वर्ष 2024-25 में इसकी बिक्री बुकिंग 21,223 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। डीएलएफ ने कहा कि उसकी बिक्री बुकिंग पिछले वित्त वर्ष 2023-24 के 14,778 करोड़ रुपये के मुकाबले वित्त वर्ष 2024-25 में 44 प्रतिशत बढ़ गई। गुरुग्राम स्थित बेहद आलीशान आवासीय परियोजना 'द डहेलियाज' में बंपर बुकिंग की इसमें अहम भूमिका रही है। देश की अग्रणी रियल एस्टेट कंपनी का वित्त वर्ष 2024-25 की मार्च तिमाही में मुनाफा 39 प्रतिशत बढ़कर 1,282.2 करोड़ रुपये हो गया जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 919.82 करोड़ रुपये थी। बीती तिमाही में कंपनी की कुल आय पिछले वर्ष की इसी अवधि के 2,316.7 करोड़ रुपये से बढ़कर 3,347.77 करोड़ रुपये हो गई। समूचे वित्त वर्ष 2024-25 में डीएलएफ का मुनाफा बढ़कर 4,366.82 करोड़ रुपये हो गया जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष में 2,723.53 करोड़ रुपये था।

एप्पल ने फिर किया भारत में अरबों का निवेश, ट्रंप की चेतावनी बेअसर

यह निवेश एप्पल की भारत में आईफोन उत्पादन बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा है

मुंबई।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत में आईफोन उत्पादन पर आपत्ति जताई है इसके बावजूद, एपल के सीईओ टिम कुक ने अपनी रणनीति नहीं बदलीहहि। कंपनी के मैन्युफैक्चरिंग साझेदार फॉक्सकॉन और होन हाई प्रिसिजन इंडस्ट्री ने भारत में भारी निवेश की घोषणा की है। पिछले पांच दिनों में फॉक्सकॉन ने 1.48 अरब डॉलर (करीब 12,800 करोड़) का निवेश किया है, जबकि होन हाई ने भारत में 1.5 अरब डॉलर (12,500 करोड़ से अधिक) के निवेश की पुष्टि की है। दोनों कंपनियों ने यह जानकारी अपनी स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में दी है। फॉक्सकॉन ने यह निवेश अपनी सिंगापुर यूनिट के जरिए तमिलनाडु स्थित युजान टेक्नोलॉजी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड में किया है। 14 मई से 19 मई के बीच किया गया यह निवेश एप्पल की भारत में आईफोन उत्पादन बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा है। दूसरी ओर, होन हाई ने अपने ताइवानी निवेशकों को सूचित किया है कि वह चीन से प्रोडक्शन शिफ्ट कर भारत में निर्माण बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। टिम कुक ने हाल में कहा कि जून तिमाही से अमेरिका में बिकने वाले अधिकांश आईफोन भारत में बने होंगे। चीन, जहां अब व्यापार और शुल्क को लेकर अनिश्चितता है, वहां अब मुख्य रूप से अन्य बाजारों के लिए निर्माण होगा। भारत में फॉक्सकॉन, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और पेगाट्रॉन जैसे बड़े मैन्युफैक्चरिंग प्लेयर एप्पल के लिए काम कर रहे हैं। टाटा ग्रुप ने हाल ही में विस्ट्रॉन इंडिया का अधिग्रहण किया है और पेगाट्रॉन के भारतीय ऑपरेशंस को भी संभाल रहा है।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 873 और निफ्टी 262 अंक नीचे आया

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज सुबह बाजार की बढ़त के साथ शुरुआत हुई पर कुछ समय बाद ही ये लाल निशान पर आ गया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला वाला बीएसई सेंसेक्स 872.98 अंक करीब 1.06 फीसदी की गिरावट के साथ 81,186.44 अंकों पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 भी 261.55 अंक तकरीबन 1.05 फीसदी टूटकर 24,683.90 अंकों पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान एटरनल (जोमेटो) के शेयर 4.24 फीसदी, मारुति सुजुकी 2.76 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 2.04 फीसदी, नेस्ले इंडिया 1.92 फीसदी, पावरग्रिड 1.92 फीसदी, बजाज फाइनेंस 1.82 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.82 फीसदी, बजाज फिनसर्व 1.62 फीसदी, हिंदुस्तान यूनिलीवर 1.51 फीसदी, एशियन पेंट्स 1.29 फीसदी, रिलायंस इंडस्ट्रीज 1.25 फीसदी, टेक महिंद्रा 1.20 फीसदी, टाटा मोटर्स 1.12 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 1.07 फीसदी, भारतीय स्टेट बैंक 1.00 फीसदी, टाइटन 0.97 फीसदी, सनफार्मा 0.95 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 0.88 फीसदी, लार्सन एंड टुब्रो के शेयर 0.82 फीसदी गिरे की गिरावट के साथ बंद हुए।

बाजार जानकारों अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशक की निकासी से बाजार में ये गिरावट आई है। विदेशी निवेशकों ने गत दिवस 500 करोड़ से अधिक रुपये निकाले, वहीं घरेलू निवेशकों ने भी इस दौरान 200 करोड़ से अधिक के शेयर बेच दिये। भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम की घोषणा के बाद से ही भारतीय बाजार में भारी तेजी आई थी। इससे सेंसेक्स और निफ्टी में करीब 4 फीसदी की तेजी रही। जिसके बाद से ही निवेशक मुनाफावसूली में लग गये।

आज हैवीवेट स्टॉक्स में बिकवाली के दबाव से बाजार दबाव में आ गया। एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति और बजाज फाइनेंस के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। इनके अलावा, एटरनल में लगभग 4त्न की गिरावट आई।

इससे पहले आज सुबह आईटी और बैंकिंग स्टॉक्स में खरीदारी से बाजार बढ़त के साथ खुला। सेंसेक्स 57 अंक की बढ़त लेकर

82,116.17 पर खुला। सोमवार को यह 82,059.42 पर बंद हुआ था। इसी तरह निफ्टी भी 24,996.20 अंक पर खुला।

वहीं एशिया बाजारों में मजबूती देखने को मिली। जापान का निक्केई 1.05 फीसदी और टॉपिक्स 0.72 फीसदी तेज रहा। कोरिया का कोस्पी 0.34 फीसदी और ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.77 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। अमेरिकी शेयर बाजार में सोमवार को हल्की बढ़त देखने को मिली। प्रमुख इंडेक्स एसएंडपी 500 में 0.09 फीसदी की तेजी आई, जो लगातार छठा दिन बढ़त के साथ बंद हुआ। वहीं नैस्डैक में मामूली 0.02 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज में 0.32 फीसदी की वृद्धि हुई।

नए स्मार्टफोन एचएमडी वाइब 2 लॉन्च करने की तैयारी

नई दिल्ली।

स्मार्टफोन निर्माता कंपनी एचएमडी मार्केट में अपने नए स्मार्टफोन एचएमडी वाइब 2 को लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। यह जानकारी एक्स पर टिपस्टर एचएमडी मेमे ने दी है। लीक रिपोर्ट्स के अनुसार, यह फोन एंट्री-लेवल कैटेगरी में आएगा लेकिन कुछ खास अपग्रेड के साथ पेश होगा। फोन में कंपनी स्नैपड्रैगन 4 जेन 2 चिपसेट इस्तेमाल कर सकती है।

इसके अलावा, यह 50 मेगापिक्सल के मेन कैमरे से लैस होगा। लीक में बताया गया है कि फोन 8जीबी रैम और 256जीबी तक के इंटरनल स्टोरेज के साथ आएगा, जिसे माइक्रो एसडी कार्ड के जरिए 512जीबी तक बढ़ाया जा सकेगा। डिस्प्ले की बात करें तो इसमें 6.67 इंच का ओलेड पैनल होगा, जो फुल एचडी प्लस रेजोल्यूशन, 90 एचझेड रिफ्रेश रेट और एचडीआर10 सपोर्ट के साथ आएगा। फोटोग्राफी के लिए फोन में ड्यूल रियर कैमरा सेटअप मिलेगा, जिसमें 50 मेगापिक्सल का मेन लेंस और 2 मेगापिक्सल का डेप्थ या मैक्रो सेंसर शामिल होगा। सेल्फी के लिए 50 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा दिया जा सकता है। पावर के लिए 5000 एमएएच की बैटरी दी जाएगी, जो 33 वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट करेगी। यह फोन एंड्रॉयड 15 पर आउट ऑफ द बॉक्स काम करेगा। जहां तक लॉन्च डेट, कीमत और उपलब्धता की बात है, फिलहाल इस बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं

आई है। उम्मीद है कि एचएमडी जल्द ही इस पर अपडेट साझा करेगी। पनी के शेयर मंगलवार को 852.65 रुपए पर बंद हुए थे। वेलस्पन लिविंग लिमिटेड के शेयर बुधवार को 13 फीसदी से ज्यादा के उछाल के साथ 138.65 रुपए पर जा पहुंचे। के पी आर मिल लिमिटेड के शेयर बुधवार को 8 फीसदी से ज्यादा के उछाल के साथ 1122.05 रुपए पर पहुंच गए हैं। वहीं, अरविंद लिमिटेड के शेयरों में 5 फीसदी से ज्यादा की तेजी देखने को मिली और कंपनी के शेयर 387 रुपए पर पहुंचे। वर्धमान टेक्सटाइल्स लिमिटेड के शेयरों में 6 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई है। टेक्सटाइल कंपनी के शेयर बुधवार को 488 पर पहुंच गए।

डीएलएफ के तिमाही नतीजे जारी, कंपनी का मुनाफा बढा

नई दिल्ली।

रियल एस्टेट सेक टर की प्रमुख कंपनी डीएलएफ के चौथी तिमाही के नतीजे अच्छे रहे हैं। कंपनी के मुनाफे में जोरदार उछाल आया है और राजस्व में भी बढोतरी देखी गई है। इन वेस टर डीएलएफ शेयर पर जमकर पैसा लगा रहे हैं। मंगलवार को शुरुआत में डीएएलएफ शेयर एनएसई पर 5.71 फीसदी की तेजी के साथ 779.80 रुपये पर कारोबार कर रहा था। ब्रोकरेज फर्म जेफरीज और मॉर्गन स् टेनली ने डीएलएफ शेयर को खरीदने की सलाह दी है, जबकी नोमुरा ने इस रियल एस् टेट स् टॉक स् टॉक को 'न् यूट्रल' रेटिंग दी है। साल 2025 में डीएलएफ शेयर की कीमत करीब 6 फीसदी गिरी है तो एक साल में इसमें करीब 9 फीसदी की गिरावट आई है. पिछले एक महीने में यह शेयर 15 फीसदी चढा है। डीएलएफ का मुनाफा चौथी तिमाही में 36 फीसदी बढा है। इसी दौरान कंपनी के रेवेन्यू में 46 फीसदी की वृद्धि देखने को मिली है। हालांकि चौथी तिमाही में मार्जिन पर जरूर दबाव दिखाई दिया है। वहीं वित त वर्ष 2025 में 44 फीसदी ग्रोथ के साथ न्यू सेल्स बुकिंग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। वित्त वर्ष 25 में सेल्स बुकिंग 21,223 करोड़ रुपये रही।

एसयूवी बी 6 और एक्सईवी 9ई ने मचाई धूम

नई दिल्ली।

भारतीय बाजार में महिंद्रा की दो दमदार इलेक्ट्रिक एसयूवी बीई 6 और एक्सईवी 9ई ने धूम मचा दी है। ये दोनों वाहन महिंद्रा के इंग्लो प्लेटफॉर्म पर तैयार किए गए हैं, जो कंपनी के इलेक्ट्रिक भविष्य की एक झलक पेश करते हैं। मात्र 40 दिनों में इन दोनों गाड़ियों की 6300 से ज्यादा डिलीवरी हो चुकी है। पावर, सेफ्टी, टेक्नोलॉजी और डिजाइन के मामले में ये एसयूवी ईवी सेगमेंट में नए मानक स्थापित कर रही हैं। इंग्लो प्लेटफॉर्म की खासियत है इसका स्मार्ट डिजाइन जो केबिन के अंदर स्पेस देता है और कम सेंटर ऑफ ग्रैविटी से ड्राइविंग को ज्यादा स्थिर और आरामदायक बनाता है। हाई-डेंसिटी बैटरी टेक्नोलॉजी के साथ ये गाड़ियाँ फास्ट चार्जिंग सपोर्ट भी प्रदान करती हैं। दोनों एसयूवी में 59 केडब्ल्यूएच और 79 केडब्ल्यूएच बैटरी विकल्प उपलब्ध हैं, जो 20 मिनट में 20 प्रतिशत से 80प्रतिशत तक चार्ज हो जाती हैं। 79केडब्ल्यूएच बैटरी वाली कार लगभग 683 किलोमीटर की रेंज देती है, जो मेट्रो शहरों में 500 किलोमीटर तक रियल वर्ल्ड ड्राइविंग के लिए पर्याप्त है। सेफ्टी के मामले में भी महिंद्रा ने कोई कमी नहीं छोड़ी है। बैटरियों को लो-माउंट किया गया है ताकि सेंटर ऑफ ग्रैविटी कम रहे। दोनों एसयूवी में बोरॉन स्टील बॉडी, 7

एयरबैग, 360ए कैमरा, ऑटोमैटिक पार्किंग और लेवल 2प्लस अडास जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

इन्हें भारत के एकैप में 5-स्टार रेटिंग भी मिली है, जो इन्हें भारत की सबसे सुरक्षित इलेक्ट्रिक एसयूवी बनाती है।

परफॉर्मेंस की बात करें तो ये दोनों गाड़ियाँ 170 से 210केडब्ल्यू की पावर और 380 एनएम टॉर्क देती हैं। बीई 6 और एक्सईवी 9ईदोनों 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार लगभग 6.7 से 6.8 सेकंड में पकड़ लेती हैं। प्रीमियम फीचर्स में एक्सईवी 9ई का ट्रिपल स्क्रीन सेटअप, 16-स्पीकर हरमन कारडोन ऑडियो सिस्टम, ऑगमेंटेड रियलिटी हेड-अप डिस्प्ले, वायरलेस चार्जिंग और पैनोरमिक सनरूफ शामिल हैं।

होंडा अमेझ कंपनी फोकस कर रही है नए मॉडल पर

नई दिल्ली।

हाल ही में होंडा अमेझ कंपनी ने अमेझ का तीसरा जनरेशन मॉडल लॉन्च किया था, जिसके बाद दूसरी जनरेशन की बिक्री धीरे-धीरे कम होने लगी। होंडा अमेझ कॉम्पैक्ट सेडान सेगमेंट में लोकप्रिय है, लेकिन इसकी बिक्री मारुति सुजुकी डिजायर से कम रही है। आमतौर पर नया मॉडल आने पर पुरानी कार की बिक्री बंद कर दी जाती है, लेकिन होंडा ने दूसरी जनरेशन की अमेझ को स्टॉक खत्म होने तक बाजार में रखा। अब कंपनी ने आधिकारिक तौर पर दूसरी जनरेशन के वीएक्स ट्रिम को भारतीय बाजार से हटा दिया है। दिसंबर 2023 में लॉन्च हुई तीसरी जनरेशन अमेझ के आने के बाद भी होंडा ने दूसरी जनरेशन की अमेझ के एस और वीएक्स वेरिएंट की बिक्री जारी रखी थी। लेकिन अब बढ़ती मांग को देखते हुए कंपनी ने वीएक्स वेरिएंट की बिक्री बंद कर दी है।

फिलहाल दूसरी जनरेशन अमेझ का केवल स वेरिएंट ही उपलब्ध है, जिसे बंद किए जाने की संभावना है, हालांकि इस बारे में अभी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। दूसरी जनरेशन की अमेझ एस वेरिएंट की मैनुअल ट्रांसमिशन मॉडल की एक्स-शोरूम कीमत लगभग 7.62 लाख रुपये थी, जबकि ऑटोमैटिक सीवीटी वेरिएंट की कीमत 8.52 लाख रुपये के करीब थी। कार में डुअल एयरबैग्स, एलईडी डे-टाइम रनिंग लाइट्स, एलईडी टेल लाइट्स, 14-इंच के व्हील्स, मैनुअल एयर कंडीशनर, 2-डिन म्यूजिक सिस्टम और इलेक्ट्रिकली एडजस्टेबल ओआरवीएमएस जैसे फीचर्स मिलते थे।

एयरटेल ने शुरू की नई एआई-पावर्ड फॉड डिटेक्शन सर्विस

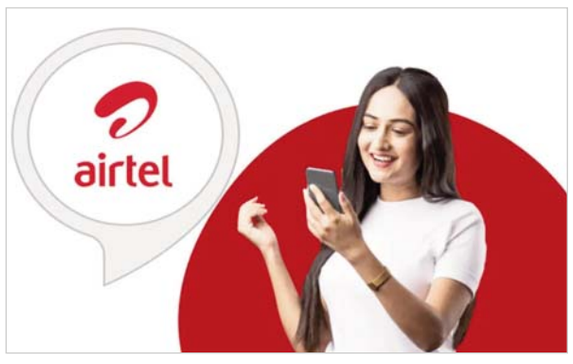

नई दिल्ली।

एयरटेल ने अपनी नई एआई-पावर्ड फ्रॉड डिटेक्शन सर्विस शुरू की है, जो यूजर्स को इंटरनेट पर मौजूद मलीशियस वेबसाइट्स, ओटीटी ऐप्स, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और मेसेजिंग ऐप्स के जरिए होने वाले स्कैम्स से बचाएगी। यह फ्रॉड डिटेक्शन टूल मल्टी-टियर्ड इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म का उपयोग करता है और रियल-टाइम में नुकसान पहुंचाने वाली वेबसाइट्स की पहचान कर उन्हें ब्लॉक करता है। एयरटेल की इस सर्विस से यूजर्स को फेसबुक, इंस्टाग्राम, वॉट्सऐप, टेलीग्राम, एसएमएस समेत कई प्लेटफॉर्म्स पर होने वाले ऑनलाइन फ्रॉड से सुरक्षा मिलेगी। जब कोई यूजर मलीशियस वेबसाइट एक्सेस करने की कोशिश करेगा, तो यह टूल उस पेज को लोड होने से रोक देगा और यूजर को एक अलग पेज पर रीडायरेक्ट करेगा, जिसमें ब्लॉक करने का कारण बताया जाएगा। एयरटेल के वाइस चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर गोपाल विट्टल ने बताया कि यह एआई-बेस्ड टूल इंटरनेट ट्रैफिक को स्कैन करता है, ग्लोबल डेटाबेस के साथ-साथ कंपनी के अपने रियल-टाइम खतरे वाले डेटाबेस की जांच करता है और फ्रॉड करने वाली वेबसाइट्स को ब्लॉक करता है। यह सर्विस एयरटेल के सभी मोबाइल और ब्रॉडबैंड यूजर्स के लिए ऑटोमैटिकली इनेबल्ड होगी और इसके लिए कोई एक्स्ट्रा चार्ज नहीं लिया जाएगा। फिलहाल इस सेवा की शुरुआत हरियाणा सर्कल से हुई है और जल्द ही इसे पूरे देश में लागू किया जाएगा। बता दें कि ऑनलाइन फ्रॉड के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं, जिनमें ज्यादातर यूजर्स के पर्सनल डेटा और बैंक अकाउंट्स को निशाना बनाया जाता है।

एसी, कोल्ड ड्रिंक और टैल्कम पाउडर जैसी वस्तुओं की बिक्री में भारी गिरावट

कंपनियों के पास अनबिके स्टॉक का बोझ है, जिसे निकाल पाना हो रहा है मुश्किल

मुंबई।

अप्रैल और मई में उम्मीद के मुताबिक तापमान नहीं बढ़ा, जिससे एसी, कोल्ड ड्रिंक और टैल्कम पाउडर जैसी वस्तुओं की बिक्री में भारी गिरावट दर्ज की गई है।` जिससे इन कंपनियों को अपने उत्पादन में 25 फीसदी तक कम करना पड़ा है। भारतीय मौसम विभाग ने इस साल भीषण गर्मी की भविष्यवाणी की थी, जिसके आधार पर कंपनियों ने मार्च तक बड़े पैमाने पर स्टॉक जमा कर लिया। उन्हें उम्मीद थी कि 2024 की तरह इस बार भी बिक्री के रिकॉर्ड टूटेंगे लेकिन अपेक्षाएं धराशायी हो गईं। परिणामस्वरूप अब कंपनियों के पास अनबिके स्टॉक का बोझ है, जिसे निकाल पाना मुश्किल हो रहा है। गोदरेज एंटरप्राइजेज के एप्लायंस के अनुसार एसी की बिक्री दक्षिण, पूर्व और पश्चिम भारत में पिछले साल की तुलना में 25-30 फीसदी तक घट गई है। इसलिए हमें उत्पादन में 20 फीसदी की कटौती करनी पड़ी है। ब्लू स्टार ने बताया कि अप्रैल में एसी की बिक्री में 15-20 फीसदी की गिरावट हुई, जबकि उन्हें 20-25 फीसदपी बढ़ोतरी की उम्मीद थी। उनका मानना है कि उत्पादन घटाकर स्टॉक संतुलन में लाया जा सकता है। एक बड़ी कोल्ड ड्रिंक कंपनी के अधिकारी ने बताया कि मांग में कमी के कारण दक्षिण और पूर्वी इलाकों में शिफ्टों की संख्या घटा दी गई है। पहले जहां दो

शिफ्टों में उत्पादन होता था, अब एक ही शिफ्ट में काम हो रहा है। इमामी जैसी कंपनियों ने बताया कि बारिश और कम तापमान की वजह से उनके टैल्कम पाउडर की बिक्री पर भी असर पड़ा है, खासकर दक्षिण और पूर्व भारत में।

बाबिल की कंट्रोवर्सी पर बोले अमित साध

फिल्म 'पुणे हाइवे' को लेकर अमित साध इन दिनों चर्चा में हैं। बग्स भार्गव कृष्णा और राहुल दाकुन्हा ने इस फिल्म को निर्देशित किया है। अमित साध के अलावा इस फिल्म में जिम सरभ भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हाल ही में इस फिल्म को लेकर ही अमित साध ने बातचीत की। अपने करियर से जुड़ी कई बातें भी साझा कीं। साथ ही बाबिल खान की हालिया कंट्रोवर्सी पर भी अपनी राय रखी।

बाबिल के बारे में ये कहा

अमित साध का मानना है कि जिंदगी किसी के लिए भी आसान नहीं है। बाबिल खान की हालिया कंट्रोवर्सी से वह इस बात को जोड़ते हैं। अमित साध कहते हैं, 'क्या हुआ उसने एक पोस्ट ही तो की है, अभी वो बच्चा है। जो लोग उसे टारगेट कर रहे हैं, वो खुद को देखें कि उन्होंने क्या कांड किए हैं। मैं जानता हूं कि बाबिल खान का परिवार उसके साथ खड़ा है, उसको सपोर्ट कर रहा है, उसे प्यार दे रहा है। देखिएगा, वह शानदार कमबैक करेगा। मैं भी उसके साथ काम करना चाहता हूं, फिल्म करना चाहता हूं, उसे बताना चाहता हूं कि वह कितना स्पेशल है।' बताते चलें कि कुछ दिन पहले इरफान खान के बेटे बाबिल खान की एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए, जिसमें वह रोते दिखे और बॉलीवुड के कुछ सेलिब्रिटी को फेक बताते नजर आए। इसके बाद उन्होंने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट डिलीट कर दिया। एक दिन बाद बाबिल की टीम ने सफाई दी कि उन्हें एंग्जायटी अटैक पड़ते हैं और उनकी बातों का गलत मतलब लिया गया है। इस कारण से बाबिल को सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल भी किया गया।

अमित बोले मैं भी बहुत कमजोर था

अमित साध यह भी बताते हैं कि जब आप इस इंडस्ट्री में आते हैं तो आपको तैयार रहना चाहिए कि लोग आपको जज करेंगे। वह कहते हैं, इस बात का असर आपके ऊपर हो सकता है, आप अलग-अलग तरह की चीजें सोचने पर मजबूर हो जाते हैं, गिरने की तरफ बढ़ने लगते हैं। लेकिन अगर आपके आसपास लोग ऐसे हैं, तो आपको सपोर्ट करते हैं तो आप बच जाते हैं। मैं भी बहुत कमजोर इंसान था, मुझे जल्दी ठेस पहुंच जाती थी। हां, अब मैं काफी मजबूत हूं। मेरी जिंदगी में अच्छे लोग आए, उनकी सलाह मैंने मानी।

फिल्म 'पुणे हाइवे' की क्या है कहानी

अमित साध की फिल्म 'पुणे हाइवे' की बात करें तो यह एक थ्रिलर ड्रामा है। इसमें तीन दोस्त हैं, जो एक मर्डर होने के बाद अलग-अलग तरह से प्रभावित होते हैं। फिल्म में अमित साध, जिम सरभ के अलावा स्मिता डोगरे, स्वप्निल अजगांवकर और मंजरी फडणीस जैसे एक्टर्स भी नजर आएंगे।

दिलजीत दोसांझ ने छोड़ी नो एंट्री 2

पंजाबी सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ से जुड़ी एक खबर सामने आई है। खबर है कि उन्होंने नो एंट्री फिल्म के सीक्वल से अपने कदम पीछे खींच लिए हैं। मेकर्स से क्रिएटिव मतभेद के कारण उन्होंने क्विट करने का फैसला लिया है। मार्च 2024 में ऐलान हुआ था कि दिलजीत, वरुण धवन और अर्जुन कपूर के साथ अहम रोल में नजर आएंगे। दिलजीत, वरुण धवन और अर्जुन कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करने के लिए बहुत एक्साइटेड थे। लेकिन पिछले कुछ हफ्तों से वो फिल्म क्रिएटिव के आइडिया से तालमेल नहीं बैठा पा रहे हैं। इसलिए उन्होंने क्रिएटिव मतभेद के कारण इस प्रोजेक्ट को छोड़ने का फैसला किया। हालांकि, चमकीला फिल्म के एक्टर ने अभी तक इस पर कोई अपडेट नहीं दिया है। प्रोड्यूसर्स भी चुप्पी साधे हुए हैं।

दिलजीत के फैंस हुए खुश!

जैसे ही ये खबर सामने आई, दिलजीत के फैंस काफी खुश नजर आ रहे हैं। उनका कहना है कि सिंगर ने फिल्म का हिस्सा ना बनने का अच्छा फैसला लिया है। एक यूजर ने लिखा, उन्हें पहले ही ये प्रोजेक्ट नहीं लेना चाहिए था। दूसरे ने लिखा, अच्छा हुआ कि उन्होंने ये प्रोजेक्ट छोड़ दिया। वो इन फिल्मों में फिट नहीं बैठते। दूसरे ने लिखा, अगर ऐसा है तो स्क्रिप्ट शायद एक रूढ़िवादी पंजाबी सरदार व्यक्ति की हो सकती थी।

20 साल पहले रिलीज हुई थी नो एंट्री

बता दें कि साल 2005 में नो एंट्री फिल्म आई थी। इसमें सलमान खान, अनिल कपूर और फरदीन खान थे। इसका निर्देशन अनीस बज्मी ने किया था। वे ही सीक्वल का डायरेक्शन भी करेंगे। निर्माता बोनी कपूर ने कथित तौर पर कहा था कि नई फिल्म में ऑरिजनल स्टार्स काम नहीं करेंगे। इस प्रोजेक्ट के लिए 10 फीमेल एक्ट्रेसेस को चुनने का प्रोसेस चल रहा है। उन्होंने कहा था, वो चैप्टर (पुरानी स्टार कास्ट का) खत्म हो चुका है। अब फिल्म में दिलजीत, वरुण और अर्जुन हैं। वरुण और अर्जुन सबसे अच्छे दोस्त हैं और दिलजीत कॉमेडी में शानदार हैं। इसलिए मुझे लगता है कि ये एक अच्छा और दिलचस्प मेल है।

मिथुन के बेटे नमाशी ने बॉलीवुड को कहा फेक, आउटसाइडर को काम ना देने पर बिफरे

दिग्गज एक्टर मिथुन चक्रवर्ती ने फिल्म इंडस्ट्री में लंबा समय बिताया है। नाम, पैसा और शोहरत... सबकुछ मिला। पर अब उनके बेटे नमाशी ने बॉलीवुड के काले सच का खुलासा किया है। उन्होंने इंडस्ट्री को फेक बताया और आउटसाइडर्स को मौका ना देने के लिए मेकर्स की आलोचना भी की और पक्षपात का आरोप लगाया। नमाशी चक्रवर्ती ने कमलक्ष शेट्टी के साथ हूज ऑन एयर से बातचीत के दौरान कहा कि उनके पिता मिथुन चक्रवर्ती बॉलीवुड की अन्य हस्तियों की तरह नहीं हैं। वो बोले, बॉलीवुड के लोग बहुत नकली होते हैं, मेरे पिता एक बहुत बड़ा अपवाद हैं।

पापा ने खुद अपनी इंडस्ट्री बनाई कभी सपोर्ट नहीं मिला

मिथुन को सरल, विनम्र और ईमानदार बताते हुए नमाशी ने कहा, जब 1990 के दशक के मध्य में उनका करियर ढलान पर था, तब उन्होंने ऊटी में करीब 100 कम बजट की एक्शन फिल्में कीं। उन्हें बी-ग्रेड एक्टर कहा जाता था। उन्होंने अपनी खुद की इंडस्ट्री बनाई, लेकिन मीडिया ने कभी उसका समर्थन नहीं किया, उनके अपने फेवरेट हैं।

आउटसाइडर्स को काम देना भूल गया बॉलीवुड

बॉलीवुड में अक्सर इनसाइडर्स वर्सेस आउटसाइडर्स की लड़ाई चलती है। इसको लेकर वो बोले, बॉलीवुड आउटसाइडर्स को काम देना भूल गया है। आज ये सब इस बात पर निर्भर करता है कि आप किसे जानते हैं... आपका बैकग्राउंड, आपका सरनेम और आपके कनेक्शन। पहले के दिनों में जिस किसी के भी पास टैलेंट होता था, वो इंडस्ट्री में सफल हो सकता था। आज अगर मिथुन चक्रवर्ती बंगाल से आते हैं तो मुझे नहीं लगता कि बॉलीवुड उन्हें लॉन्च करने या मौका देने के लिए एक्साइटेड होता। हम टैलेंट नहीं देखते हैं, हम सरनेम देखते हैं। दो साल पहले किया था डेब्यू नमाशी ने साल 2023 में बैड बॉय से बॉलीवुड में कदम रखा था। हालांकि, ये फिल्म उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी और बॉक्स ऑफिस पर पिट गई। रिपोर्ट्स के अनुसार, वो अगली बार महेश भट्ट के एक प्रोजेक्ट में नजर आ सकते हैं।

नितेश तिवारी की रामायण में काजल अग्रवाल की एंट्री, मंदोदरी के किरदार में आएंगी नजर

फिल्म रामायण का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। इसकी तैयारियां भी जोर-शोर से चल रही हैं। रामायण में भगवान राम की भूमिका में रणबीर कपूर नजर आएंगे। वहीं साई पल्लवी माता सीता के किरदार में नजर आएंगी। यश रावण का रोल अदा करने वाले हैं। अब कहा जा रहा है कि फिल्म के लिए मंदोदरी की तलाश भी पूरी हो गई है और एक साउथ एक्ट्रेस को चुना गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नितेश तिवारी की रामायण में काजल अग्रवाल की एंट्री हो गई है। वे इसमें रावण की पत्नी मंदोदरी का किरदार निभाती नजर आएंगी। उन्हें सुपरस्टार यश के अपोजिट देखा जाएगा। कहा तो यह भी जा रहा है कि फिल्म के लिए काजल ने शूटिंग भी शुरू कर दी है।

पहले साक्षी तंवर के नाम की थी चर्चा

मेकर्स को मंदोदरी के किरदार के महत्व को देखते हुए यश के अपोजिट एक मजबूत ऑन-स्क्रीन जोड़ी की तलाश थी। मेकर्स एक अच्छी हीरोइन की तलाश करने की कोशिशों में जुटे थे। पहले मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि अभिनेत्री साक्षी तंवर फिल्म में मंदोदरी का किरदार निभा सकती हैं। मगर अब काजल अग्रवाल पर आकर तलाश पूरी हुई है।

इस वजह से काजल को किया गया साइन

मेकर्स ने फिल्म में मंदोदरी के लिए बॉलीवुड और क्षेत्रीय सिनेमा तक कई अभिनेत्रियों की तलाश की। तब जाकर काजल अग्रवाल को फाइनल किया गया है। बॉलीवुड से साउथ तक उनकी लोकप्रियता को देखते हुए मेकर्स ने यह फैसला लिया। फिल्म रामायण में सनी देओल को हनुमान के रोल में देखा जाएगा। यह फिल्म दो हिस्सों में रिलीज होगी। पहला पार्ट साल 2026 में दिवाली के अवसर पर आएगा। वहीं दूसरा पार्ट साल 2027 में रिलीज होगा।

द रॉयल्स के लिए भूमि पेडनेकर ही थी पहली पसंद

ईशान खट्टर और भूमि पेडनेकर की सीरीज द रॉयल्स नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। सीरीज में शामिल सभी कलाकारों के किरदार लोगों को खुद से जोड़ पाने में सफल रहे हैं। भूमि हर बार की तरह इस बार भी अपने किरदार से दर्शकों के दिलों में उतर गई। एक्ट्रेस को सीरीज में कास्ट करने के बारे में निर्देशक प्रियंका घोष ने खुलकर बात की और उन्हें चुनने के पीछे अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि इस सीरीज के लिए उनकी पहली पसंद भूमि पेडनेकर ही थीं। सीरीज में भूमि पेडनेकर ने सोफिया शेखर का किरदार निभाया है, जो एक महत्वाकांक्षी लड़की है और अपनी कंपनी रॉयल और बीबी को टॉप पोजीशन पर पहुंचाने के लिए एड़ी से चोटी का दम लगाती है।

प्रियंका ने कहा, सोफिया के किरदार को जल्दबाजी और तुरंत फैसले लेने की आदत है। मेरे लिए इस किरदार के लिए भूमि ही सही एक्ट्रेस थीं। मुझे भरोसा था कि वह इस स्वभाव को इस तरह निभा सकती हैं, जो ज्यादा जोरदार या नकारात्मक लगने के बजाय बल्कि स्क्रीन पर स्वाभाविक और समझदारी भरा लगे। भारत में अक्सर सशक्त और अधिकार जताने वाली महिलाओं को लोग आसानी से स्वीकार नहीं करते, यह एक सामाजिक सच्चाई है। भूमि के अंदर कोमलता और संवेदनशीलता है, जिससे वह इस किरदार को संतुलन दे सकती हैं। सोफिया में कई कमियां हैं, पर भूमि ही ऐसी हैं जो इस तरह के किरदार को भी दर्शकों के लिए पसंदीदा बना सकती हैं।

इस सीरीज में दिग्गज अभिनेत्री जीनत अमान, साक्षी तंवर, विहान समत, काव्या त्रेहान, चंकी पांडे, नोरा फतेही, उदित अरोड़ा, लीसा मिश्रा, सुमुखि सुरेश और डिनो मोरिया भी शामिल हैं। सीरीज में डिनो की कॉमिक टाइमिंग और बेहतरीन डायलॉग डिलीवरी है, जो कहानी में ताजगी का तड़का लगाने का काम करती है। अपने रोल को लेकर डिनो मोरिया ने कहा है कि वे शो के किरदार में अपने आप की ही झलक दिखा रहे थे। डिनो मोरिया ने अपने किरदार के बारे में जानकारी दी और बताया कि उन्हें एक सनकी किरदार सलाहुद्दीन को निभाने में बहुत मजा आया। यह किरदार मेरी असली जिंदगी के स्वभाव से काफी मिलता-जुलता है।

उन्होंने कहा, इस किरदार को निभाना मेरे लिए एक मजेदार सफर रहा। शूटिंग के दौरान मैंने खूब मजे किए, हंसी-मजाक किया और सेट पर समय का आनंद लिया। मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि मुझे यह अवसर देने के लिए आपका धन्यवाद। मैं कैमरे के सामने खुद को पेश कर रहा था। अपनी किरदार के जैसा मैं असल जिंदगी में हूं, मुझे यह काफी पसंद आया। यह मजेदार और खुशमिजाज था।

इन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म को बताया टीवी से भी बदतर

अनुराग कश्यप बॉलीवुड में लीक से हटकर फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं, वेब सीरीज की दुनिया में भी वह 'सेक्रेड गेम्स' जैसी सीरीज को निर्देशित कर चुके हैं। हाल ही में अनुराग का गुस्सा कुछ नामी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर फूटा है। इनमें से कुछ स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म के साथ वह पहले काम भी कर चुके हैं। जानिए, क्या बोले अनुराग कश्यप। हाल ही में एक बातचीत में अनुराग कहते हैं, 'जब हमने सेक्रेड गेम्स और लस्ट स्टोरीज की, तब नेटफ्लिक्स भारत में आया था, हमें लगा कि यह एक अच्छा मौका है। हमने उनके साथ बहुत अच्छा काम किया। फिर धीरे-धीरे सबकुछ बदल गया। कोविड के बाद अब वे जो कर रहे हैं, वह तो टेलीविजन से भी बदतर है। आप इन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर जाते हैं और वे आपको बेवकूफ बना रहे हैं। आखिर में ये सभी कंपनियां चाहे नेटफ्लिक्स हो, अमेजन या एप्पल हो भारत आ रही हैं क्योंकि इन्हें हमारा डाटा चाहिए। आज के जमाने में डाटा, तेल (इंधन वाला तेल) की तरह की कीमती है।' अनुराग आगे कहते हैं, 'ये लोग हमारी अधिक से अधिक आबादी को अपना सब्सक्रिप्शन बेचना चाहते हैं। सभी लोगों तक पहुंचना चाहते हैं। वे किसी को नाराज नहीं करना चाहते। ऐसे में ये लोग सिनेमा नहीं बनाना चाहते, बस कंटेंट बना रहे हैं। ये स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म इस बात से खुश हैं कि लोग सड़क पर चलते हुए फोन में इनके शो देख रहे हैं।'

अनुराग कश्यप ने कुछ वक्त पहले खुलासा किया था कि उनकी वेब सीरीज 'सेक्रेड गेम्स 3' को नेटफ्लिक्स ने रद्द कर दिया था। दरअसल, सीरीज 'तांडव' को मिली आलोचना के बाद नेटफ्लिक्स ने यह फैसला लिया था। इसके अलावा 'मैक्सिमम सिटी' नाम का एक प्रोजेक्ट अनुराग कर रहे थे, उसे भी रद्द कर दिया गया है। यही कारण है कि अनुराग नामी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म से नाराज हैं।

अनुराग कश्यप अभिनय में भी उतर चुके हैं पिछले कुछ समय से अनुराग कश्यप की फिल्म 'कैनेडी' रिलीज का इंतजार रही है, इस बात से वह काफी दुखी हैं। इसके अलावा वह मुंबई छोड़कर अब दक्षिण भारत में जाकर रहने लगे हैं। इन दिनों साउथ की कई फिल्मों में विलेन के रोल में भी नजर आ रहे हैं। साउथ फिल्म 'महाराजा(2024)' में वह नजर आए थे, इसमें भी नेगेटिव रोल अनुराग ने किया था। इस साल भी वह कुछ साउथ की फिल्मों में एक्टिंग कर रहे हैं।

राजू और श्याम तो रहेंगे पर बदल जाएंगे 'बाबू भैया'!

बॉलीवुड की सबसे आइकॉनिक कॉमेडी फिल्मों में से एक 'हेरा फेरी' का तीसरा भाग लंबे समय से सुर्खियों में बना हुआ है। फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि कब राजू, श्याम और बाबू भैया की तिकड़ी एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाल मचाएगी। लेकिन अब फैंस को बड़ा झटका लगा है। परेश रावल ने छोड़ी हेरा फेरी 3

दरअसल रिपोर्ट्स की मानें तो अभिनेता परेश रावल ने फिल्म हेरा फेरी 3 को छोड़ दिया है। जी हां, एक्टर अब अपने फेमस किरदार बाबूराव के रूप में फैंस को एंटरटेन करते हुए नजर नहीं आएंगे। इस खबर के सामने आते ही फैंस हैरान रह गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक परेश रावल ने क्रिएटिव मतभेदों के चलते फिल्म को अलविदा कहा है। वो फिल्म की स्क्रिप्ट से खुश नहीं थे इसलिए उन्होंने फिल्म को छोड़ना ही बेहतर समझा। रिपोर्ट की मानें तो परेश रावल इस सीक्वल को लेकर काफी असमंजस में थे और अंत में उन्होंने इससे हटने का फैसला ले लिया।

सूत्रों के मुताबिक अब भी अगर बातचीत सही दिशा में जाती है, तो परेश को मनाया जा सकता है।

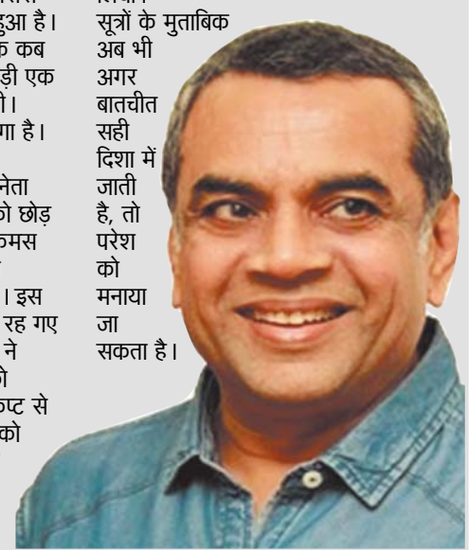

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः जितेन्द्र चौधरी, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in